शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 11 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मंत्री पीयूष ने लिया शोणितपुर जिला दिवस कार्यक्रम में भाग पेज 3
अब दुश्मन के विमानों को नष्ट करने के बाद ही दम लेगी आकाश-एनजी मिसाइल पेज 4
प्रदेश में खनन के नए ब्लॉकों को चिह्नित करके बढ़ाया जाए खनिज... पेज 5
जो सरकार बच्चियों और नारी की सुरक्षा नहीं कर सकती ... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बिष्णुपुर में फिर भड़की हिंसा 17 घायल, इंफाल में कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर से रुक-रुककर हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा हिंसा बिष्णुपुर जिले में हुई है। गुरुवार को कांगवई और फौगाकचाओ इलाके में हिंसा भड़की है। बताया जा रहा है कि कुछ प्रदर्शनकारी और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हालात पर काबू करने के लिए सेना और आरएएफ के जवानों ने आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान 17 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। उधर, जिला प्रशासन ने इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम से कर्फ्यू में ढील को वापस ले लिया है। एहतियात के तौर पर पूरे इंफाल घाटी में रात के कर्फ्यू के अलावा दिन के दौरान भी प्रतिबंध लगा दिया है। उधर, मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर विपक्षी दलों का संसद में हंगामा जारी है। गुरुवार को भी विपक्षी दलों ने संसद में जमकर हंगामा और नारेबाजी की। हंगामे के चलते संसद की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। उधर, गुरुवार तड़के मणिपुर हाईकोर्ट ने अहम आदेश दिया। हाईकोर्ट ने प्रस्तावित भूमि के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। इस भूमि पर हिंसा में मारे गए कुकी समुदाय के सदस्यों के शवों को सामूहिक रूप से दफनाया जाना था। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसा करने से पहले से ही अस्थिर कानून और व्यवस्था की स्थिति फिर बिगड़ सकती है।

दिल्ली सेवा विधेयक लोकसभा में पारित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा ने गुरुवार को दिल्ली सेवा विधेयक पारित कर दिया। विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया गया। इस दौरान विपक्ष ने सदन से बाहिर्गमन किया। यह चर्चित विधेयक दिल्ली में अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति संबंधी अधिकारों से जुड़ा है। लोकसभा में मणिपुर के मुद्दे पर कई दिनों से जारी गतिरोध के बाद आज राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 पर लंबी चर्चा हुई। इसमें सत्ता पक्ष के साथ ही कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने चर्चा में भाग लिया। चर्चा के दौरान गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहे। उन्होंने चर्चा की शुरूआत की और विपक्षी सदस्यों के बोलने के बाद अंत में जवाब भी दिया। विधेयक पर चर्चा की शुरूआत करते और उत्तर देते हुए अमित शाह ने विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सदन में पिछले दिनों करीब 9 विधेयकों को पारित किया गया। वे सब महत्वपूर्ण विधेयक थे लेकिन विपक्ष ने इन पर चर्चा में भाग नहीं लिया। उन्होंने मणिपुर का मुद्दा उठाया। हालांकि आज मणिपुर और अन्य सभी मुद्दे विपक्ष को याद नहीं है। इसका एक ही कारण है कि इन्हें एक पार्टी (आम आदमी पार्टी) को अपने गठबंधन में बनाये रखना था। शाह ने कहा कि विपक्ष को लोकतंत्र नहीं, बल्कि गठबंधन की चिंता है। केजरीवाल कहीं भाग न जाएं इसकी चिंता विपक्ष को है। अमित शाह ने कहा कि वे दावा करते हैं कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक बार फिर देश में सरकार बनेगी। वहीं जिस केजरीवाल के लिए गठबंधन का प्रयास चल रहा है वही केजरीवाल बाय-बाय कर गठबंधन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : मृतकों को दफनाने पर सहमति

इंफाल (हि.स.)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मणिपुर में सांप्रदायिक झड़पों में मारे गए 35 लोगों के अंतिम संस्कार और दफन को स्थगित करने का अनुरोध किया है। स्वदेशी संगठनों इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) और मणिपुर इंटेग्रिटी पर कॉआर्डिनेशन कमिटी (कोकोमी) के नेताओं ने गुरुवार सुबह करीब चार बजे केंद्रीय गृह मंत्रालय के लिखित अनुरोध के आधार पर अंतिम संस्कार में पांच दिन की देरी करने पर सहमति जताई है। मणिपुर में हिंसा में मारे गए तीन महिलाओं सहित कुल 35 -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी : एएसआई सर्वे को हरी झंडी मिलने के बाद एससी पहुंचा मुस्लिम पक्ष

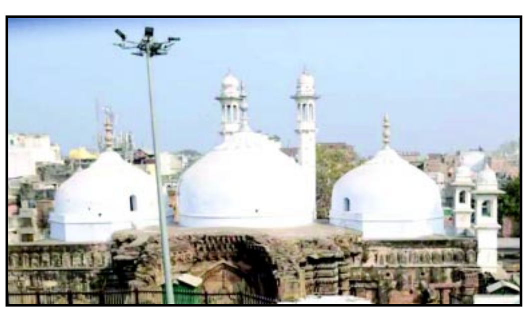

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी परिसर मामले में गुरुवार को नया मोड़ आया, जहां एक तरफ हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट अर्जी दाखिल की। वहीं मुस्लिम पक्ष ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दरवाजा खटखटाया। दरअसल, ज्ञानवापी परिसर मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के बाद सर्वे का रास्ता साफ हो गया। ऐसे में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कर सकती है। हालांकि, मुस्लिम पक्ष इस फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। मुस्लिम पक्ष के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया कि एएसआई को सर्वे करने की अनुमति नहीं दी जाए। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस मुद्दे पर गौर करेगा। वहीं, हिंदू याचिकाकर्ताओं में से एक ने गुरुवार -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
शासक को स्वयं योग्य बनकर योग्य प्रशासकों की सहायता से शासन करना चाहिए।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

जुम्मे की नमाज घर पर ही अता करने की अपील

नूंह (हि.स.)। शुक्रवार को जुम्मे की नजाम घरों पर ही अता करने के लिए नूंह के डीसी प्रशांत पंवार और एसपी वरुण सिंगला ने उलेमाओं से अपील की। उन्होंने कहा कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। जिस प्रकार उलेमाओं ने कोरोन काल के दौरान जिला प्रशासन का सहयोग किया था, उसी प्रकार संकट की इस घड़ी में भी वे सहयोग करें। गुरुवार को लघु सचिवालय में उलेमाओं के साथ बैठक करके डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि शुक्रवार को जुम्मे की नमाज है। वर्तमान में जिला में कर्फ्यू लगा हुआ है। ऐसे में जिला प्रशासन यहां के स्थानीय निवासियों से सहयोग की अपेक्षा करता है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति सामान्य करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि लोग हमारा सहयोग -शेष पृष्ठ दो पर

द. अमेरिकी देशों के साथ दोगुना कारोबार करेगा भारत : जयशंकर

नई दिल्ली। लातिनी अमेरिकी व कैरिबियन (एलएसी) क्षेत्र भौगोलिक तौर पर भले भारत से काफी दूर हों लेकिन इन देशों के साथ होने वाले द्विपक्षीय कारोबार कई पड़ोसी व एशियाई देशों से ज्यादा है। पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र के साथ द्विपक्षीय कारोबार बढ़ कर फिलहाल 50 अरब डॉलर पर आ चुका है। भारत सरकार ने दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ मिल कर वर्ष 2027-28 तक इसे 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां सीआइआइ की तरफ से आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए दी। इस सेमिनार में लातिनी अमेरिकी क्षेत्र के कई राजनयिकों ने भी हिस्सा लिया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने एलएसी क्षेत्र के साथ भारत के कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए चार सूत्रीय सुझाव पेश किया है। इसमें पहला है सप्लाई चेन का विस्तार करना। खास तौर पर नए वैश्विक माहौल में ऊर्जा, उपभोक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

40 लाख महिलाएं लगाएंगी एक करोड़ वृक्ष : सीएम

गुवाहाटी। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में तीन घंट में एक करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा. राज्य की 40 लाख महिलाएं हमारे इस जनांदोलन से जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को एक ट्वीट कर कहा कि जिस तरह चुनाव के पूर्व निर्वाचन आयोग बूथ तैयार करता, वैसे ही पौधा रोपण के लिए वन विभाग भी काम करेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बुधवार को जनता भवन में एक समारोह के दौरान अमृत वृक्ष आंदोलन के तहत मेगा वृक्षारोपण कार्यक्रम एक मोबाइल ऐप, -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम भाजपा ने सत्तारूढ़ एमएनएफ को एनडीए छोड़ने की दी चुनौती

एजल। भाजपा की मिजोरम इकाई ने राज्य में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को भगवा पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को छोड़ने की चुनौती दी है। मिजोरम भाजपा की ओर से यह चुनौती मुख्यमंत्री जोरमथांगा के उस बयान के कुछ ही दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एमएनएफ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से नहीं डरता। मिजोरम के मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्य भाजपा नेता के लालदिन्थरा ने कहा कि हालांकि एमएनएफ एनडीए छोड़ने की धमकी दे रहा है, लेकिन उसमें ऐसा करने का साहस नहीं है। मिजोरम के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के अध्यक्ष जोरमथांगा, जो भाजपा के सहयोगी हैं, ने 24 जुलाई को भाजपा पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की आलोचना की थी। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा ने कहा कि एमएनएफ भाजपा या उसके नेतृत्व वाले गठबंधन-एनडीए से *डरता नहीं* है।

मिजोरम के सीएम जोरमथांगा -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स के विस्तार को लेकर असहमति की खबरें निराधार : भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय में उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया है कि जिसमें कहा है कि भारत ब्रिक्स संगठन के विस्तार को लेकर कुछ असहमति रखता है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें बेबुनियाद हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में ब्रिक्स के विस्तार के बारे में भारत के पक्ष को दोहराते हुए कहा कि इसके लिए हम दिशा निर्देशक सिद्धांतों, मानकों और अर्हताओं तथा प्रक्रिया के बारे में विचार-विमर्श और मतैक्य के आधार पर फैसला किए जाने के पक्ष में है। प्रवक्ता ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस बयान का हवाला दिया कि ब्रिक्स के विस्तार के संबंध में भारत खुले मन और -शेष पृष्ठ दो पर

2024 चुनाव जीतने के लिए ईवीएम हैक करने की कोशिश में भाजपा : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने की कोशिश में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को हैक करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास दावे को साबित करने के लिए सबूत हैं। बनर्जी ने आगे कहा कि आई.एन.डी.आई.ए. बैठक में गठबंधन इस मुद्दे पर चर्चा करेगा। ममता ने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने (भाजपा) पहले ही योजना बनाना शुरू कर दिया है (आम चुनाव कैसे जीता जाए)। वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को हैक करने की कोशिश कर रहे हैं, हमने इसके बारे में सुना है और सबूत मिले हैं और और अधिक प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव जीतने का विश्वास जताते हुए, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सीएम ने कहा कि इंडिया 2024 का चुनाव जीतेगा और सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि इंडिया देश को बर्बादी, -शेष पृष्ठ दो पर

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक लोस में पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, 2023 पेश किया। विपक्षी सदस्यों ने इस विधेयक को पेश करने पर कड़ा विरोध किया और कहा कि यह विधेयक निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। उन्होंने मांग की कि विधेयक को जांच के लिए स्थायी समिति के पास भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले साल डेटा संरक्षण पर एक विधेयक वापस ले लिया था और नए विधेयक की अधिक जांच की जरूरत है। वैष्णव ने कहा कि यह कोई धन विधेयक नहीं है और विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का जवाब बहस के दौरान दिया जाएगा। बिल डिजिटल व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए इस तरह से प्रावधान करता है जो व्यक्तियों के अपने व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के अधिकार और वैध उद्देश्यों के लिए ऐसे व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करने की आवश्यकता दोनों को पहचानता है। वहीं दूसरी ओर कई विपक्षी पार्टियों ने इस बिल का विरोध किया। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी, टीएमसी सांसद सौगत रॉय और कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल, 2023 पेश करने का विरोध किया। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि, मैं बिल का विरोध करता हूं। इस बिल के जरिए सरकार सूचना का अधिकार कानून और निजता के अधिकार को कुचलने जा रही है। इसलिए, हम इस सरकार द्वारा प्रदर्शित किए जा रहे इस तरह के भयावह इरादे का पुरजोर -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को समग्र विकास के उत्कर्ष तक ले जाएं : राष्ट्रपति

भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध है। यहां सर्वाधिक जनजातियां निवास करती हैं। हमारे सामूहिक प्रयास होने चाहिए कि हम अपनी संस्कृति, लोकाचार, रीति-रिवाज और प्राकृतिक परिवेश को सुरक्षित रखते हुए जनजातीय समुदाय के आधुनिक विकास में भागीदार बनें। नव उन्मेष से संयुक्त प्रतिभाएं भारत को समग्र विकास के उत्कर्ष तक ले जाएं। *उन्मेष* और *उत्कर्ष* जैसे आयोजन इस दिशा में तर्क संगत भी हैं और भाव संगत भी। ऐसा आयोजन एक सशक्त *कल्चरल ईको सिस्टम* का निर्माण करेगा। मध्यप्रदेश शासन का इसमें सक्रिय सहयोग सराहनीय है। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार को भोपाल के रवींद्र भवन में उत्कर्ष और उन्मेष उत्सव के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रही थीं। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय अंतर्गत संगीत नाटक अकादमी और साहित्य अकादमी द्वारा संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से भोपाल में पहली बार 3 से 5 अगस्त तक भारत की लोक एवं जनजाति अभिव्यक्तियों के राष्ट्रीय उत्सव उत्कर्ष एवं उन्मेष का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने दीप प्रज्ज्वलन कर उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद मेरी सर्वाधिक यात्राएं मध्यप्रदेश में हुई हैं। मैं आज पांचवीं बार मध्यप्रदेश की यात्रा पर आई हूं। मैं मध्यप्रदेश के 8 करोड़ निवासियों को यहां -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा हैदर लड़ेगी लोकसभा चुनाव!

नई दिल्ली। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर की लॉटरी लग गई है। सीमा को एक के बाद एक ऑफर मिल रहे हैं। फिल्मों के बाद अब सीमा हैदर को तमाम राजनीतिक पार्टियों की तरफ से ऑफर मिल रहे हैं। दरअसल केंद्र सरकार में मंत्री रामदास अठावले की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इण्डिया ने सीमा हैदर को पार्टी ज्वॉइन करने का ऑफर दिया है जिसे सीमा हैदर ने स्वीकार कर लिया है। पाकिस्तान के कराची से नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से चार बच्चों के साथ ग्रेटर नोएडा आई सीमा हैदर को मोदी सरकार में शामिल राम दास अठावले की पार्टी ने राजनीति में आने का ऑफर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत की पाक पीएम शहबाज को दो टूक

बातचीत के लिए आतंक और शत्रुता मुक्त वातावरण जरूरी

नई दिल्ली। भारत ने गुरुवार को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को दो टूक जवाब देते हुए साफ कर दिया कि अगर भारत के साथ बातचीत करना चाहते हैं तो इसके लिए आतंकवाद और शत्रुता मुक्त वातावरण जरूरी है। दरअसल, आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में एक बार फिर से भारत के साथ बातचीत की इच्छा जाहिर की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय की गुरुवार को होने वाली साप्ताहिक प्रेस वार्ता में प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने रिपोर्ट देखी हैं। भारत का रुख इस बात पर कायम है कि हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं...लेकिन इसके लिए आतंक और शत्रुता मुक्त माहौल बनाना होगा। इससे पहले मंगलवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की इच्छा प्रकट की थी। उन्होंने इस्लामाबाद में मिनरल समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा था कि देश निर्माण के लिए वे पड़ोसियों के साथ बात करने को तैयार हैं। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा को लेकर अमेरिका ने लोगों से शांति की अपील की थी। इस टिप्पणी को लेकर भी विदेश मंत्रालय का बयान सामने आया। अरिंदम बागची ने कहा कि आप हिंसा रोकने और शांति बहाल करने के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों से अवगत हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद का समर्थन करता है अमेरिका

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुद्दों पर आधारित सीधे संवाद का अमेरिका समर्थन करता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तरफ से हाल ही में भारत से बातचीत की पेशकश पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम गंभीर मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करते हैं। बुधवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में प्रवक्ता ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की भारत से बातचीत की पेशकश को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि लंबे समय से अमेरिका का यही रुख रहा है। हमने दोनों देशों के बीच सीधे संवाद का समर्थन किया है। इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद के एक समारोह में माना कि युद्ध का कोई विकल्प नहीं है और पाकिस्तान अपने पड़ोसियों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, बशर्ते पड़ोसी भी गंभीर मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार हो। शरीफ ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में हमने तीन युद्ध लड़े और उससे हुआ यह कि गरीबी, बेरोजगारी और लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याणकारी कार्यों के लिए संसाधनों की कमी हो गई।

गौहाटी उच्च न्यायालय को मिले पांच नए न्यायाधीश

नागालैंड। गौहाटी हाईकोर्ट को मंगलवार को दो महिलाओं समेत पांच नए जज मिल गए। वे हैं न्यायमूर्ति काखेतो सेमा, न्यायमूर्ति देवाशीष बरुवा, न्यायमूर्ति मालाश्री नंदी, न्यायमूर्ति मार्ली वानकुंग और न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने शपथ दिलाई। इन नई नियुक्तियों के साथ, गौहाटी उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 24 न्यायाधीश हो गए हैं।

कचरे के ढेर से नवजात शिशु का शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव जिला मुख्यालय शहर में कचरे के एक ढ़ेर से नवजात शिशु की शव बरामदगी को लेकर सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह शव नगांव शहर के मूलापट्टी इलाके में दो नंबर रेल गेट के निकट एक कचरे के ढेर से मिला। सभ्य समाज को शर्मसार कर देने वाली इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कचरे के ढेर से निकाला। पुलिस द्वारा इसे नगांव सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संदर्भ में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देखी जा रही है।

नामेरी राष्ट्रीय उद्यान बाघ हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के नामेरी राष्ट्रीय उद्यान में हुई बाघ की हत्या में शामिल दो और लोगों को आज गिरफ्तार कर लिया गया है। ज्ञात हो कि बीते सप्ताह इसी सिलसिले में अन्य दो लोगों को असम-अरुणाचल प्रदेश की सीमा से गिरफ्तार किया गया था। आज गिरफ्तार किए गए आरोपियों में कानाई दैमारी और डदा बसुमतारी शामिल हैं। इन दोनों को जिले के बालीजुरी से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से चार हस्तनिर्मित बंदूकें जब्त की गई है। इस संदर्भ में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नामरूप : बिजली की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिले के नामरूप थाना क्षेत्र के खेरेमिया गांव में सड़क पर पड़े बिजली के तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत से सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात आई हल्की आंधी में नामरूप खेरेमिया गांव में मुख्य सड़क के किनारे एक बिजली के खंभे से बिजली का एक तार टूटकर गिर गया था। गांव के 41 वर्षीय मंटू तांती कीचड़ से बचने के लिए उसी रास्ते से घर चला गया। उसने सड़क पर पड़े तारों पर पैर रखा दिया। तत्काल ही उसकी छटपटाहट के साथ मौत हो गई। तांती को स्थानीय लोग तुरंत नामरूप के सरकारी अस्पताल ले गए, लेकिन अस्पताल में उसे मृत घोषित किए जाने के बाद स्थानीय लोगों का बिजली विभाग के प्रति गुस्सा फूट पड़ा। इस घटना के बाद काफी देर तक अस्पताल में हंगामा होता रहा। मौके पर पहुंची नामरूप पुलिस शव को नामरूप थाने ले गई। इस घटना के बाद आज नामरूप पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी, असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) दुलियाजान डिवीजन के सह-महाप्रबंधक चिकुन हजारिका और नामरूप सब-डिवीजन के अधिकारी मृतक के घर पर पहुंचे।

लखीमपुर सड़क हादसे में युवती की मौत, दो घायल

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर बाईपास पर बोवालगुड़ी में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवती की मौत हो गई। जबकि, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि यह हादसा बुधवार रात उस समय हुआ जब तेज रफ्तार से चल ही एक मारुति ब्रेजा गाड़ी एक ट्रक से टकरा गई। ब्रेजा (एएस-07 एम-3904) में सवार युवती की तत्काल ही मौत हो गई। जबकि, गाड़ी में सवार अन्य दो युवकों की हालत गंभीर है। घायलों को गंभीर अवस्था में लखीमपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। घटना की जांच जारी है।

मामा ने धारदार हथियार से की अपनी भांजी की हत्या

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के फिलबाड़ी में एक मामा ने निर्ममतापूर्वक अपनी 7 वर्षीय भांजी की हत्या कर दी है। पुलिस ने आज बताया कि इस नृशंस हत्या की सनसनीखेज घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। आरोप है कि यह हत्या इसी इलाके के कृष्ण बोरा नामक एक व्यक्ति ने की है। हत्या को अंजाम देने के बाद से आरोपी कृष्णा बोरा फरार है। इसी बीच तिनसुकिया पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार आरोपी बोरा ने कहा कि यह घटना उससे शराब के नशे में हुई थी। पुलिस ने इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर हत्या के आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पृष्ठ एक का शेष

दिल्ली सेवा विधेयक ...

से बाहर जाने वाले हैं। विपक्ष की ओर से उठाए सवालों का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने दिल्ली सरकार के कामकाज पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि देश में एक ही विधानसभा है जिसका सत्रावसान नहीं होता। केवल राजनीतिक प्रतिद्वंदियों पर हमला करने के लिए एक दिन का सत्र बुला लिया जाता है। विधानसभा केवल बजट पारित करने के लिए बुलाई जाती है। राज्य में कैबिनेट की बैठक नहीं होती है। अध्यादेश लाने पर शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पूरी तरह आने से पूर्व ही दिल्ली सरकार ने बहुत तेजी से काम करना शुरू कर दिया। सरकार का निशाना सीधा विजलेंस विभाग पर था। विजलेंस विभाग में कई संवेदनशील मुद्दों से जुड़ी फाइलें मौजूद हैं। इसमें आबकारी घोटाले, मुख्यमंत्री के नए बंगले पर हुए खर्च, पार्टी प्रचार पर हुए खर्च, खुफिया विभाग से जुड़ी फाइलें थीं। इससे पहले कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेताओं ने विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संघीय ढांचे पर हमला और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा कई अन्य मसलों पर सरकार को घेरने की कोशिश की गई। बहस के अंत में लोकसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 ध्वनिमत से पारित होने की घोषणा की।

मणिपुर : मृतकों को ...

लोगों को आज सुबह 11 बजे राज्य के चुराचांदपुर जिले के तुईबुयंग में निर्धारित शांति मैदान में दफनाया जाना था। इन 35 लोगों में ईसाई, एक यहूदी और दो मेसियानिक शामिल हैं। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज (3 अगस्त) सुबह करीब 4 बजे तक नई दिल्ली में विभागों के राज्य मंत्री नित्यानंद राय और शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। विभिन्न मांगों में, आदिवासी नेताओं ने राज्य सरकार से 35 शवों को दफनाने के लिए निर्धारित भूमि को वैध बनाने की मांग की थी। आधी रात से हुई बैठक में लंबी चर्चा के बाद शाह ने अनुरोध किया कि राज्य में हिंसा में मारे गए 35 शवों को दफनाने का काम फिलहाल टाल दिया जाए। उनके अनुरोध पर आईटीएलएफ के अध्यक्ष पा जिन हाओकिप, ईसाई सद्भावना परिषद के अध्यक्ष रेवरेंड डॉ. एस वोंग मिंथांग और कोकोमी के समन्वयक जितेंद्र निंगंबारा सहित आदिवासी नेताओं ने अंतिम संस्कार में पांच दिन की देरी करने पर सहमति जताई है। मणिपुर में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सभी संबंधितों से अपील करते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आज (3 अगस्त को) आदिवासी नेताओं को लिखित में आश्वासन दिया कि अगले सात दिनों के भीतर सभी पक्षों की पूर्ण संतुष्टि के लिए उत्पन्न होने वाले मुद्दों को हल करने का प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आईटीएलएफ ने पांच मांगों के आधार पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से लिखित आश्वासन मांगा था। इन मांगों में मणिपुर के चुराचांदपुर के एस बलजंग में एक नया कब्रिस्तान बनाना, कुकी-जो समुदाय की सुरक्षा के लिए सभी पहाड़ी जिलों में राज्य बलों की तैनाती नहीं करना, कुकी-जो समुदाय के शवों को इम्फाल के चुराचांदपुर लाना, इंफाल जेल में बंद आदिवासियों को सुरक्षा के लिए राज्य से स्थानांतरित करना शामिल है।

ज्ञानवापी : एएसआई सर्वे ...

को सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए पहले ही एक कैविएट अर्जी दाखिल कर दी। अगर मुस्लिम पक्ष एएसआई को सर्वे को संचालन करने की अनुमति देने वाले हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दायर करता है तो बिना उनका पक्ष सुने हुए कोई भी आदेश पारित नहीं किया जाए। सनद रहे कि एक वादी द्वारा कैविएट अर्जी यह सुनिश्चित करने के लिए दाखिल की जाती है कि बिना सुने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए। वाराणसी के जिला जज ने 21 जुलाई को ज्ञानवापी परिसर में वजूखाना व शिवलिंग छोड़कर अन्य क्षेत्र के एएसआइ सर्वे का निर्देश दिया था। इसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसपर पर सुप्रीम कोर्ट ने 24 जुलाई को एएसआई सर्वे पर 26 जुलाई तक रोक लगाते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने की सलाह दी थी।

40 लाख महिलाएं ...

लकड़ी आधारित उद्योगों के पंजीकरण के लिए वेब पोर्टल और इसका थीम पर एक गीत लॉन्च किया था। इस वर्ष 17 सितंबर को राज्य में एक करोड़ व्यापार योग्य पौधे लगाने के लिए असम सरकार ने हरित आवरण का विस्तार करने का निर्णय किया था।

मिजोरम भाजपा ने ...

ने कहा कि हम (एमएनएफ) भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम एनडीए से डरते नहीं हैं और न ही हम गठबंधन की सभी नीतियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि एमएनएफ मिजोरम में विकास लाने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन में है। लेकिन हम भाजपा के हां में हां मिलाने वाले व्यक्ति नहीं हैं। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने कहा था कि एमएनएफ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए द्वारा शुरू की गई नीतियों पर आपत्ति जताता है, जो राज्य के लोगों के लिए हानिकारक लगती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद एमएनएफ ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के प्रस्तावित कार्यान्वयन पर कड़ी आपत्ति जताई है। हालांकि, बाद में आइजोल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीएम जोरमथांगा ने कहा कि मिजो नेशनल फ्रंट ने अभी तक एनडीए से संबंध तोड़ने पर कोई निर्णय नहीं लिया है। अब तक हम एनडीए के सदस्य हैं। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि एमएनएफ का भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ संबंध *मुद्दा आधारित* है।

ब्रिक्स के विस्तार ...

सकारात्मक सोच रखता है। दक्षिण अफ्रीका से जोहान्सबर्ग में आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखरवार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रत्यक्ष भाग न लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिरकत करने संबंधी खबरों को प्रवक्ता ने अटकलबाजी बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की उच्चस्तरीय यात्रा के संबंध में यथा अवसर जानकारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी मीडिया में इस आशय के समाचार प्रकाशित हुए थे कि भारत ब्रिक्स संगठन के विस्तार पर असहमति रखता है। इन खबरों में यह भी कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी जोहान्सबर्ग जाने की बजाए शिखरवार्ता में वीडियो लिंक के जरिए शिरकत करेंगे। ब्रिक्स संगठन में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल है। दुनिया के अनेक देशों ने ब्रिक्स संगठन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की है। पिछले दिनों ब्रिक्स विदेश मंत्रियों ने नए सदस्यों को शामिल किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश और अर्हताएं तय की हैं जिन्हें शिखरवार्ता के दौरान शीर्ष नेताओं के सामने रखा जाएगा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन वीडियो लिंक के जरिए शिखरवार्ता में भाग लेंगे। उनकी ओर से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जोहन्सबर्ग जा रहे हैं।

2024 चुनाव जीतने ...

सांप्रदायिक तनाव और बेरोजगारी से बचाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे (भाजपा) पहले से ही योजना बना रहे हैं (कि आम चुनाव कैसे जीता जाए)। वे ईवीएम को हैक करने की कोशिश कर रहे हैं, हमने इस बारे में सुना है व सबूत हासिल किए हैं तथा और अधिक सबूत प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले ममता ने भाजपा पर लोकसभा चुनाव से पहले बंगाल में अशांति फैलाने की योजना बनाने का भी आरोप लगाया था। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा राजभवन में भ्रष्टाचार रोधी प्रकोष्ठ स्थापित किए जाने की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को तीखी आलोचना की और इसे राज्य प्रशासन के कामकाज में हस्तक्षेप का प्रयास करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बोस *एक मुखौटा लगाकर* भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निर्देशों के तहत काम कर रहे हैं। वहीं, राजभवन में भ्रष्टाचार रोधी प्रकोष्ठ की शुरुआत के दौरान बोस ने तृणमूल के आरोप को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह प्रकोष्ठ दूसरे के कार्यक्षेत्र में अतिक्रमण नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ऐसी पहल आम लोगों को सक्षम अधिकारियों के पास अपनी शिकायतें भेजने में मदद करेगी।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा ...

विरोध कर रहे हैं। इस बिल को स्थायी समिति या किसी अन्य मंच पर चर्चा के लिए भेजें। यह विधेयक सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे प्रौद्योगिकी नियमों के व्यापक ढांचे का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसमें डिजिटल इंडिया विधेयक (सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 का प्रस्तावित उत्तराधिकारी), भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 और गैर व्यक्तिगत डाटा को नियंत्रित करने वाली नीति भी शामिल है। इस विधेयक का भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डाटा के प्रसंस्करण पर अधिकार क्षेत्र होगा। इसमें ऑनलाइन या ऑफलाइन एकत्र किया गया और बाद में डिजिटलीकृत डाटा शामिल है। यह विधेयक भारत के बाहर डाटा के प्रसंस्करण पर भी लागू होगा यदि इसमें भारत में वस्तुओं या सेवाओं की पेशकश या व्यक्तियों की प्रोफाइलिंग भी शामिल है। इस बिल के अनुसार, व्यक्तिगत डाटा को केवल व्यक्ति की सहमति से वैध उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। कुछ मामलों में, सहमति निहित हो सकती है। डाटा फिडुशियरीज को डाटा की सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित करने और इसका उद्देश्य पूरा होने के बाद इसे हटाने की आवश्यकता होती है। पीआरएस इंडिया के अनुसार, विधेयक व्यक्तियों को कुछ अधिकार प्रदान करता है, जिसमें जानकारी तक पहुंचने, सुधार और हटाने का अनुरोध करने और शिकायतों के निवारण का अधिकार शामिल है। सरकार अपनी एजेंसियों को राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था जैसे निर्दिष्ट आधारों के आधार पर विधेयक के कुछ प्रावधानों से छूट दे सकती है। विधेयक के अनुपालन को लागू करने के लिए, सरकार भारतीय डाटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना करेगी। हालांकि, राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे आधार पर डाटा प्रोसेसिंग के लिए सरकार को दी गई छूट निजता के अधिकार के संभावित उल्लंघन के बारे में चिंता पैदा करती है। विधेयक सहमति और भंडारण सीमाओं के संबंध में निजी और सरकारी संस्थाओं के साथ अलग-अलग व्यवहार करता है, जो समानता के अधिकार का उल्लंघन कर सकता है। भारतीय डाटा संरक्षण बोर्ड की संरचना और कार्यप्रणाली केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी, जिससे इसकी स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं। विधेयक डाटा पोर्टेबिलिटी के अधिकार या भूल जाने के अधिकार का प्रावधान नहीं करता है। किसी बच्चे के व्यक्तिगत डाटा को संसाधित करने से पहले डाटा फिडुशियरीज को कानूनी अभिभावक से सत्यापन योग्य सहमति प्राप्त करनी होगी।

भारत को समग्र ...

मेरे आत्मीय स्वागत के लिए धन्यवाद देती हूं। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रप्रेम और विश्व बंधुत्व हमारे देश की चिंतन धारा में सदैव रहे हैं। प्राचीनकाल से हमारी परंपरा कहती है कि यत्र विश्व भवति एक नीडम्। पूरा विश्व एक परिवार है। इस बार भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है और उसका आदर्श वाक्य वन अर्थ, वन फेमिली एवं वन फ्यूचर इसी भावना की अभिव्यक्ति है। यही भावना महा कवि जयशंकर प्रसाद की कविता में प्रतिबिंबित होती है: अरुण यह मधुमय देश हमारा, जहां पहुंच अंजान क्षितिज को मिलता एक सहारा। उन्होंने कहा कि साहित्य का सत्य हमेशा इतिहास के सत्य ऊपर होता है। कवि वर रविंद्रनाथ टैगोर और महर्षि नारद की रचनाओं में यह स्पष्ट है। साहित्य मानवता का आइना है, इसे बचाता है और आगे बढ़ाता भी है। साहित्य और कला संवेदनशीलता, करुणा और मनुष्यता को बचाती है। साहित्य और कला को समर्पित यह आयोजन सार्थक और सराहनीय है। राष्ट्रपति ने कहा कि विश्व आज गंभीर चुनौतियों से गुजर रहा है। विभिन्न संस्कृतियों में समन्वय और आपसी समझ विकसित करने में साहित्य और कला का महत्वपूर्ण योगदान है। साहित्य वैश्विक समुदाय को शक्ति प्रदान करता है। साहित्य की कालातीत श्रेष्ठता से हर व्यक्ति परिचित है। विलियम शेक्सपियर की अमर कृतियां आज भी इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य आपस में जुड़ता भी और जोड़ता भी है। मैं और मेरा से ऊपर उठकर रचा गया साहित्य और कला सार्थक होते हैं। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों की भाषाएं और बोलियां मेरी हैं। विभिन्न भाषाओं में रचनाओं का अनुवाद भारतीय साहित्य को और समृद्ध करेगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी का संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल करने का प्रयास अत्यंत सराहनीय था। उन्होंने कहा कि उन्मेष का अर्थ आंखों का खुलना और फूल का खिलना है। यह प्रज्ञा का प्रकाश और जागरण है। 19वीं शताब्दी में नव जागरण की धाराएं 20वीं सदीं के पूर्वार्द्ध तक प्रवहमान रहीं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वधीनता और पुनर्जागरण के आदर्शों को साहित्यकारों ने बखूबी अभिव्यक्त किया। उस समय का साहित्य देशभक्ति की भावना की अमर अभिव्यक्ति है। उस समय के साहित्य ने मातृभूमि को देवत्व प्रदान किया। भारत का हर पत्थर शालिग्राम बना। बंकिमचंद्र चटर्जी, सुब्रमण्यम् जैसे महान साहित्यकारों की रचनाओं का जनमानस पर गहरा प्रभाव रहा। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्कर्ष जनजातीय समाज की उन्नति का उत्सव है। उन्होंने कहा कि जिस दिन भारत का जनजातीय समाज उन्नत हो जाएगा, उस दिन भारत विश्व में विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो जाएगा। भारत में 700 से अधिक जनजातीय समुदाय हैं और इससे लगभग दो गुना उनकी भाषाएं हैं। आज जब भारत का अमृत काल चल रहा है, तो हमारा यह दायित्व है कि जनजातीय भाषा और संस्कृति जीवित और विकसित होकर रहें।

सीमा हैदर लड़ेगी ...

दिया है। साथ ही कहा कि वह अपने सिंबल पर सीमा हैदर को चुनाव लड़ाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश महिला विंग की अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाएंगे। अब बस केंद्रीय मंत्री की पार्टी को सुरक्षा एजेंसियों की जांच में सीमा को क्लीन चिट मिलने का इंतजार है। सचिन के प्यार के खातिर चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते अवैध तरीके से भारत आने वाली पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर ने फिल्म साइन कर ली है। जल्द ही वह अभिनेत्री बनने वाली है। यह खबर तो आपने सुन ही ली होगी। अब केंद्रीय मंत्री की पार्टी ने सीमा को अपने सिंबल पर चुनाव लड़वाने का एलान किया है। इससे पहले एनी फायरफॉक्स प्रोडक्शन हाउस की टीम ने सीमा हैदर से मुलाकात की थी। फिल्म डायरेक्ट जयंत सिन्हा और भारत सिंह ने सीमा हैदर का ऑडिशन लिया था। सीमा हैदर टेलर मर्डर स्टोरी में भारत की तरफ से रॉ एजेंट का किरदार निभाएगी। सीमा गुलाम हैदर एक पाकिस्तानी महिला है, जो कराची की रहने वाली हैं। चार बच्चों की मां सीमा हैदर को 30 की उम्र में 2023 में पबजी खेलते हुए एक भारतीय से ऑनलाइन प्यार हो गया। उनका प्यार परवान चढ़ता गया और सीमा दुबई में काम कर रहे अपने पति और पाकिस्तान का अपना घर छोड़कर अपने प्रेमी सचिन के पास पहुंच गई। दुबई और नेपाल होते हुए सीमा हैदर अपने बच्चों के साथ चुपके से भारत की सीमा पार कर दिल्ली के पास ग्रेटर नोएडा पहुंची जहां प्रेमी सचिन रहता है।

जुम्मे की नमाज ...

करें और ज्यादा भीड़-भाड़ से बचें। बैठक में उलेमाओं ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे जिला प्रशासन का पूरा सहयोग करेंगे और जुम्मे की नमाज घर पर ही अता करेंगे। उन्होंने आमजन से शान्ति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि लोग घबराएं नहीं, मिल-जुल कर शान्ति से रहें। दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। एसपी वरूण सिंगला ने कहा कि ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान हुई हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि किसी निर्दोष के साथ गलत नहीं होगा और दोषियों के खिलाफ ही कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आरोपियों की पहचान करने में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि गांव के युवा उपद्रवियों को पकड़वाने में आगे आएं। बैठक में अतिक्ति उपायुक्त रेनु सोगन, सीटीएम गजेंद्र सिंह, जिला प्रमुख जान मोहम्मद, मुफती जाहिद, मौलाना शेर मोहम्मद, मुफती ईसाक, मौलाना इरफान, मुफती तारिक, मौलाना दिलशाद, मौलाना साजिद करीन, मौलाना अरसद तावड़ू, मौलाना सलीम साकरस सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

द. अमेरिकी देशों ...

सुरक्षा जैसे क्षेत्र में सप्लाई चेन का विस्तार अब जरूरी हो गया है। दूसरा, तेल, गैस, रणनीतिक खनिजों, खाद्यान्न में साझेदारी का विस्तार करना। भारत की तरह ही एलएसी में भी मध्यम वर्ग का विस्तार हो रहा है और इससे आपसी सहयोग की काफी संभावनाएं पैदा हो रही हैं। तीसरा सुझाव उन्होंने भारतीय उद्यमियों को यह दिया कि वह लातिनी अमेरिकी देशों की जरूरतों के हिसाब से उत्पाद व सेवा को देने पर जोर दें। चौथा सुझाव यह दिया कि लातिनी अमेरिकी देश भारत के साथ मिल कर वैश्विक चुनौतियों को दूर करने के लिए काम करें। जयशंकर ने बताया कि पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार के आने के बाद लातिनी अमेरिकी देशों के साथ कारोबारी संबंधों को लेकर कई तरह के उपाय किये जा रहे हैं। भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में 15 अरब डॉलर का निवेश कर चुकी हैं। भारत ने पिछले वर्ष सात अरब डॉलर का तेल व गैस वहां से खरीदा है। बोलिविया, क्यूबा, गुयाना, होंडुरास जैसे देशों को भारत ने 90 करोड़ डॉलर का कर्ज उपलब्ध कराया है। भारत आज ब्राजील के साथ 10 अरब डॉलर का कारोबार करता है जो भारत-जापान के कारोबार के बराबर है। मैक्सिको भारत 5 अरब डॉलर का निर्यात करता है जो कनाडा को होने वाले निर्यात से भी ज्यादा है। डोमिनिक रिपब्लिक को भारत ने पिछले वर्ष 33 करोड़ डॉलर का निर्यात किया है जो कई एशियाई देशों को होने वाले निर्यात से ज्यादा है।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

यहाँ वहाँ सब क्षरहिं है, क्षर न्युनाधिक धाम।
क्षर पौ माया जगत में, जिव सब भये बेकाम॥ 13॥

शब्दार्थ : (न्यूनाधिक) कम-बेश (बेकाम) निष्फल, व्यर्थ।

भाष्य : जगत में यहां-वहां और छोटे-बड़े स्थान अर्थात प्रकृति-मंडल के भीतर-बाहर, स्थूल-सूक्ष्म सभी स्थान क्षर हैं। माया की विकृति, जगत पव क्षर है। जिस क्षर में सभी प्राकृतिक जीव पतन हो कर व्यर्थ दु:ख पा रहे हैं। जीव के दु:ख का कारण अज्ञानजन्य प्रकृति का संबंध है।

कर्म वर्ण करता हमी, दो में सब विस्तार।
सो पौ मम प्रतिबिम्ब है, आपन रूप सम्हार॥ 14॥

शब्दार्थ : (कर्म) क्रिया (वर्ण) शब्द, वाक्य बोलना।

भाष्य : सब कर्मों और वर्णों के कर्त्ता हम ही है। दोनों के द्वारा ही संसार में सब विस्तार होता है। वह विस्तार पव, क्षर और माया मेरा प्रतिबिंब है अर्थात मेरे ही द्वारा कर्म और वर्ण का विस्तार है इसलिए इस पव क्षर को छोड़कर अपने चेतन आत्मस्वरूप को सम्हालने का प्रयत्न करना चाहिए।

मंत्री पीयूष ने लिया शोणितपुर जिला दिवस कार्यक्रम में भाग

शोणितपुर (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन, सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि शोणितपुर जिला प्रशासन द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के साथ आयोजित *जिला दिवस* कार्यक्रम में उपस्थित होकर वे प्रभावित हुए और धरोहर जिले के *जिला दिवस* के अवसर पर जिले के सम्मानित लोगों, जिला प्रशासन और जिले में कार्यरत सरकारी-गैर सरकारी अधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। सोशल मीडिया के जरिए दी गई जानकारी में आज उन्होंने कहा कि अविभाजित ग्रेटर दरंग जिले से 3 अगस्त 1983 को अलग होकर गठित शोणितपुर जिला, श्रीमद्भागवत महापुराण और कालिका पुराण में वर्णित कथाओं में समृद्ध है। यह राज्य के धरोहर जिलों में से एक है। शोणितपुर का अर्थ है- द्वारिकाधीश भगवान श्रीकृष्ण के पौत्र और पराक्रमी बाण राजा की पुत्री उषा की अमर प्रेम कहानी से भरी, अद्वितीय-

अविश्वसनीय चित्रकला, चित्रलेखा, पुराणों में हरि-हर के युद्ध की कहानी से समृद्ध है। आज जिले के *जिला दिवस* के इस महत्वपूर्ण-दिवस का हिस्सा बनकर मंत्री को बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिसने हमारे राष्ट्रीय जीवन को विरासत और प्राचीन संस्कृति-परंपरा और अनेक उपलब्धियों से से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रत्येक जिले की विरासत पर प्रकाश डालते हुए आने वाले समय में जिलों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए *जिला दिवस* मनाने का निर्णय लिया गया है। शोणितपुर जिला इस लक्ष्य को पूरा करते हुए राज्य सरकार की प्रगति की अथक यात्रा को समृद्ध करते हुए, हमेशा राज्य के प्रगतिशील जिलों में से एक के रूप में अद्वितीय बना रहेगा। इस अवसर पर विधायक पृथ्वीराज राभा, कृष्ण कमल तांती, गणेश कुमार लिम्बू, जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, एम्ट्रॉन के उपाध्यक्ष ऋतुबरन शर्मा, जिला परिषद अध्यक्ष डॉली सुरिन, तेजपुर नगर पालिका के महापौर प्राग्यानु भट्टाचार्य, प्रख्यात इतिहासकार डॉ. राजेन सैकिया समेत कई विशिष्ट लोग एवं अन्य नागरिक उपस्थित थे।

गुवाहाटी में बुजुर्ग की हत्या के मामले में चार गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने गुवाहाटी में मस्जिद जा रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति की हत्या में शामिल होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान जावेद अली के रूप में हुई और यह घटना 27 जुलाई को शहर के हतीगांव इलाके में हुई। जबकि तीन संदिग्धों दारोग अली, महिबुल इस्लाम और नूर मोहम्मद को बारपेटा जिले के बागबोर इलाके में एक पुलिस अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। *बोगा* नाम के चौथे आरोपी को टेटेलिरताल से हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, दारोग अली को विश्वसनीय जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ करने के बाद अन्य तीनों को पकड़ा गया। दिनदहाड़े की गई हत्या की वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। यह भयावह हमला हाथीगांव पुलिस स्टेशन से बमुश्किल 100 मीटर की दूरी पर फ्रेंड्स पथ पर हुआ। पुलिस के मुताबिकघात लगाकर हमला किया गया।

दो किशोरियों से दुष्कर्म को लेकर बरबरी में सनसनी

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के मुसलपुर बरबरी में बलात्कार की दो वारदातों ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार जिले के बरबरी थाना क्षेत्र के चंद्रपुर गांव के एक दिहाड़ी मजदूर परिवार के माता-पिता के घर पर नहीं होने का फायदा उठाते हुए गोकुल दास नामक एक व्यक्ति ने 12 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। शख्स पर पीने के पानी रखने के नाम पर किशोरी को घर के अंदर बुलाकर जबरन बलात्कार करके फरार होने का आरोप है। बाद में, जब उसकी मां घर आई तो लड़की ने सब कुछ बताया। परिवार वालों ने बरबरी पुलिस से संपर्क किया। पीड़ित परिवार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने गोकुल दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर बरबरी थाने के नवस्ती में दुष्कर्म का एक और मामला सामने आया है। नवस्ती के रहने वाले एक सोन वैश्य नामक व्यक्ति ने गांव की ही एक 16 वर्षीय लड़की के साथ होटल में रात भर दुष्कर्म किया। बाद में सुबह किशोरी गुवाहाटी से भाग गई और अपने घर पहुंच गई। पीड़ित लड़की और परिवार के सदस्यों ने बरबरी थाना पहुंचकर दुष्कर्मी सोन वैश्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

हाथीगांव हत्याकांड के 4 आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के हातीगांव फैंड्स रोड हत्याकांड के 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में बाघबर के एक आरोपी दारुग अली, भाटकुची का मोहिबुल इस्लाम तथा तेतेलीतल से हासू उर्फ नूर मोहम्मद एवं चालक की बोगा से गिरफ्तारी हुई। आरोप है कि इन्होंने हातीगांव के मिली फ्रेंड्स रोड पर जावेद अली अहमद की हत्या कर दी थी। उल्लेखनीय है कि 27 जुलाई की सुबह गुवाहाटी में यह सनसनीखेज हत्या हुई थी। जावेद अली अहमद का शव बरामद किया गया था। अहमद सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता थे।

सेल के सहयोग से स्टेट फॉर सेवा मणिपुर में राहत-सामग्री का वितरण

इंफाल (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभावीपी) के कार्यकर्ताओं के द्वारा मणिपुर के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में स्थित राहत शिविरों में हिंसा प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की जा रही है। अभावीपी द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार स्टूडेंट्स एक्सपीरियंस इन इंटर स्टेट लिविंग (सेल) के सहयोग से अभावीपी के कार्यकर्ता राहत शिविरों में रह रहे छात्र-छात्राओं के लिए पठन-पाठन सामग्री, खेल सामग्री समेत विभिन्न प्रकार की आवश्यक सामग्री का वितरण कर रहे हैं। आज थौबल व काकचिंग जिलों के राहत शिविरों में जाकर राहत सामग्री का वितरण किया। मीडिया से बातचीत करते हुए अभावीपी के सदस्यों ने बताया कि उनका यह राहत सामग्री वितरण का कार्यक्रम आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा।

अल्फा (स्वा) के नाम पर डकैती : पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के मोरान में उल्फा (स्वा.) के नाम पर डकैती में शामिल महिला समेत तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार इन सभी को बुधवार की रात गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि 31 जुलाई को डिमौ के पवित्र कलिता नामक शिक्षक के घर हुई डकैती के मामले में तीनों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों पर इस लूट में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। गिरफ्तार लोगों में पवित्र फूकन, उसकी पत्नी मनमयूरी फूकन और संजीव फूकन शामिल हैं। उनके साथ-साथ डकैती में प्रयोग किए गए दो अर्बन क्रूजर और आर्टिगा वाहनों को भी जब्त किया गया है। घटना की जांच जारी है।

भाजपा के पूर्व विधायक ने की अजान पर रोक लगाने की मांग

गुवाहाटी। अपनी भड़काऊ टिप्पणियों के लिए अक्सर विवादों में रहने वाले असम में भाजपा के पूर्व विधायक शिलादित्य देव ने मस्जिदों में अजान (मुस्लिम प्रार्थना) पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर नई बहस छेड़ दी है। देव ने पूछा, क्या अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को दिन में पांच बार, प्रति वर्ष 1,825 बार अजान से मुझे मानसिक रूप से परेशान करने का अधिकार है? क्या यह धार्मिक अनुष्ठान एक धर्मनिरपेक्ष समाज में स्वीकार्य है? उन्होंने आगे कहा कि वह अपने इस दावे के लिए जेल जाने को तैयार हैं कि अजान को गैरकानूनी घोषित किया जाना चाहिए। होजाई निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक ने अजान के पाठ को असभ्य बताते हुए कहा कि जब भी मैं मस्जिदों में एक के बाद एक अजान सुनता हूं, मुझे लगता है कि मेरा पड़ोस अफगानिस्तान में बदल गया है और तालिबान हमारे राज्य पर नियंत्रण कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि अजान पढ़ने के लिए लाउडस्पीकर में चिल्लाना इस्लामी धार्मिक प्रथा नहीं, बल्कि नमाज पढ़ना धार्मिक प्रथा होनी चाहिए। देव ने आगे कहा कि एक विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष से मुसलमानों को प्रार्थना करने की अनुमति

देने के लिए शुक्रवार को सत्र जल्दी समाप्त करने से रोकने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। इस बीच, गौहाटी उच्च न्यायालय के तीन वकीलों ने देव की टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दिसपुर पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पूर्व विधायक ने कहा कि मैं अजान पर रोक लगाने की अपील कोर्ट में जज के सामने रखूंगा। देव ने पहले कहा था कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग मस्जिदों में बंदूकें छिपाते हैं और बाद में उनका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करते हैं।

विश्वनाथ मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा ने दिव्यांग विद्यालय में बांटी खाद्य सामग्री

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चाराली शहर के मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा द्वारा एक अनोखा पहल के तहत कल बालिपुखुरी में स्थित दिव्यांग विद्यालय के बच्चों को खाद्य सामग्री वितरण किया गया। सर्वप्रथम मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के पदाधिकारी ने सभी दिव्यांग बच्चों को विद्यालय परिसर में एकत्र करके बारी बारी से खाद्य सामग्री और फल दी। इस कार्य को लेकर दिव्यांग विद्यालय के पदाधिकारीगण ने मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की सराहना की। इस मौके पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा के अध्यक्षा किरण भरतीया, उपाध्यक्ष अंकिता शर्मा, सचिव शिल्पी गोयनका, सह सचिव नीलू शर्मा, सलाहकार ऊषा तापड़िया, सदस्या रंजनी पारीक, कुसुम अग्रवाल, सुनीता पटवारी, संगीता पटवारी, निलम अग्रवाल, पुष्पा जोशी आदि महिलाएं उपस्थित थी।

25 लाख के ड्रग्स के साथ चार गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोइदुल इस्लाम के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने बुधवार की रात शहर के दहोतिया चौक स्थित एक किराए के मकान पर छापा मारकर लगभग 25 लाख रुपए की हेरोइन जब्त की। इस दौरान दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि दो अन्य तस्करों को अलग स्थान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि गिरफ्तार तस्करों की पहचान रजनी लाइटेंग पाम, गंगा चिंकू और विक्की सिन्हा के रूप में हुई है। जबकि, एक तस्कर की पहचान नहीं हो सकी है। जब्त ड्रग्स के साथ गिरफ्तार की गई दो महिलाएं रजनी लाइटेंग पाम और गंगा चिंकू द्वारा डिमापुर से तिनसुकिया शहर के दहोतिया चौक स्थित किराए के घर में लाया गया था। छापेमारी दल ने आज दहोतिया चौक पर स्थित एक अन्य किराए के मकान पर छापा मारकर विक्की सिन्हा और एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया। दोनों तस्कर ड्रग्स को तिनसुकिया से धेमाजी और धेमाजी से अरुणाचल ले जाने की कोशिश कर रहे थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से 125.57 ग्राम हेरोइन जब्त की। पुलिस का अनुमान है कि जब्त हेरोइन की बाजार में कीमत करीब 25 लाख रुपए है। गौरतलब है कि पिछले एक महीने में तिनसुकिया सदर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए गए अभियान में करीब एक करोड़ बीस लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ और गांजा जब्त किये हैं।

बीएसएफ ने कछार से जब्त किए सात भैंसे

कछार (हिंस)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर गुप्त रूप से तस्करी कर बांग्लादेश ले जाई जायी जा रही भैंसों को बीएसएफ ने जब्त कर लिया है। बीएसएफ ने बुधवार की रात को कछार से तस्करी की गई सात भैंसें जब्त कीं। जानकारी के अनुसार तस्कर कछार जिले के काटिगोरा निर्वाचन क्षेत्र के हरिनगर में भारत-बांग्लादेश सीमा से रात में भैंसों को बांग्लादेश ले जाने की कोशिश कर रहे थे। गोपनीय सूचना के आधार पर चलाए

गए एक अभियान के दौरान बीएसएफ की सिलचर-मिजोरम की 170वीं बटालियन और कछार फ्रंटियर बीएसएफ ने भैंसों को जब्त कर लिया। इसी बीच तस्कर बीएसएफ से बचकर फरार हो गए। बताया जाता है कि जब्त भैंसों को उदारबंद गौशाला को सौंप दिया जाएगा।

शीमलीतोला के कमारपोटा में ड्रग पेडलर्स गिरफ्तार, ड्रग व कंटेनर बरामद

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के शिमलीतोला पुलिस थाने के कामरपोराता में आज एक मादक पदार्थ तस्कर की गिरफ्तारी से इलाके में कोहराम मच गया है। गिरफ्तार ड्रग पेडलर की पहचान मिजानुर रहमान (28) के रूप में हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर शिमलीटोला पुलिस मनोज कुमार दास के नेतृत्व में पुलिस ने युवक को उसके घर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पकड़े गए युवक के पास से 200 ग्राम ड्रग्स और 114 खाली कंटेनर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार युवक से शिमलीटोला पुलिस अधिक जानकारी के लिए पूछताछ कर रही है।

जिला प्रशासन व ड्रग निरीक्षक की संयुक्त छापेमारी में बिना लाइसेंसी फार्मेसी सील

रंगिया (विभास)। कामरूप जिला प्रशासन, औषधि निरीक्षक कार्यालय द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से संयुक्त रूप से 1 और 2 अगस्त को कामरूप जिले के अंतर्गत उत्तरी गुवाहाटी के विभिन्न क्षेत्रों में फार्मेसियों में छापेमारी की। गत 1 अगस्त को उत्तरी गुवाहाटी के अभयापुरी, जीएनआरसी (जीएनआरसी) क्षेत्र, एआईआई एमएस (एम्स) रोड के धोपातारी बाजार के विभिन्न फार्मेसियों का आकस्मिक निरीक्षण किया और छापेमारी की। छापेमारी के दौरान फार्मेसियों के कागजातों की गहनता से जांच की गई तथा इंस्पेक्टर ने फार्मेसियों को विभागीय नियम-कायदों के अनुरूप संचालित करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बताया है कि निरीक्षण के दौरान लापरवाही बरतने वाली दवा दुकानों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने 1 अगस्त को जीएनआरसी अस्पताल के सामने एक फार्मेसी पर भी ताला लगा दिया और इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इसके अलावा 2 अगस्त को अमीनगांव रेलवे बाजार और भेटामुख तिनाली इलाकों में छापेमारी की। निरीक्षक ने कहा कि छापेमारी के दौरान एक बिना लाइसेंस वाली फार्मेसी को सील कर दिया गया और भविष्य में भी इसी तरह की छापेमारी जारी रहेगी। इस अभियान में कामरूप जिले के सहायक आयुक्त कृष्णेशा बोरा, दवा निरीक्षक बर्नाली हजारिका सहित पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

पुलिस गोलीबारी में दो चोर घायल

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में अलग-अलग स्थानों पर हुई पुलिस गोलीबारी में दो चोर घायल हो गए। पुलिस ने आए बताया कि यह फायरिंग उस समय की गई जब चोर भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार एक चोर राजधानी के बीरूबारी इलाके में हुई। जबकि, दूसरी गोलीबारी राजधानी के ग्रामीण इलाका पानीखाइटी में की गई। पुलिस फायरिंग में घायल हुए एक चोर की पहचान महबुल हक (दक्षिण सालमारा) के रूप में की गई है। जबकि, दूसरे घायल चोर की पहचान राजधानी गुवाहाटी के पलटन बाजार इलाके में रहने वाले अभिजीत राभा के रूप में हुई है। भागते हुए अविजीत राभा और मोहिबुल हक को गोली मारी गई। दोनों को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रद्द किए गए रेलवे टिकटों की धनवापसी-प्रक्रिया

गुवाहाटी। भारतीय रेल में ट्रेनों का अधिभोग पैटर्न पूरे वर्ष भर एक समान नहीं होता और यह कम व्यस्त एवं अधिक व्यस्त अवधि के दौरान बदलता रहता है। व्यस्ततम अवधि के दौरान, विशेष कर लोकप्रिय मार्गों पर ट्रेनों की आक्यूपेंसी पूरी रहती है, जबकि कम व्यस्त अवधि के दौरान या फिर कम लोकप्रिय मार्गों पर ट्रेनों का उपयोग कम होता है। कंफर्म टिकट के रद्द होने से खाली सीटों को प्रतीक्षा सूची के लिए टिकट जारी किए जाते हैं, ताकि सीटें पूर्ण तरह से भरी होने के कारण बुकिंग क्लर्कों द्वारा यात्रियों को लौटाए जाने की संभावना से बचा जा सके और रेलवे को मांग पैटर्न का आकलन करने में मदद हो। भारतीय रेल द्वारा ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची की स्थिति की नियमित निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, मौजूदा ट्रेनों के भार को संवर्धित किया जाता है, स्पेशल ट्रेनें चलायी जाती हैं, नई ट्रेनें शुरू की जाती है तथा

परिचालन के अधीन व्यवहार्यता को देखते हुए मौजूदा ट्रेनों की आवृत्ति भी बढ़ाई जाती है। पहले आरक्षण चार्ट की तैयारी के समय जिन यात्रियों का विवरण प्रतीक्षा सूची में होती है, उनका टिकट स्वत: रद्द कर दिया जाता है, ऑटो रिफंड की प्रक्रिया शुरू हो जाती है और अगले दिन बैंक को रिफंड की सूचना दे दी जाती है। यदि पैसा डेबिट हो जाता है और टिकट बुक नहीं हो पाता है, तो अगले दिन इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा स्वचालित रिफंड प्रक्रिया शुरू की जाती है। रिफंड राशि की सूचना उस भुगतान गेटवे/बैंक को दी जाती है जिसके माध्यम से बुकिंग राशि प्राप्त हुई थी। आम तौर पर बैंक लेनदेन के तरीके के आधार पर रिफंड की प्रक्रिया में समय लेता है। नेट बैंकिंग/वॉलेट/कैश कार्ड लेनदेन के लिए 3-4 कार्य दिवस और क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए 6-7 कार्य दिवस का समय लगता है। यात्री मोबाइल ऐप में उपलब्ध बुक नाउ पे लेटर विकल्प और वेबसाइट पर भुगतान विकल्प के रूप में उपलब्ध ईएमआई विकल्प का भी लाभ उठा सकते हैं।

अब दुश्मन के विमानों को नष्ट करने के बाद ही दम लेगी आकाश-एनजी मिसाइल

- आकाश एनजी मिसाइल प्रणाली का पहला आरएफ सीकर डीआरडीओ को सौंपा गया
- बीडीएल आरएफ सीकर उत्पादन वाली वैश्विक कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने आकाश एनजी मिसाइल प्रणाली का पहला रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर (आरएफ सीकर) डीआरडीओ को सौंप दिया। इसके साथ ही बीडीएल आरएफ सीकर उत्पादन की क्षमता वाली वैश्विक कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है। यह रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर नई पीढ़ी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल आकाश एनजी को सफलतापूर्वक किसी भी दुश्मन के विमान पर तब तक लॉक कर सकता है, जब तक वह नष्ट न हो जाए। डीआरडीओ ने 21 जुलाई को बिना रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर के आकाश-एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया था, लेकिन 23 जुलाई को ओडिशा के तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से किये गए परीक्षण में स्वदेशी रूप से विकसित आरएफ सीकर लगाया गया था। आरएफ सीकर ने आकाश-एनजी को उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्य पर सफलतापूर्वक लॉक करने में मदद की और लक्ष्य के नष्ट होने तक लगातार उसका मार्गदर्शन किया। आकाश-एनजी हथियार प्रणाली को उच्च युद्धाभ्यास क्षमता और कम रडार क्रॉस-सेक्शन (आरसीएस) वाले उन्नत लड़ाकू विमानों को रोकने के लिए विकसित किया गया है। इसे पहली बार इस साल गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले 25 जनवरी को लॉन्च किया गया था। डीआरडीओ की हैदराबाद में स्थित रिसर्च सेंटर इमारत ने स्वदेशी रूप से आरएफ सीकर विकसित किया है, जिसका निर्माण भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने किया है। इसके साथ ही बीडीएल आरएफ उत्पादन की क्षमता रखने वाली दुनियाभर की कंपनियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गया है। पहला आरएफ सीकर रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत को सौंपा गया। इस मौके पर बीडीएल के सीएमडी कमोडोर ए माधवराव (सेवानिवृत्त) भी मौजूद थे। डीआरडीओ के मुताबिक आरएफ साधक आकाश-एनजी को लक्ष्य पर लॉक करने में मदद करता है और इस प्रकार दुश्मन के लड़ाकू विमानों के लिए आने वाली मिसाइलों से बचना मुश्किल हो जाता है। रक्षा मंत्रालय ने भी स्वदेशी रूप से विकसित आरएफ सीकर, लॉन्चर, मल्टी-फंक्शन रडार और कमांड, कंट्रोल और मिसाइल से युक्त संपूर्ण हथियार प्रणाली के कामकाज को मान्य किया है। आकाश-एनजी सतह से हवा में मार करने वाली पुरानी आकाश मिसाइलों का उन्नत संस्करण है।

दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना संपूर्ण समाज का दायित्व : राष्ट्रपति मुर्मू

- राष्ट्रपति ने नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना समस्त समाज की जिम्मेदारी बताया और कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें उचित शिक्षा, रोजगार के अवसर, सुलभ सार्वजनिक स्थल और एक सुरक्षित एवं बेहतर जीवन मिले। राष्ट्रपति गुरुवार को नई दिल्ली में नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों से अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने की अपील की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दिव्यांगता को कभी भी ज्ञान प्राप्त करने और उत्कृष्टता हासिल करने में बाधा नहीं माना गया है। उन्होंने ऋषि अष्टावक्र और महान कवि सूरदास का उदाहरण देते हुए कहा कि दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है। राष्ट्रपति ने पिछले 50 वर्षों में दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड की सराहना की। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाई है, जिससे समाज अधिक समावेशी बना है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड दृष्टिबाधित दिव्यांगजनों के समग्र विकास और सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सरकार और समाज के साथ मिलकर अपना प्रयास जारी रखेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता प्रदान कर दी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार के इस्तीफा देकर शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद से यह पद रिक्त था। वडेट्टीवार को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार सदन में उनको नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी तक ले गए। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि वडेट्टीवार केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के साथ शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने मंत्री पद की जिम्मेदारी बहुत ही उम्दा तरीके से निभाई। अब उन्हें कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सोंपी है। शिंदे ने उनको शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वडेट्टीवार इस पद का बखूबी निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री शिंदे ने उम्मीद जताई कि बडेट्टीवार सरकार के कामकाज में सहयोग करेंगे और जहां चूक हो रही होगी, उसे सुधारने का सुझाव देंगे। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि वडेट्टीवार विदर्भ की आवाज थे, लेकिन अब उन्हें विधानसभा की आवाज बनने का मौका मिल गया है। वडेट्टीवार विधानसभा की कार्यवाही के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि आमतौर पर विधायक पार्टी बदलने की हिम्मत नहीं करते हैं, लेकिन वडेट्टीवार ने नारायण राणे के साथ शिवसेना छोड़ी और कांग्रेस में आने के बाद भी मतदाताओं से दूर नहीं हुए। अजीत पवार ने उम्मीद जताई कि वडेट्टीवार नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी बहुत ही अच्छी तरह निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि 17 जुलाई से शुरू हुआ महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र 04 अगस्त तक चलेगा।

राष्ट्रपति भवन का 'अमृत उद्यान' 16 अगस्त से जनता के लिए खुलेगा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में स्थित अमृत उद्यान 16 अगस्त से एक महीने तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उद्यान उत्सव-कक्के तहत अमृत उद्यान 16 अगस्त से एक महीने (सोमवार को छोड़कर) के लिए जनता के लिए खुला रहेगा। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाने के लिए यह विशेष रूप से शिक्षकों के लिए खुलेगा। उद्यान उत्सव-कक का उद्देश्य आगंतुकों को ग्रीष्मकालीन वार्षिक फूलों का प्रदर्शन करना है। पर्यटक सुबह 10 बजे से सांय 5 बजे तक (अंतिम प्रवेश सांय 4 बजे) बगीचों का दौरा कर सकते हैं। प्रवेश नॉर्थ एवेन्यू के पास राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 35 से होगा। बुकिंग 7 अगस्त, 2023 से राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन की जा सकती है। वॉक-इन आगंतुक गेट नंबर 35 के पास स्थित सेल्फ सर्विस कियोस्क से पास प्राप्त कर सकते हैं। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है। उल्लेखनीय है कि अमृत उद्यान को इस वर्ष 29 जनवरी से 31 मार्च तक उद्यान उत्सव-कके तहत खोला गया था, जिसे 10 लाख से अधिक लोगों ने देखा था। अमृत उद्यान के साथ-साथ, आगंतुक (https://visit.rashtrapatibhavan.gov.in/) पर ऑनलाइन स्लॉट बुक करके राष्ट्रपति भवन संग्रहालय भी देख सकते हैं। सरकारी स्कूलों के छात्र उद्यान उत्सव-द्वितीय के दौरान संग्रहालय का निःशुल्क दौरा कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने एन. विट्ठल के निधन पर शोक व्यक्त किया

FILE PHOTO

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पूर्व सिविल सेवक एन. विट्ठल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एन. विट्ठल के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया, श्री एन. विट्ठल जी को एक उत्कृष्ट सिविल सेवक के रूप में याद किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में भारत के विकास पथ को समृद्ध किया। उन्होंने राज्य में अपने करियर के दौरान गुजरात के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से दुख हुआ। उनके परिवार तथा मित्रों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ओम शांति।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली, (हि.स.)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने गुरुवार को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी को लकड़ी से बनी पारंपरिक हाथी की लघु प्रतिमा और माला भेंट की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा ट्वीट की गई तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक की पारंपरिक पगड़ी और शॉल पहने नजर आ रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राज्य में उनके नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री के साथ यह सिद्धारमैया की पहली मुलाकात थी। इससे पहले मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह संसद भवन पहुंचे। अपने डिप्टी डीके शिवकुमार के साथ ट्यूनिंग पर मीडिया से बातचीत में सिद्धारमैया ने कहा, कर्नाटक में सब ठीक है। मेरे और डीके शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है, हम साथ हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। बाद में उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू और उनके दिल्ली प्रतिनिधि टी.बी. जयचन्द्र भी उपस्थित थे।

टीएमसी सांसद का पीएम मोदी पर तंज....एक मिनट के लिए सदन में नहीं आए

नई दिल्ली (ईएमएस)। टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज करते हुए कहा कि वह अभी तक एक मिनट के लिए भी संसद नहीं आए हैं। उनके लोगों ने घोषणा की है कि वह संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन आएंगे। तृणमूल सांसद ने कहा, अब आपके कृपापात्र घोषणा करते हैं कि आप अंतिम दिन, 10 अगस्त को आने को तैयार हो गए हैं। संसद के अंदर मणिपुर पर पीएम मोदी के बयान की मांग को लेकर कांग्रेस पीएम सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई। प्रस्ताव पर अभी विचार नहीं हुआ है और इस पर 8 से 10 अगस्त के बीच चर्चा होने की संभावना है।

पीएम मोदी 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव का जवाब दे सकते हैं, जो सत्र का आखिरी दिन भी है। अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा लाया गया है लेकिन इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) से संबंधित सभी विपक्षी दलों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। संसद के इस सत्र में ज्यादातर मणिपुर मुद्दे पर इतना व्यवधान देखा गया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को लोकसभा की अध्यक्षता नहीं की। बुधवार को विपक्षी दल इंडिया के 31 सदस्यों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। गुरुवार को भी लोकसभा में हंगामा हुआ और कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही शुरू होने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल से कहा कि सदस्य लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आसन पर देखना चाहते हैं। चौधरी ने कहा, अध्यक्ष महोदय हमारे संरक्षक हैं। हम अपनी बात उनके समक्ष रख सकते हैं। हम उन्हें पीठ पर देखना चाहते हैं। इस पर अग्रवाल ने कहा कि उनकी बात लोकसभा अध्यक्ष तक पहुंचा दी जाएगी।

नवी मुंबई में तीन बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

मुंबई, (हि.स.)। एंटी टेरोरिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने नवी मुंबई में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार एटीएस टीम को नवी मुंबई के खारघर में स्थित ओवेगांव में बांगलादेशियों के रहने की जानकारी मिली थी। इसी आधार पर एटीएस टीम ने गुरुवार को ओवेगांव में जाल बिछाकर तीनों को गिरफ्तार किया। इन तीनों की पहचान कमाल अहमद खान (36), आलिम यूनुस शेख (40) और बादल मोइनुद्दीन खान (38) के रुप में हुई है। तीनों में दो अपने माता-पिता के साथ लगभग 30 साल पहले भारत आए थे और तब से यहीं रह रहे थे। इन तीनों से पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वे अपनी आजीविका चलाने के लिए स्थानीय स्तर पर काम करते थे। इन तीनों से एटीएस की टीम गहन पूछताछ कर उनके बारे में और जानकारी एकत्र कर रही है।

यूके के पंजाबी सांसद को अमृतसर हवाई अड्डे पर रोका, दो घंटे पूछताछ

चंडीगढ़, (हि.स.)। यूके में सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी को गुरुवार की सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर रोककर करीब दो घंटे पूछताछ हुई है। वह एयर इंडिया की फ्लाइट में बर्मिंघम से अमृतसर पहुंचे थे। अमृतसर एयरपोर्ट से चेक-आउट करते ही इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया। पंजाबी मूल के ढेसी वर्ष 2017 से यूके की संसद में सांसद हैं। वह अक्सर पंजाब आते रहते हैं। वह गुरुवार की सुबह अमृतसर पहुंचे, तो उनके पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे। उनके पास ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड नहीं था, जिसके बाद उन्हें अमृतसर एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें दस्तावेज पूरे करने के लिए कहा। तकरीबन दो घंटे के अंतराल के बाद उन्होंने अपने दस्तावेज पूरे कर लिए और उन्हें एयरपोर्ट से बाहर जाने दिया गया।

बृजभूषण सिंह पर आरोप तय करने के मामले में अगली सुनवाई 9 अगस्त को

आशीष वर्मा

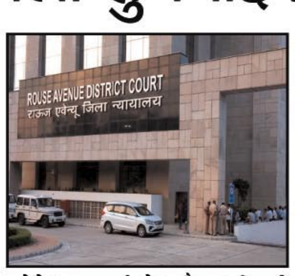

नई दिल्ली। महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार को दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने आरोप तय करने के मामले पर आज सुनवाई टाल दी। मामले की अगली सुनवाई 09 अगस्त को होगी। कोर्ट ने 20 जुलाई को बृजभूषण सिंह और सह आरोपित विनोद तोमर को सशर्त जमानत दी थी कि दोनों आरोपित किसी शिकायतकर्ता या गवाह को धमकाने या प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने न तो जमानत याचिका का विरोध किया था और न ही समर्थन। कोर्ट ने 07 जुलाई को दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए बृजभूषण सिंह और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। दिल्ली पुलिस ने छह बालिग महिला पहलवानों की ओर से लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में 15 जून को राऊज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354डी, 354ए और 506 (1) के तहत बृजभूषण और विनोद तोमर पर आरोप लगाए गए हैं। महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। महिला पहलवानों ने बृजभूषण पर कार्रवाई की मांग करते हुए जंतर-मंतर पर धरना दिया था। इस धरने ने राजनीतिक रंग ले लिया था।

सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष आज भी नहीं हुए पीठासीन, कार्रवाई स्थगित

नई दिल्ली (ईएमएस)। सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष आज भी पीठासीन नहीं हुए तो कांग्रेस ने उन्हें सदन में आने की मांग करते हुए मसला सुलझाने की बात कही। गौरतलब है कि सदन में सांसदों के हंगामे से नाराज लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं किया। गुरुवार को सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन का संचालन करने के लिए पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल सदन में आए। और प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू की तो लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने सदन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को बुलाने की मांग करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही जब शुरू हो तो पीठासीन के पद पर वे स्पीकर साहब अर्थात ओम बिरला को देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा सदन स्पीकर का मुरीद है और सब उन्हें सदन शुरू होने पर पीठासीन देखना चाहते हैं। अधीर रंजन चौधरी ने आगे कहा कि स्पीकर हमारे कस्टोडियन है, उनको बुलाकर पद पर बैठाइए, जो भी मसला है, हम आपस में समाधान कर लेंगे। हालांकि इसके बावजूद मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर सदन में विरोधी दलों के सांसदों का हंगामा और नारेबाजी जारी रहा जिसकी वजह से गुरुवार को भी सदन की कार्यवाही को दोपहर बाद 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। यहां गौरतलब है कि लोक सभा के अंदर सांसदों द्वारा लगातार वेल में आकर नारेबाजी करने, हंगामा करने और सदन की कार्यवाही के लाइव प्रसारण के दौरान टीवी पर दिखाने की मंशा से सदन में मंत्रियों के सामने प्लेकार्ड लहराने से नाराज लोक सभा अध्यक्ष ने बुधवार को भी सदन की कार्यवाही का संचालन नहीं किया था। बुधवार को सदन की कार्यवाही का संचालन पीठासीन सभापति मिधुन रेड्डी ने किया तो वहीं दोपहर बाद 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर पीठासीन सभापति किरीट प्रेमजी भाई सोलंकी सदन को चलाते नजर आए। आपको बता दें कि, वर्तमान लोक सभा में अभी तक सदन का उपाध्यक्ष नहीं चुना गया है इसलिए स्पीकर की अनुपस्थिति में पीठासीन सभापति के पैनल में शामिल लोक सभा सांसद ही सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों के व्यवहार को लेकर राजनीतिक दलों के नेताओं से अपनी नाराजगी जाहिर कर दी है और इसे व्यक्त करने के लिए ही बिरला दो दिन से सदन में पीठासीन नहीं हो रहे हैं।

मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से रामघाट की दुकानें डूबी,प्रशासन ने जारी किया एलर्ट

चित्रकूट, (हि.स.)। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट में लगातार हो रही बारिश के चलते गुरुवार की तड़के जलस्तर बढ़ने से मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई, जिससे रामघाट की दुकानें डूबने लगीं। इससे व्यापारियों में हड़कंप मच गया।आनन-फानन में सभी व्यापारियों ने अपना सामान दुकानों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।वहीं बाढ़ की खबर मिलते ही प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना हो गया। अधिकारियों ने नदी के किनारे बसे लोगों से सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचने की अपील की है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में रुक-रुक कर दो दिनों से हो रही बारिश के चलते धर्म नगरी चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में गुरुवार की तड़के बाढ़ आ गई, जिससे मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित रामघाट, आरोग्यधाम, स्फटिक शिला,जानकीकुड आदि घाट पूरी तरह डूब गए। मंदाकिनी किनारे स्थित भगवान ब्रह्मा जी द्वारा स्थापित स्वामी मत्तगजेंद्र नाथ शिव मंदिर के पुजारी विपिन महाराज ने बताया कि यूपी-

एमपी के सीमावर्ती इलाकों के पहाड़ों में जोरदार बारिश होने के कारण मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। जिसका जलस्तर सुबह से लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बताया कि मंदाकिनी नदी में मानसून की पहली बाढ़ आई है। क्षेत्राधिकारी नगर हर्ष पांडेय एवं कोतवाली प्रभारी गुलाब त्रिपाठी ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर रामघाट के दुकानदारों से सुरक्षित स्थान में जाने की अपील की।सीओ ने कहा कि मंदाकिनी नदी का जलस्तर लगातार बढ रहा है।इसलिए सुरक्षात्मक दृष्टि से श्रद्धालुओं एवं व्यापारियों को मंदाकिनी नदी के किनारे जाने से रोका गया है। रत्नावली मार्ग से श्रद्धालुओं को स्वामी मत्तगजेंद्र नाथ के दर्शन-पूजन के लिए रास्ता खोला गया है। उधर मध्य प्रदेश के चित्रकूट एसडीओपी आशीष जैन ने एमपी क्षेत्र में तटीय इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थान में जाने की अपील की है। जैन ने बताया कि देर रात्रि की बारिश के चलते मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। अभी लगातार इसका जलस्तर बढ़ रहा है। मंदाकिनी किनारे बने घाट पूरी तरह से पानी में जलमग्न हो गए हैं।

प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करके बढ़ाया जाए खनिज उत्पादन : मुख्यमंत्री

– मुख्यमंत्री योगी ने की भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा, दिए निर्देश

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभाग के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनजीटी के आदेशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नदियों का समय पर ड्रेजिंग कराने का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। इससे बाढ़ की समस्या का समाधान होने के साथ ही नदियों को चैनलाइज करने में भी मदद मिलेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने खनन और सिंचाई विभाग को मिलकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करते हुए खनिज उत्पादन बढ़ाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि प्रदेश में ईंट उत्पादन के लिए उपजाऊ भूमि से मिट्टी निकालने की जगह वैकल्पिक स्रोतों का इस्तेमाल किया जाए। ईंट-भट्ठों को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने एम सैंड को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए और कहा कि इससे नदी तंत्र की परिस्थितिकी को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान प्रदेश में खनन पट्टों को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय एनओसी को शीघ्र प्रदान करने के लिए विभाग गंभीर प्रयास करे। उन्होंने अवैध खनन पर हर हाल में अंकुश लगाने और इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस सिस्टम को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न सीमावर्ती जिलों में कार्यरत 39 चेकगेट्स पर तकनीकी का उपयोग करते हुए बालू, मोरम, बोल्डर सहित अन्य खनिजों की माल ढुलाई के दौरान विशेष निगरानी

बरती जाए। ओवरलोडिंग को हर हाल में रोका जाए। इसके साथ ही चेकगेट्स की संख्या भी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने बाजार मूल्य के हिसाब से खनिजों का मूल्य निर्धारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा मेजर ब्लॉक की नीलामी के लिए नीतियों में आवश्यक परिवर्तन करने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने नदियों के रेप्लेनिशमेंट स्टडी में लगने वाले समय को और कम करने के निर्देश भी दिये। साथ ही एम सैंड के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया, जिससे नदियों के पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव को न्यून किया जा सके। उन्होंने प्रदेश के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए भविष्य में बालू, मोरम का विकल्प उपलब्ध कराने पर जोर दिया। योगी ने प्रदेश में अधिकाधिक नये भंडारण को स्वीकृत करने के लिए प्रक्रिया के सरलीकरण को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही अलग-अलग उपखनिजों के लिए भंडारण की अवधि को निर्धारित करने के लिए भी अधिकारियों को कहा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में फॉस्फोराइट, पोटाश, आयरन, प्लेटिनम समूह, स्वर्णधातु, सिलीमेनाईट, ऐडालुसाइट और लाइमस्टोन के 19 ब्लॉक ऑक्शन के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 6762 लाख क्यूबिक मीटर उपखनिजों का उत्पादन प्रदेश में हुआ है, जिससे 3367.26 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही की राजस्व प्राप्ति 95.6 प्रतिशत यानी 1093.6 करोड़ रुपये है, जोकि पिछले साल की पहली तिमाही की तुलना में 356.6 करोड़ रुपये अधिक है। प्रदेश के खनिज राजस्व में उपखनिजों का योगदान 70 प्रतिशत है। इसमें साधारण बालू, मोरम, गिट्टी, बोल्डर उपखिनज संसाधनों का 91 प्रतिशत योगदान देता है।

छात्र संसद भारतीय लोकतन्त्र का प्रथम सोपान : आशीष केसरवानी

–ज्वाला देवी में नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एवं छात्र सांसदों ने ली शपथ

प्रयागराज, (हि.स.)। छात्र संसद भारतीय लोकतन्त्र का प्रथम सोपान है। इसलिए छात्रों में राजनैतिक मूल्य नागरिक कर्तव्य एवं मजबूत राज व्यवस्था के लिए छात्र संसद को कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भाव से विद्यालय के लिए कार्य करना होगा। यह बातें सिविल लाइन्स स्थित ज्वाला देवी स.वि.म.इंटर कॉलेज के छात्र संसद के शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार को मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित व्यवसायी आशीष केसरवानी ने सम्बोधित करते हुए कही। शपथ ग्रहण के उपरान्त मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यालय केवल छात्रों के ज्ञान के विकास करने वाला संस्थान नहीं होता अपितु यह एक सर्वांगीण विकास करने वाला संस्थान होता है। हमें अपने मूल्यों को कभी नहीं भूलना चाहिये। ऐसी शिक्षा का कोई अर्थ नहीं होता जो मूल्यविहीन हो। उन्होंने प्रधानमंत्री अंशिका पाण्डेय को शपथ ग्रहण कराया। विशिष्ट अतिथि प्रबन्ध समिति आशीष गुप्ता ने छात्र सांसदों

एवं कन्या भारती सांसदों को शपथ ग्रहण कराया। अध्यक्षता कर रहे सहायक स्टेशन मास्टर, प्रयाग हितेश कुमार सिंह ने छात्र संसद एवं कन्या भारती के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय छात्र संसद एवं देश की संसद में कई समानताएं हैं। यहाँ से सीखे संस्कार एवं अनुशासन द्वारा देश की संसदीय व्यवस्था मजबूत की जा सकेगी। तब राजनीति और राजनेता दोनों का सकारात्मक स्वरूप देश सेवा में दिखाई पड़ेगा। उन्होंने मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया। प्रधानाचार्य एवं छात्र संसद के अध्यक्ष विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि छात्र संसद का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के आधार पर निष्पक्ष एवं गुप्त मतदान के आधार पर हुआ, जिसमें कुल 92 छात्र सांसदों एवं 55 कन्या भारती सांसदों का चयन किया गया,जिसमें से 58 सांसदों का चयन मंत्रिपरिषद के लिए किया गया। संचालन विद्यालय के भैया अक्षय त्रिपाठी ने किया। अन्त में छात्र संसद के उपाध्यक्ष सन्तोष पाण्डेय ने सभी का आभार ज्ञापन किया। इस अवसर पर हेमलता सिंह, प्रीतांक श्रीवास्तव, संध्या सरमन, विद्यालय के भैया एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

संघ कार्यालय पर पथराव मामले में तीन गिरफ्तार

शाहजहांपुर, (हि.स.)। जनपद शाहजहांपुर में बीती रात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय की दीवार पर पेशाब करने से मना करने पर बवाल हो गया। दबंगों ने कार्यालय परिसर पर जमकर पथराव किया। महानगर प्रचारक सहित कई कार्यकताओं के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस पर लापरवाही के आरोप लग रहे है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने पेशाब और पथराव करने वाले युवक,उसके भाई और पिता को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, सदर बाजार थाना क्षेत्र में टाउन हॉल स्थित शहीद पार्क के सामने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय है। बुधवार की रात करीब साढ़े दस बजे आरएसएस कार्यालय की दीवार पर सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला कटिया टोला निवासी शशांक गुप्ता पेशाब कर रहा था। आरएसएस कार्यकताओं ने मना किया तो वह भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। बात बढ़ने पर युवक ने अपने परिचितों व घरवालों को बुला लिया। करीब 50-60 लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। एकत्रित भीड़ ने संघ कार्यालय पर पथराव शुरू कर दिया जमकर तोड़फोड़ और पथराव किया गया। संघ कार्यालय में मौजूद महानगर प्रचारक व अन्य पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं के साथ मारपीट की गई। पथराव की सूचना मिलते ही विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल सहित हिन्दू संगठन के तमाम कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करना चाहा, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में ही अराजक तत्वों ने संघ कार्यकताओं से अभद्रता की। जिसको लेकर हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी भड़क गए और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ उनकी जमकर नोकझोंक हुई। कार्यकताओं का आरोप था कि पुलिस ने अराजक तत्वों को मौके से भगा दिया। पुलिस के उच्च अधिकरियो ने जैसे तैसे स्थिति को संभाला।

खाद के लिए अब नहीं लगतीं किसानों की कतारें

– गोरखपुर मंडल में लक्ष्य से अधिक यूरिया, डीएपी, एनपीके उपलब्ध

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर मंडल में अन्नदाता किसानों को उर्वरकों के लिए भागदौड़ नहीं करनी पड़ी। आलम यह है कि सरकारी तैयारी ने किसानों की इस समस्या का निवारण कर दिया है। यानी खाद के लिए किसानों को अब न तो कतारें लगानी पड़ रहीं हैं और न ही खाद की कलाबाजारी हो रही है। कम से कम कृषि विभाग के आंकड़े तो यही गवाही दे रहे हैं। ज्ञातव्य हो कि खरीफ सीजन के लक्ष्य के सापेक्ष जुलाई माह में यूरिया की उपलब्धता 121 प्रतिशत रही है। इतना ही नहीं, डीएपी (डाई अमोनियम फास्फेट) की 136, एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम) की 238 तथा एसएसपी (सिंगल सुपर फास्फेट) की 288 प्रतिशत रही है। गौरतलब है कि अन्नदाता किसान अब खेती की अनिवार्य जरूरत खाद के लिए बिलकुल परेशान नहीं हैं। वर्तमान में खाद की किल्लत दूर हो चुकी है। मांग से अधिक उपलब्धता बनी हुई है। इससे किसानों को न तो समितियों पर और न ही अन्य दुकानों पर

किसानों को खाद के लिए लाइन में लगने की आवश्यकता है। किसानों को अब न ही ब्लैक में खाद खरीदने की मजबूरी है। मतलब साफ है कि किसानों को अब खाद के लिए विवाद नहीं करना पड़ता है। कृषि विभाग के आंकड़ों पर गौर करें तो गोरखपुर मंडल के चारों जिलों में मांग के सापेक्ष उपलब्धता सरप्लस है। खरीफ सीजन के जुलाई माह में गोरखपुर मंडल के सभी चार जिलों में यूरिया की उपलब्धता 150473 मीट्रिक टन की रही, जबकि लक्ष्य 123870 मीट्रिक टन का ही था। डीएपी का लक्ष्य 28996 मीट्रिक टन का रखा गया और उपलब्धता 39402 मीट्रिक टन रही। एनपीके का लक्ष्य 9413 मीट्रिक टन का है और उपलब्धता 22371 मीट्रिक टन रही। इसी प्रकार एसएसपी की उपलब्धता 25663 मीट्रिक टन रही जबकि लक्ष्य 8912 मीट्रिक टन ही है। गोरखपुर जिले में यूरिया का लक्ष्य 21483 मीट्रिक टन रहा, जबकि उपलब्धता 38052 मीट्रिक टन है यानी लक्ष्य का 177 प्रतिशत। इसी तरह डीएपी का लक्ष्य 4137 मीट्रिकटन और उपलब्धता (222 प्रतिशत) 9198 मीट्रिकटन, एनपीके का लक्ष्य 1235 मीट्रिक टन और उपलब्धता (421 प्रतिशत) 5203 मीट्रिक टन तथा सिंगल सुपर फास्फेट का लक्ष्य 3192 मीट्रिक टन व उपलब्धता (298 प्रतिशत) 9514 मीट्रिक टन रही।

भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय के मामले में हस्तक्षेप करें मुख्यमंत्री : संजय सेठ

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में बने भगवान बिरसा मुंडा के ऐतिहासिक संग्रहालय को तहस-नहस किए जाने के मामले पर रांची के सांसद संजय सेठ ने कड़ा एतराज जताया है। सांसद ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह से आदिवासी विरोधी काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा झारखंड सहित देशभर में पूजे जाते हैं। ऐसे व्यक्तित्व के नाम पर बने संग्रहालय के साथ छेड़छाड़ करना, वहां तहस-नहस करना, यह राज्य स-

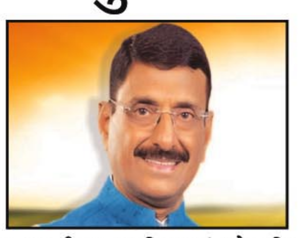

रकार की भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सोच को दशार्ने वाला है। सांसद ने इस मामले में सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से हस्तक्षेप की मांग की है और कहा है कि कार्यक्रम के नाम पर संग्रहालय को बर्बाद करना कहीं से भी उचित नहीं है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा संग्रहालय का लोकार्पण किया। यह संग्रहालय हमारे गौरव और आस्था का केंद्र है लेकिन दुर्भाग्य है कि राज्य की यूपीए सरकार उसे बर्बाद करने पर आमादा है। सांसद ने राज्य सरकार और प्रशासन पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य सरकार महापुरुषों के लिए कुछ कर नहीं सकती तो कम से कम जो अच्छा काम हुआ है, उसे बर्बाद तो मत करे।

सदर अस्पताल के भोजन और साफ-सफाई की व्यवस्था में सुधार हो : अरूण सांगा

खूंटी, (हि.स.)। यूथ कांग्रेस के खूंटी जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरूण संगा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के कार्यकताओं ने गुरुवार को नये सिविल सर्जन डॉ एक मांझी से मुलकात की और उन्हें शुभकामनाएं दी। अरूण संगा ने सिविल सर्जन को बताया कि सदर अस्पताल के मरीजों को दिया जानेवाला खाना काफी खराब है और अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था भी ठीक नहीं है। इस पर डॉ मांझी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही अस्पताल की साफ-सफाई और खाने की गुणवत्ता में सुधार किया जायेगा। सिविल सर्जन ने कहा कि अस्पताल के ब्लड बैंक में खून की कमी है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता ब्ल्ड डोनेशन कैप के माध्यम से रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

हर व्यक्ति फ्लैग भारतीय ध्वज संहिता का पूर्ण पालन करे : उपायुक्त

खूंटी, (हि.स.)। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को उपायुक्त लोकेश मिश्र की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में निणर्य लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कचहरी मैदान में आयोजित किया जायेगा। बैठक में लिय गये निर्णय के अनुसार उपायुक्त आवास में सुबह 8.30 बजे झंडोत्तोलन किया जायेगा, जबकि कचहरी मैदान में सुबह 9.00 बजे राष्ट्र ध्वज फहराया जायेगा। समाहरणालय में सुबह 10.00 बजे, नगर पंचायत, खूंटी में 10.25 बजे,

जिला परिषद में 10.25 बजे, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में 10.25 बजे, अनुमण्डल कार्यालय में 10.30 बजे और पुलिस लाइन में पूर्वाह्न 11.00 बजे झंडोत्तोलन होगा। परेड सुव्यवस्थित ढंग से कराने की जिम्मेवारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी गई। साथ ही जिले अंतर्गत सभी नए अमृत सरोवरों का नामांकन एवं उद्घाटन किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कचहरी मैदान में आयोजित होनेवाली परेड में सीआरपीएफ, जिला पुलिस, एसआरबी, महिला पुलिस बल, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के अलावा डएवी खूंटी, लोयला उच्च विद्यालय, खूंटी और एसडीए स्कूल की बैंड पार्टी भाग लेगी। समारोह के दिन भीड़ की संभावना के मद्येनजर शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश सम्बन्धित पदाधिकारियों को दिए गए। 15 अगस्त को प्रातः छह से दोपहर 12. बजे तक शहरी क्षेत्र में भारी वाहनों का आवागमन वर्जित रहेगा।

सलौना सहित समस्तीपुर मंडल के 12 स्टेशनों के कायाकल्प पर खर्च होंगे एक हजार पांच करोड़

बेगूसराय, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बीते नौ साल में देश के विकास में आमूलचूल परिवर्तन किया है। सभी क्षेत्रों में विकास के साथ ना केवल भारत विश्व गुरु बन रहा है, बल्कि आधारभूत संरचना भी मजबूत किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यात्री सुविधा के विस्तार के लिए देश भर में स्टेशनों को चयनित कर उसे स्मार्ट बनाया जा रहा है। अब छह अगस्त को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारतीय रेल के 508 स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाना है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत समस्तीपुर मंडल के 12 स्टेशनों का पुनर्विकास कर विश्वस्तरीय सुविधा प्रदान किया जाएगा। इसमें समस्तीपुर-खगड़िया रेल खंड पर अवस्थित बेगूसराय जिला के एक महत्वपूर्ण स्टेशन सलौना को शामिल किया गया है। अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन के मुख्य भवन को उस स्टेशन के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए भव्य आकर दिया जाएगा। यात्रियों के लिए एयरपोर्ट जैसी सुविधा का प्रावधान किया जाना है। योजना के तहत स्टेशन पर विभिन्न सुविधाओं पैदल उपरगामी पुल, साइनेजेज, सरकुलेटिंग एरिया,

हाई मास्ट लाईट, डिजिटल घडी, पी.पी. शेल्टर, स्टेशन भवन, हाई लेवल प्लेटफार्म, प्लेटफार्म सतह, मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार, लिफ्ट, आईपीआईएस, एस्केलेटर, फेसेड एवं कॉनकोर्स आदि का निर्माण और विकास किया जाना है।

योजना के तहत समस्तीपुर मंडल के 12 स्टेशनों को 1005.4 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्विकसित किया जाना है। समस्तीपुर स्टेशन के लिए 24.1 करोड़, सहरसा 41 करोड, जयनगर 17.5 करोड़, मधुबनी 20 करोड़, नरकटियागंज 29.3 करोड़, सुगौली 23.3 करोड़, सकरी 18.9 करोड़, बनमनखी 21.5 करोड़, सलौना 22.3 करोड़, सीतामढ़ी 242 करोड़, दरभंगा 340 करोड़, बापूधाम मोतिहारी 205 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। डीआरयूसीसी सदस्य नीरज नवीन ने बताया कि सलौना स्टेशन सात नवम्बर 1915 में अस्तित्व में आया। इसकी जानकारी भारतीय इतिहास रेलवे अनुपूरक (शिमला, 1968) ब्रिटिश लाइब्रेरी में मिलती है। यह उस समय बंगाल एवं उत्तर पश्चिम रेलवे का अंग था। सलौना रेलवे स्टेशन समस्तीपुर-खगड़िया खंड पर स्थित है। यह जिले का उपखंड एवं महत्वपूर्ण कृषि क्षेत्र है। यह महत्वपूर्ण मक्का उत्पादक क्षेत्र भी है। यहां स्थानीय महत्व के धार्मिक स्थान भी हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सलौना स्टेशन का पुनर्विकास किया जाना है। जिसके लिए केंद्र सरकार के तरफ से 22.3 करोड़ रुपये की स्वीकृत दी गई है। इसमें पैदल उपरगामी पुल, साइनेजेज, सकुर्लेटिंग एरिया का विकास, हाई मास्ट लाईट, डिजिटल घड़ी, पीपी शेल्टर, स्टेशन भवन का पुनर्विकास एवं हाई लेवल प्लेटफार्म का निर्माण किया जाएगा।

जातिगत जनगणना से शोषितों और वंचितों का होगा भला : जदयू

भागलपुर, (हि.स.)। जाति जनगणना को लेकर हाईकोर्ट के फैसले के बाद जनता दल यूनाइटेड भागलपुर इकाई के द्वारा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं। जदयू जिलाध्यक्ष विपिन बिहारी सिंह ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि जातिगत जनगणना सरकार की एक सफल प्रयास है। जिसके तहत गरीब, पिछड़े, शोषित और वंचित लोगों के लिए एक सकारात्मक कदम सरकार के द्वारा उठाया जा सकेगा। इतना ही नहीं जो आर्थिक रूप से पिछड़े होंगे उन्हें भी मुख्यधारा में लाने की कवायद की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे आम जनता का काफी भला हो सकेगा और सरकार एक साइंटिफिक डाटा के तहत लोगों को योजनाओं का लाभ दे सकेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश-भर में जातिगत जनगणना करानी चाहिए। लेकिन भाजपा उन लोगों के हित से कोई वास्ता नहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतिश

कुमार के नेतृत्व में एक डेलिगेशन प्रधानमंत्री से मुलाकात करने के लिए गए थे। लेकिन बावजूद इसके केंद्रीय स्तर से इसे मंजूरी नहीं मिली। बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनाव का डर था। जिस कारण उन्होंने जातिगत जनगणना जैसे अहम मुद्दे को प्राथमिकता नहीं दी। हालांकि बिहार सरकार अपने बूते इसे कराने जा रही है और न्यायालय ने भी इसे पूर्णता मंजूरी दे दी है। इसका वे लोग स्वागत करते हैं। इस दौरान नाथनगर के पूर्व विधायक लक्ष्मीकांत मंडल, जिला उपाध्यक्ष इंद्रप्रकाश मंडल, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ बिनु बिहारी सिंह जेडीयू प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी शिशुपाल भारती एवं कई गणमान्य उपस्थित रहे।

कुरीतियों से ऊपर उठकर समाज को संगठित करना है संघ का दृष्टिकोण : रविशंकर

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारक रविशंकर सिंह विसेन ने कहा है कि भारत केवल भूमि का टुकड़ा नहीं है। बल्कि इसके कण-कण में ईश्वर का वास है। इसलिए संघ के स्वयंसेवक देश को अपनी मां मानकर निस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा को संकल्पित होते हैं। सरस्वती शिशु मंदिर में प्रभात शाखा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारा देश तो आजादी के समय ही स्वाधीन हो चुकी थी। लेकिन पूर्णरूपेण स्वतंत्रता हमें अभी भी नहीं मिली। जात-पात, ऊंच-नीच इन सभी सामाजिक कुरीतियों से ऊपर उठकर हिंदू समाज को संगठित करना ही संघ की दृष्टिकोण में पूर्ण स्वतंत्रता का सार है। इसके लिए आगामी 25 वर्षों की कार्य योजना तैयार की जा रही है। जिला

संचालक मनोरंजन वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन होने के नाते इसके स्वयंसेवकों को नए-नए स्थानों पर शाखा लगाने एवं संघ की गतिविधियां को बढ़ाने पर जोड़ देना चाहिए।

जिससे आगामी वर्षों में संघ का शताब्दी वर्ष पूरा होने पर समाज इसे उत्सव के रूप में मनाए। भारतीय संस्कृति और इसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना इस कार्य में संघ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि शाखा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रीयता का भाव उत्पन्न करना संघ की कल्पना है। शाखा में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्रा सहित नगर वासी शामिल हुए। बखरी नगर, ग्रामीण, गढ़पुरा, नावकोठी एवं डंडारी प्रखंड के स्वयंसेवकों की बैठक भी रामा पैलेस में आयोजित हुई। जिसमें प्रांत प्रचारक को सुनने के लिए बड़ी संख्या में नगर के व्यवसायी, महिला वर्ग सहित संघ के अनुषांगिक इकाइयों के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

ट्रेन में 'हत्यारा रक्षक'

रेलगाड़ी में सफर सबसे सुरक्षित, आरामदेह और सुकूनदायक माना जाता रहा है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) का सूत्र-वाक्य 'यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और रेल-यात्रा के प्रति विश्वास को बढ़ाना' भी आश्वस्त करता है, लेकिन सोमवार, 31 जुलाई को 'जयपुर-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस' ट्रेन में, सुरक्षाकर्मी ने ही, जो कत्लेआम किया, उसने रेलवे की छवि पर दाग ही नहीं, कई सवाल चस्पां कर दिए हैं। क्या रेल-यात्रा वाकई सुरक्षित है? आरपीएफ के एक कांस्टेबल ने न केवल अपने वरिष्ठ कर्मचारी, बल्कि 3 यात्रियों की भी हत्या कर दी। अपनी मनःस्थिति को अंजाम देने से पहले वह 'हत्यारा रक्षक' करीब 40 मिनट तक, बोगी-दर-बोगी घूमते हुए, यात्रियों को आतंकित करता रहा। उसके निशाने पर सिर्फ मुस्लिम यात्री ही थे अथवा उसने सभी को धमकाया था, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। संभवतः जांच के निष्कर्षों में यह तथ्य उजागर हो सकता है! आरपीएफ ने त्वरित सफाई दी है कि वह मानसिक तौर पर बीमार था, लिहाजा यह कांड कर दिया। यह संदर्भ और सरोकार सैकड़ों रेल-यात्रियों से जुड़ा है। रेलगाड़ी में सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों को गश्त लगाते देख कर औसत यात्री, बेशक, सुरक्षित महसूस करता है। यात्री आराम और सुकून की नींद सो पाते हैं। सुरक्षा कर्मियों की गश्त के बावजूद रेलगाड़ी में लूट-डकैती की भी घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस तरह सरेआम, यात्रियों से भरी ट्रेन में, गोलियां चलाकर किसी की हत्या नहीं की गई। बहुत बड़ा सवाल है कि यदि आरपीएफ कांस्टेबल मानसिक रोगी था, तो सुरक्षा बल ने, हमलावर राइफल के साथ, उसे ड्यूटी पर तैनात क्यों किया था? नियमित ड्यूटी से पहले अस्पताल में उसका उचित इलाज क्यों नहीं कराया गया? उसे स्वस्थ होने तक छुट्टी पर क्यों नहीं भेजा गया? ऐसे तमाम सवाल आरपीएफ के लापरवाह, आंख मूंदे अधिकारियों की ओर भी संकेत करते हैं। उन्हें भी दंडित किया जाना चाहिए। दरअसल यह कोई इकलौती घटना नहीं है। सैनिकों और पुलिस कर्मियों के शिविरों में ऐसा होता रहा है कि एक जवान ने दूसरे को गोली मार दी अथवा खुद को ही गोली मार कर आत्महत्या कर ली। वरिष्ठ अफसरों को भी निशाना बनाया गया है। ओडिशा के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री नाबा दास की एक पुलिस कर्मी ने, बीती जनवरी में ही, अपनी सर्विस रिवॉल्वर इस्तेमाल करते हुए, गोली दाग कर हत्या कर दी थी। तब भी हत्यारे को 'मानसिक रोगी' करार दिया गया था। सुपरफास्ट ट्रेन में आरपीएफ कांस्टेबल द्वारा यह हत्याकांड, बेशक, अभूतपूर्व और अप्रत्याशित है। यदि हत्याओं की वजह 'सांप्रदायिक नफरत' है, तो यह घटना भयावह और खौफनाक है। यह दौर सांप्रदायिक तौर पर तपा हुआ है। ऐसी हिंसा और हत्याएं की जा रही हैं, लेकिन रेलगाड़ी तो 'राष्ट्रीय और धर्मनिरपेक्ष वाहन' है। बहरहाल आरपीएफ ने जांच के लिए एक समिति का गठन किया है, जो तीन महीने में अपनी रपट देगी। कमेटी जो अनुशंसाएं करे, उसमें एक सरकारी व्यवस्था का सुझाव होना चाहिए, जो तय कर सके कि 'मनोरोगियों' को ड्यूटी पर नहीं भेजा जाएगा। आरपीएफ केंद्रीय कानून के तहत काम करता है, लिहाजा उसे पर्याप्त शक्तियां प्राप्त हैं। वह मजिस्ट्रेट के आदेश या किसी सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के बिना ही, किसी को भी, गिरफ्तार कर सकता है। आरपीएफ कर्मियों को कमांडो ट्रेनिंग भी दी जाती है। उसके बावजूद आरपीएफ यात्रियों और कर्मचारियों में विश्वास पैदा करने में नाकाम रहा है, तो उसकी गहराई में जाना अनिवार्य है, क्योंकि बल के कर्मचारी देश की जनता के, जो रेल में यात्रा कर रही हो, रक्षक हैं। यदि सुरक्षा बल ही रक्षक के बजाय भक्षक साबित होने लगे, तो यह संपूर्ण व्यवस्था की नाकामी है। रेलवे सुधार समिति ने बिबेक देबरॉय की अध्यक्षता में 2015 में अनुशंसा की थी कि वरिष्ठ रेलवे अधिकारी यात्रियों की सुरक्षा के लिए निजी सुरक्षा अथवा आरपीएफ की सुरक्षा का बंदोबस्त करने को स्वतंत्र होने चाहिए। बुनियादी चिंता-सवाल तो यही है कि यदि कोई सुरक्षा कर्मी मानसिक तौर पर अस्वस्थ है, तो उसके साथ क्या व्यवहार किया जाना चाहिए।

रेलगाड़ी में सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों को गश्त लगाते देख कर औसत यात्री, बेशक, सुरक्षित महसूस करता है। यात्री आराम और सुकून की नींद सो पाते हैं। सुरक्षा कर्मियों की गश्त के बावजूद रेलगाड़ी में लूट-डकैती की भी घटनाएं हुई हैं, लेकिन इस तरह सरेआम, यात्रियों से भरी ट्रेन में, गोलियां चलाकर किसी की हत्या नहीं की गई। बहुत बड़ा सवाल है कि यदि आरपीएफ कांस्टेबल मानसिक रोगी था, तो सुरक्षा बल ने, हमलावर राइफल के साथ, उसे ड्यूटी पर तैनात क्यों किया था? नियमित ड्यूटी से पहले अस्पताल में उसका उचित इलाज क्यों नहीं कराया गया? उसे स्वस्थ होने तक छुट्टी पर क्यों नहीं भेजा गया? ऐसे तमाम सवाल आरपीएफ के लापरवाह, आंख मूंदे अधिकारियों की ओर भी संकेत करते हैं। उन्हें भी दंडित किया जाना चाहिए। दरअसल यह कोई इकलौती घटना नहीं है। सैनिकों और पुलिस कर्मियों के शिविरों में ऐसा होता रहा है कि एक जवान ने दूसरे को गोली मार दी अथवा खुद को ही गोली मार कर आत्महत्या कर ली। वरिष्ठ अफसरों को भी निशाना बनाया गया है।

चार जिलों में पिछले ढ़ाई साल में ही हेरोइन तस्करी के कोई दो-चार नहीं अपितु तेईस मामले सामने आ चुके हैं

नार्को आतंकवाद को प्रश्रय दे रहा पाकिस्तान

सुनील कुमार महला

आज हमारे देश की युवा पीढ़ी नशे के गिरफ्त में लगातार फंसती चली जा रही है और नशे हमारे समाज, हमारे देश को गर्त की ओर धकेल रहा है। नशे से धन की तो बर्बादी होती ही है, स्वास्थ्य के साथ साथ यह हमारे समाज के ताने-बाने को भी काफी नुकसान पहुंचाता है। पंजाब तो पंजाब, लेकिन अब पंजाब के बाद अब राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी में वृद्धि से राजस्थान के उड़ता राजस्थान बनने का डर सता रहा है। मीडिया के हवाले से आ रही खबरों से पता चलता है कि सीमावर्ती इलाकों में मादक/नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते ही चले जा रहे हैं। नशीले पदार्थों की बड़ी खेप तस्करों द्वारा हमारे देश में पहुंचाई जा रही है और इसमें पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ है। नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा भी खूब लिया जा रहा है और देखा जाए तो पाकिस्तान ने एक तरफ से हम पर एक अघोषित ड्रोन युद्ध छेड़ रखा है।

काफी समय पहले निर्देशक अभिषेक चौबे की एक फिल्म आई थी -'उड़ता पंजाब।' यह फ़िल्म पंजाब में युवा आबादी द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और उससे जुड़े विभिन्न षड्यंत्रों की बात करती है। आज हमारे देश की युवा पीढ़ी नशे के गिरफ्त में लगातार फंसती चली जा रही है और नशे हमारे समाज, हमारे देश को गर्त की ओर धकेल रहा है। नशे से धन की तो बर्बादी होती ही है, स्वास्थ्य के साथ साथ यह हमारे समाज के ताने-बाने को भी काफी नुकसान पहुंचाता है। पंजाब तो पंजाब, लेकिन अब पंजाब के बाद अब राजस्थान में मादक पदार्थों की तस्करी में वृद्धि से राजस्थान के उड़ता राजस्थान बनने का डर सता रहा है। मीडिया के हवाले से आ रही खबरों से पता चलता है कि सीमावर्ती इलाकों में मादक/नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते ही चले जा रहे हैं। नशीले पदार्थों की बड़ी खेप तस्करों द्वारा हमारे देश में पहुंचाई जा रही है और इसमें पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ है। नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा भी खूब लिया जा रहा है और देखा जाए तो पाकिस्तान ने एक तरफ से हम पर एक अघोषित ड्रोन युद्ध छेड़ रखा है। एक नामी-गिरामी न्यूज़ एजेंसी के हवाले से यह खबरें हाल ही में आईं हैं कि पाकिस्तान के नजदीक चार जिलों में पिछले ढ़ाई साल में ही हेरोइन तस्करी के कोई दो-चार नहीं अपितु तेईस मामले सामने आ चुके हैं। एजेंसी के हवाले से यह बताया गया है कि इन मौकों पर राज्य में 125 किलोग्राम हेरोइन लाई गई जो नशे की एक बड़ी खेप मानी जा सकती है। यहां पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है और यहां की सबसे अधिक आबादी भी युवाओं की है और भारत में युवा पीढ़ी को पथभ्रष्ट करने और आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिये पाकिस्तान बड़े पैमाने पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की आपूर्ति करता रहा है। तस्कर श्रीगंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के रास्ते पाकिस्तान से मादक पदार्थों की तस्करी तो कर ही रहे हैं, साथ ही साथ हथियारों की सप्लाई भी चोरी छिपे की जा रही है। पिछले कुछ समय में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए इन तस्करी की घटनाओं को अंजाम दिया है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन से तस्करी के मामलों में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिली है। आज आए दिन अखबारों की सुर्खियों में हमें यह बात पढ़ने को मिलती है कि फलां फलां स्थान पर नशीली गोलियां, कैप्सूल और इंजेक्शन पुलिस द्वारा जब्त किए गए। सच तो यह है कि पाकिस्तान के ड्रग तस्करों के तार पंजाब व राजस्थान के बड़े ड्रग तस्करों से जुड़े हुए हैं। वास्तव में ड्रग्स

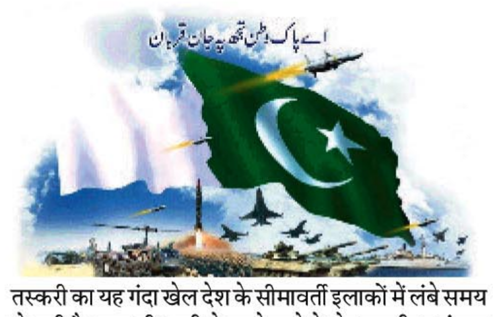

तस्करी का यह गंदा खेल देश के सीमावर्ती इलाकों में लंबे समय से जारी है। पाक की धरती से उड़ने वाले ये ड्रोन कश्मीर व पंजाब व राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में आतंकियों को हथियार व पैसा मुहैया कराने के लिये नशे की खेप लगातार गिराते रहे हैं। सच तो यह है कि पाकिस्तान नार्को आतंकवाद का इस्तेमाल भी भारत के खिलाफ कर रहा है।जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही जुलाई माह में ही राजस्थान के सीमावर्ती जिले बाड़मेर में सीमा सुरक्षा बल, एनसीबी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारत-पाक सीमा के पास से 11 पैकेट हेरोइन बरामद की है। बरामद किए गए हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 55 करोड़ रुपए आंकी गई है। इससे कुछ समय पहले ही राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत पाक सीमा पर पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में हेरोइन की खेप फेंकी गई थी, हालांकि इस हेरोइन की डिलीवरी लेने आए चार तस्करों को बीएसएफ और राजस्थान पुलिस ने धर दबोचा था और तस्करों के कब्जे से दस करोड़ रुपए मूल्य की दो किलो हेरोइन बरामद की गई। पाठकों को यह भी बता दूं कि कुछ समय पहले राजस्थान के गंगानगर जिले के श्रीकरणपुर में भी बीएसएफ जवानों ने एक ड्रोन को मार गिराया था। सच तो यह है कि पाक द्वारा सीमा पर ड्रोन से तस्करी आम बात है, जबकि पाक ने कभी भी इस सच्चाई को स्वीकार नहीं किया है कि उसकी धरती से लगातार भारत विरोधी गतिविधियां ड्रोन के जरिये जारी हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि अभी पिछले दिनों ही जम्मू-कश्मीर व सीमावर्ती राज्य पंजाब में ड्रोन के जरिये ड्रग्स व हथियार की खेप गिराने की तमाम घटनाएं सामने आई हैं। हमारे देश के सुरक्षा बलों व पुलिस की मुस्तैदी के चलते हालांकि बहुत से ड्रोन अब तक गिराए भी जा चुके हैं लेकिन पाकिस्तान द्वारा नशा व हथियारों की तस्करी का सिलसिला थम नहीं रहा है।इसी बीच ,हाल ही एक प्रतिष्ठित न्यूज़ एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि पिछले ढाई साल में राजस्थान में ड्रग तस्करी के 9000 मामले दर्ज किए गए हैं और 11,000 लोगों को हिरासत में लिया गया। सबसे बड़ी हैरानी की बात तो यह है कि आठ पुलिसकर्मी भी ड्रग तस्करों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। मतलब यह है कि बाड़ ही खेत को खा रही है तो ऐसे में ड्रग माफिया, ड्रग तस्करों पर भला लगाम कैसे लगाई जा सकेगी, यह प्रश्न यहां यक्ष है। बहरहाल ,पाकिस्तान की सरकार हमेशा भारत में ड्रग तस्करी व आतंकवाद की करतूतों से हमेशा इनकार करती रही है लेकिन अब पाकिस्तान के ही एक बड़े अधिकारी ने ड्रग्स तस्करी पर बहुत बड़ा खुलासा किया है। इस संबंध में पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष रक्षा सहायक ने एक टीवी साक्षात्कार के दौरान यह स्वीकार किया है कि सीमा पार से भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये पाकिस्तानी ड्रोनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान के इस विशेष रक्षा सहायक(सलाहकार)ने अपने इलाके में बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिये सरकार से विशेष पैकेज की मांग की थी और इसी मांग के लिए दबाव बनाने के लिये उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह बात कही है कि अगर समय रहते बाढ़ पीड़ितों को मदद नहीं मिलती तो उस इलाके के युवा भी उन तस्करों में शामिल हो सकते हैं, जो नियंत्रण रेखा के करीब रास्ते विशेष से भारत में हेरोइन भेजने के लिये ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं।जाहिर है पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के रक्षा सहायक की यह स्वीकारोक्ति इस बात की पुष्टि करती है कि शरीफ सरकार की नाक के नीचे ड्रोन के जरिये मादक पदार्थों का धंधा धड़ल्ले से जारी है। सच तो यह है कि पाकिस्तान हथियारों व मादक पदार्थों की भारत में तस्करी कर भारतीय युवाओं को पथभ्रष्ट करने में लगा है और दुखद पहलू यह है कि भारतीय युवा पाकिस्तान के चंगुल में लगातार फंस रहे हैं। पाकिस्तान द्वारा नशा तस्करों को रोकने के लिये कोई ठोस व पुख्ता प्रयास नहीं किये जा रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद को तो प्रशय देता ही रहा है लेकिन वह आतंकवाद के साथ ही अब नशे को भी लगातार प्रशय देता नजर आ रहा है। यह बात अलग है कि पर्याप्त सबूतों के बावजूद पाकिस्तान लंबे समय से किसी भी रूप में सीमा पार से आतंकवाद को सहायता या बढ़ावा देने में तथा नशा तस्करी के संबंध में अपनी किसी भी तरह की भूमिका से इनकार करता रहा है। बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि हाल ही में मादक द्रव्यों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर हुए एक सम्मेलन के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गृहमंत्री अमित शाह से ड्रोन पंजीकरण को अनिवार्य बनाने का आग्रह किया था। इतना ही नहीं उन्होंने सीमा पार से हथियारों और हेरोइन की तस्करी के संबंध में भी जानकारी दी थी कि बड़े पैमाने पर पाकिस्तान से ड्रोनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दृश्य देख विध्वंश का धरती भय से थर्राती है !

युद्ध के विरूद्ध केशव शरण अपनी एक कविता' युद्ध महान' में कुछ यूं लिखते हैं- 'अपना रथ भी दौड़ाऊं, बाण भी चलाऊं और जीत भी लूं युद्ध महान, मेरी सैन्य-सुविधाएं क्या यही भगवान ! मैं वीर गति को प्राप्त हो जाऊं और पाऊं स्वर्ग में स्थान, इस सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं भगवान !' रूस-यूक्रेन युद्ध को डेढ़ वर्ष का लंबा समय हो गया है। यह ठीक है कि दोनों देशों में वर्चस्व, सम्मान और स्वाभिमान की लंबे समय से जंग जारी है, लेकिन युद्ध से आखिर होगा क्या ? युद्ध से नुकसान ही नुकसान हैं, कोई फायदा नहीं। आज भी दोनों देशों में से कोई भी देश झुकने को और पीछे हटने को तैयार नहीं है और इसका खामियाजा न केवल रूस और यूक्रेन को बल्कि दुनिया के लगभग लगभग सभी देशों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से भुगतना पड़ रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस युद्ध में न तो कोई जीत रहा है न ही कोई हार रहा है।

युद्ध किसी भी समस्या का कभी भी स्थाई समाधान नहीं होता है। युद्ध में केवल और केवल विध्वंस है, आग है, धमाका है, खून है, चीत्कारें हैं। युद्ध मानवहीनता की पराकाष्ठा है, वास्तव में युद्ध करूणा का अंत है। युद्ध के विरूद्ध केशव शरण अपनी एक कविता' युद्ध महान' में कुछ यूं लिखते हैं-'अपना रथ भी दौड़ाऊं, बाण भी चलाऊं और जीत भी लूं युद्ध महान, मेरी सैन्य-सुविधाएं क्या यही भगवान ! मैं वीर गति को प्राप्त हो जाऊं और पाऊं स्वर्ग में स्थान, इस सांत्वना के अलावा और कुछ नहीं भगवान !' रूस-यूक्रेन युद्ध को डेढ़ वर्ष का लंबा समय हो गया है। यह ठीक है कि दोनों देशों में वर्चस्व, सम्मान और स्वाभिमान की लंबे समय से जंग जारी है, लेकिन युद्ध से आखिर होगा क्या ? युद्ध से नुकसान ही नुकसान हैं, कोई फायदा नहीं। आज भी दोनों देशों में से कोई भी देश झुकने को और पीछे हटने को तैयार नहीं है और इसका खामियाजा न केवल रूस और यूक्रेन को बल्कि दुनिया के लगभग लगभग सभी देशों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से भुगतना पड़ रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस युद्ध में न तो कोई जीत रहा है न ही कोई हार रहा है। दिसंबर 2022 में ही यूक्रेनी राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार ओलेग उस्तेंको के मुताबिक यह बात सामने आई थीं कि , यूक्रेन को युद्ध की वजह से एक ट्रिलियन डॉलर (करीब आठ लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो चुका है। दिसंबर 22 के ही आंकड़ों के अनुसार रूस भी युद्ध में करीब 8,000 अरब रुपये फूंक चुका है।अमेरिका-यूरोप-यूक्रेन और रूस के लिए युद्ध के अपने-अपने मायने हैं और नफे-नुकसान हैं। लेकिन, कुल मिलाकर बात यह है कि पूरी दुनिया को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। करीब 32 लाख करोड़ रुपये (4 ट्रिलियन डॉलर) का खर्च तो दिसंबर 22 तक ही हो चुका और इसके बाद तो सात महीने का और समय बीत चुका है तो हम अंदाजा लगा सकते हैं कि इस युद्ध पर कितना अधिक खर्च हो चुका है।जाहिर है, यूक्रेन को युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा है। भोजन और ईंधन की बढ़ी हुई कीमतें, बाधित आपूर्ति श्रृंखला, महंगाई और बेरोजगारी जैसे कारकों को शामिल कर देखा जाए, तो युद्ध की वजह से पूरी दुनिया पर करीब 24 लाख करोड़ रुपये (तीन ट्रिलियन डॉलर) का बोझ तो दिसंबर 22 तक ही पड़ा है। कीव स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स का अनुमान है कि 24 फरवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक रूसी हमलों में यूक्रेन का 138 अरब डॉलर का इन्फ्रास्ट्रक्चर तबाह हो गया है। भारतीय करंसी में ये रकम 11 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा बैठती है। आज स्थिति यह है कि युद्ध के कारण शहर के शहर खंडहर हो चुके हैं। पर्यावरण का कितना अधिक नुकसान हुआ है यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। रूस यूक्रेन युद्ध में अब तक हजारों लाखों लोगों की जानें जा चुकी है और हजारों लाखों लोग युद्ध के कारण विस्थापित हो चुके हैं। यहां तक कि लोगों की भोजन, ईंधन, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतें तक पूरी नहीं हो पा रही है और वे युद्ध की वजह से जीवित रहने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि 24 फरवरी 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जंग का ऐलान किया था। यूक्रेन की स्थिति तो यह है गई है कि यूक्रेन आने वाले पचास सालों में भी युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई नहीं कर पायेगा, हालांकि युद्ध से रूस भी बरसों पीछे चला गया है और उसका भी नुकसान यूक्रेन से कमतर नहीं आंका जा सकता है। इस युद्ध ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित और अस्त-व्यस्त करके रख दिया है। यूक्रेन द्वारा रूस पर ड्रोन हमले किए जा रहे हैं लेकिन इसी बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा सेंट पीटर्सबर्ग में जो बयान दिया है उसे गम्भीरता से लिया जाना चाहिए और युद्ध को समाप्त करने की कोई न कोई पहल जरूर की जानी चाहिए। यह बहुत ही संवेदनशील है कि रूसी सेना यूक्रेन के आत्मसमर्पण करने से पहले हमले रोकने को तैयार नहीं है, वही यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने अंतिम सांस तक मुकाबला करने, लड़ने की कसम खाई है। सच तो यह है कि यूक्रेन को नाटो देशों से मिल रहे हथियारों ने युद्ध को लंबा खींचने में बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन जो भी हो इस युद्ध को रोका जाना बहुत ही जरूरी व आवश्यक है। हालांकि युद्ध के संबंध में पुतिन का यह कहना है कि वे कभी भी शांति पहल के खिलाफ नहीं रहे हैं लेकिन जब यूक्रेन की सेना बड़े पैमाने पर उनके देश पर हमले कर रही हों तो रूस की सेना युद्ध विराम कैसे कर सकती है ? आज विश्व के बहुत से देश जैसे भारत, चीन, अफ्रीका दोनों देशों से शांति बरतने की लगातार अपील कर रहे हैं। पुतिन का बयान भी काफी महत्वपूर्ण व अहम् है। रूस और यूक्रेन दोनों ही देशों को अपना दंभ त्यागना होगा और शांति बहाली के लिए मेज पर आना होगा। अमेरिका और यूरोपीय देशों को भी युद्ध की विभिषिका को समझना होगा और हथियारों और गोला बारूद की सप्लाई को बंद करना होगा। हालांकि युद्ध के संदर्भ में रूस और यूक्रेन दोनों ने अब तक यही बात कही है कि वे बिना शर्तों के शांति वार्ता के लिए बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे। यह बहुत ही संवेदनशील और महत्वपूर्ण है।

कुछ अलग

हिमाचल तेरे कितने घाव

पहाड़ के जख्मों पर कोई पहली बार हाथ रख गया। पहली बार यह समझने की कोशिश हुई कि पर्वत केवल अपने दर्द में पिघलता है। पानी की हर बूंद हिमाचल को चूस के निकल जाती है और शेष रह जाते हैं अनेक घाव। कहना न होगा कि किस हद तक केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हिमाचल में बरसात के कोहराम को सुना और यह समझा कि पहाड़ से निकलते पानी के वेग और मौसम की विसंगतियों को समझे बिना देश का इनसाफ इस भू भाग को नहीं मिलेगा। फोरलेन परियोजना के नुकसान को देखते-देखते गडकरी ने हिमाचल की त्रासदी को न केवल देखा, बल्कि यह आश्वासन भी दिया कि आगे किस तरह ऐसे संकट से निजात पाई जाए। विशेषज्ञों की टीम यह पता लगाएगी कि कुल्लू में आई बाढ़ के लिए दोष कहां-कहां रहा। ब्यास नदी पर फौरी तौर पर अध्ययन की जरूरत को केंद्रीय मंत्री ने अपनी सहमति दी तथा प्राकृतिक जल बहाव की रुकावटों को लेकर भी विकल्प तलाशने की गुंजाइश को समझा। जाहिर है मंत्री का हिमाचल आगमन कुछ अन्य विभागीय प्राथमिकताओं का हवाला दे गया। बिजली महादेव रोप-वे परियोजना की कुल 250 करोड़ की लागत तथा सेतु भारत योजना के तहत चार सौ करोड़ की राशि का इंतजाम गडकरी का विभाग कर रहा है। मंत्री ने एनएचएआई के मार्फत नदी के किनारों को सुदृढ़ करने का वादा करते हुए वर्तमान डिजाइन के प्रारूप में नई शर्तें तथा अतिरिक्त खर्च जोडने का आश्वासन दिया है, जबकि जख्मों को भरने के लिए अस्सी करोड़ की राशि देने का ऐलान भी किया है। इस तरह हिमाचल दौरे में केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री ने सियासत से परे प्रदेश के मर्म को जाना और जरूरी इंतजाम की फेहरिस्त बना डाली। नितिन गडकरी जैसे एक दो अन्य केंद्रीय मंत्री भी हिमाचल आकर हमारा दर्द जान लें, तो बाढ़ त्रासदी के चंगुल में फंसे प्रदेश को काफी हद तक इनसाफ मिल सकता है। हिमाचल को देखने का नजरिया दिल्ली में बैठकर पैदा नहीं हो सकता, बल्कि ऐसे मुआयने पर्वतीय अंचल में आ कर ही कुछ कह सकते हैं। बाढ़ की त्रासदी को यूं तो देश की कई योजनाएं मापती आई हैं, लेकिन पर्वतीय इलाकों में बारिश का चौतरफा हमला ही बाढ़ है। यहां ढलान पर खेत, ढांग पर घर और बादलों को छूते पहाड़ का सिंहासन किसी वक्त भी डोल सकता है। केंद्रीय मंत्री ने एक परियोजना के मार्फत ब्यास का रौद्र रूप देखा, लेकिन यहां तो उत्तर भारत की प्रमुख नदियां व उनके अस्तित्व को भरते सैकड़ों नाले-खड्डें व कूहलें इसी तरह मौसम को कोस कर निकल जाती हैं। ऐसे में देश के लिए विद्युत उत्पादन, पीने के लिए और खेत सींचने को पानी जिस मिकदार में चाहिए, उसके ऐवज में बरसात को ढोते पहाड़ की पीठ पर न जाने कितने जख्म और कितने जन्म लेने पड़ रहे हैं। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री के साथ-साथ ऊर्जा, जलशक्ति व पर्यावरण मंत्री भी हिमाचल का मुआयना कर जाएं, तो पता चलेगा कि मैदानों को नहरी पानी देने के लिए पर्वत की छाती किस तरह छीली जाती है। देश को बिजली पहुंचाने के लिए कितना दर्द सिर पर उठाना पड़ता है। जाहिर है प्रगति ने पहाड़ को चलना सिखाया, लेकिन इन कदमों की आहट से खुद पहाड़ ही डर रहा है। पहाड़ तब भी डरा जब बड़े बांधों की बुनियाद पर जमीन खोदी गई थी और अब भी घबरा रहा है कि प्रगति का कारवां अपनी टेढ़ी चाल चल रहा है। नितिन गडकरी के आश्वासन अगर पर्वत की मर्यादा से जुड़ते हैं और यहां की बाढ़, अध्ययन, शोध व सर्वेक्षण का विषय बन कर राष्ट्रीय नीतियों के मंच का स्पर्श पा जाते हैं, तो तकनीकी तौर पर बड़े बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। अंततः पर्वतीय नालों, खड्डों व नदियों के तटीकरण की जरूरत परिलक्षित होती है।

नागरिक बोध

आजादी के नए रंगों की तलाश

बहुत दिन से हमें रंगों की तमीज करनी भूल गई ! काला रंग सदा डराने वाला लगता था, आज कितना अपना सा लगने लगा है। काला रंग जो रात के उतरने का सूचक होता है, यह रंग अंधेरे का सहोदर है। आजादी का अमृत महोत्सव हम मना चुके हैं, उसकी शुरुआत ही कभी एक आधी रात को किसी जननायक ने अपनी क्षीणकभीर वाणी से की थी। 'रात के बारह बज गए। अब देश में आजादी की नयी सुबह होगी। सदियों की गुलामी भरा यह काला अंधेरा छंट जाएगा। फिर क्षितिज पर उषा की लालिमा उभरेगी। नया सवेरा नई आजाद सांसों का ध्वजवाहक होगा।' काला रंग विदा होगा, नये सूरज की सफेदी इस धरा पर उतरेगी। हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी और हर बच्चे के हाथ में किताब सी सफेदी। इस सफेदी से सब अंधेरे भगौड़े हो जाएंगे। अतीत की कालिख कचरे के उस डिब्बे में डाल दी जाएगी, कि जिसके पास कभी सुबह की सफेदी फटकना न चाहेगी। वायदे बहुत से वायदे। लेकिन इतना वक्त बीत गया कि अब तो हम इस बीतते वक्त का अमृत महोत्सव भी मनाने चले। लेकिन यह कैसा वक्त बीता कि काला अंधेरा और भी पांव पसार कर देश में जलते चिराग बुझाता चला गया। सफेद रंग का, उसके धवल उजलेपन का अवमूल्यन हो गया। नेताओं के धवल कुर्ते पायजामे और कश्तीनुमा सफेद टोपियां गाहे बगाहे रंग बदलती रहीं, लेकिन उन्होंने एक बार हाथ आई कुर्सियों की सवारी नहीं छोड़ी, बल्कि इन पर आधिपत्य जमाए अपना जन्म सिद्ध अधिकार मान वे इसे अपने नाती-पोतों के लिए सुरक्षित करने लगीं। नाती-पोते भी ऐसे कि जिन्हें इतनी समझ भी नहीं कि इस देश ने दो सौ बरस की गुलामी इंग्लिशस्तान की भुगती थी, या अमरीका की? अब भला उन्हें कैसे समझायें कि भौगोलिक गुलामी तो तुमने अंग्रेजों की भुगती थी, अब 'एक दुनिया एक मंडी' के नाम पर तुम व्यावसायिक गुलामी अमरीका जैसे धनी मानी देशों की भुगत रहे हो। विदेशी थैलीवानों के निवेश की चाह ने इस आर्थिक गुलामी का भूमण्लीकरण कर दिया, सुना क्या? जी हां, रंगों की पहचान की गड़बड़ यहीं से होती है। चले थे सफेदी भरी सुबह की तलाश में, और यहां कभी न खत्म होने वाली रात का अंधेरा सुबह हो जाने का भ्रम देने लगा। हर हाथ को काम, हर पेट को रोटी और हर नये जन्मे के हाथ में किताब नई सुबह की रौशनी का आभास नहीं, देश में गहराते अंधेरे में नारों की मशाल बन गई। यह मशाल हर पांच साल के बाद चुनाव के दिनों के करीब क्यों एकाएक भक्क से जल उठती है? चुनाव परिणामों के बाद कुर्सियां बंट जायें तो यह मशाल क्यों भव्य अट्टालिकाओं का आतिशदान बन जाती है? हम रंगों के मसीहा से पूछना चाहते हैं, कि न उभरने दो, करोड़ों लोगों के बीच में से ऐसे सवाल कि जिनका जवाब चुनावी भाषणों के पास नहीं है। क्यों न इस प्रश्नावली से निकलने की बजाय हम काले रंग को सुबह के सफेद राजसी दोशाले से समेट कर इसे एक समन्वयवादी गरिमा प्रदान कर दें? जानते हो जिंदगी का सच काले को सफेद में बदल देना नहीं है, एक नये मटमैले रंग का स्वीकार है, जहां कतार में खड़ा आखिरी आदमी एक दीर्घ उच्छवास भर कर कह सके, यहां यूं ही चलता है भय्या ! क्या हम यह नया सच स्वीकार कर लें कि यहां सूरज के रथ में जुता सातवां घोड़ा उसी अंधेरे का वारिस है, जो दूसरे छह घोड़ों को भी चलने की प्रेरणा देता है। जवाब नहीं मिला। पौन सदी गुजर गई, क्यों न इस बात का अमृत महोत्सव मना लें कि भ्रष्टाचारी देशों के सूचकांक में हमारा दर्जा और भी गिरावट भरा हो गया है। यह बात तो एक अकाट्य सत्य हो गई कि इस देश में उचित सम्पर्क सूत्र के बिना कोई काम अपनी मंजिल की ओर नहीं सरकता। पिछले दिनों एक जानकार चचा ने बताया था कि जब देश की विकास गति चढ़ावे के स्वर्णयान की मदद से ही पकडऩी है तो क्यों न इस चढ़ावे को जायज मान लें। कब तक इसे दण्डनीय अपराध कह कर अपने आपको सफेदपोश कहलाते रहोगे।

देश दुनीया से

हिमाचल से सीख ले मणिपुर

व्यक्तिगत हितों के प्रति संवेदनशील होना एक सामान्य मानवीय सोच है और व्यक्तिगत हितों की पूर्ति के लिए अपने समुदाय को आगे लाकर संख्या बल के प्रदर्शन द्वारा अपनी बात को सरकारों से मनवाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। लोकतंत्र में संख्या बल को बहुत महत्व मिलता है और हमारे भारत देश में जहां हर चार-पांच महीनों के बाद राजनीतिक दलों की चुनावी परीक्षा किसी न किसी प्रकार के चुनाव के द्वारा होती है, वहां पर विभिन्न समुदाय दबाव बनाकर अपनी मांगों को मनवाने में काफी हद तक कामयाबी भी हासिल कर लेते हैं। भारत में समुदाय के विभाजन के लिए विभिन्न जातियों, उपजातियों और अल्पसंख्यक जैसे शब्दों का प्रयोग होता आया है और इस आधार पर जब भी कोई समुदाय एकत्रित होता है तो बात आरक्षण की मांग पर आकर ही समाप्त होती है। आजकल आरक्षण की नींव पर ही किसी भी समुदाय के सुनहरी भविष्य की परिकल्पना की जाने लगी है क्योंकि समुदाय विशेष को आरक्षण से मिलने वाले लाभ से ही व्यक्तिगत हितों की पूर्ति भी हो जाती है। वर्तमान में भारत के विभिन्न राज्यों में आरक्षण को लेकर कई तरह की मांगें प्रदेश और केंद्रीय सरकारों के समक्ष रखी जा रही हैं। इनमें मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में निषाद और उत्तर भारत के बहुत से राज्यों में जाट लोग आरक्षण को लेकर आंदोलनरत हैं। हिमाचल प्रदेश में भी आरक्षण के लिए पिछले लगभग साठ वर्षों से संघर्षरत हाटी समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने संबंधी निर्णय केंद्रीय कैबिनेट के द्वारा नवंबर 2022 में ले लिया गया था तथा अब इस आरक्षण से संबंधित बिल को 26 जुलाई 2023 को राज्यसभा में भी पारित कर दिया गया। इससे हिमाचल प्रदेश की लगभग दो लाख की आबादी को सीधे तौर पर लाभ पहुंचेगा। हिमाचल का हाटी समुदाय भी अब अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आ जाएगा जिससे इस समुदाय को अब अन्य जनजातियों की तरह रोजगार तथा अन्य क्षेत्रों में मिलने वाले लाभ मिलने शुरू हो जाएंगे। आरक्षण के संदर्भ में यह एक बड़ा निर्णय है जिसका प्रभाव आने वाले समय में प्रदेश के अन्य समुदायों के लोगों पर भी पडऩा निश्चित है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में इस निर्णय का हर तरफ से स्वागत किया गया है और प्रदेश में छिटपुट विरोध को छोडक़र कहीं से किसी भी प्रकार के विरोध के बड़े स्वर सुनने को नहीं मिले हैं। यह बात हमारे प्रदेश के निवासियों की एक विकसित और उदार सोच का जीता जागता उदाहरण है। इसके विपरीत हिमाचल प्रदेश से आधी आबादी वाले मणिपुर में आरक्षण के मुद्दे पर लगी हुई आग में पूरा प्रदेश बुरी तरह से जलता नजर आ रहा है। भारत का पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर आजकल दहशत और भयानक हिंसा के दौर से गुजर रहा है। मणिपुर में इस डर और हिंसा का दौर उस समय शुरू हुआ जब मणिपुर के उच्च न्यायालय द्वारा मई महीने में मेहतई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के संबंध में राज्य सरकार को ये आदेश दिया गया कि इस संबंध में एक प्रस्ताव तैयार करके केंद्रीय सरकार के अनुसूचित जनजाति के मामलों के मंत्रालय को भेजा जाए। अदालत के इस निर्णय से नाराज वहां के पहले से अनुसूचित जनजाति में शामिल नागा तथा कुकी समुदाय के लोगों ने रैलियां निकालकर इस निर्णय का विरोध करना शुरू कर दिया। कुकी और नागा समुदाय मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में रहते हैं और प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा उनके अधिकार क्षेत्र में आता है, जबकि इनकी आबादी प्रदेश की कुल आबादी की लगभग 30 से 35 प्रतिशत ही है। जबकि मेहतई समाज के लोग मणिपुर की राजधानी इम्फाल के आसपास फैली घाटी के निवासी हैं और प्रदेश के कुल क्षेत्रफल का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा ही इनके पास है, जबकि इस समुदाय की आबादी प्रदेश की कुल आबादी के लगभग 65 प्रतिशत है। किसी भी एक समुदाय की इतनी बड़ी आबादी सरकार बनाने में एकतरफा निर्णय सुनाने के लिए सक्षम होती है, इसलिए इस मुद्दे पर वोट बैंक की राजनीति का आड़े आना भी लाजिमी है। यह सत्य है कि जमीन पर अधिकार के मामले में मेहतई समाज भले ही कमजोर हो, लेकिन मणिपुर की विधानसभा की कुल 60 सीटों में से चालीस सीटों पर मेहतई समुदाय के प्रतिनिधि ही चुन कर जाते हैं।

हिमाचल का हाटी समुदाय भी अब अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आ जाएगा जिससे इस समुदाय को अब अन्य जनजातियों की तरह रोजगार तथा अन्य क्षेत्रों में मिलने वाले लाभ मिलने शुरू हो जाएंगे। आरक्षण के संदर्भ में यह एक बड़ा निर्णय है जिसका प्रभाव आने वाले समय में प्रदेश के अन्य समुदायों के लोगों पर भी पडऩा निश्चित है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में इस निर्णय का हर तरफ से स्वागत किया गया है और प्रदेश में छिटपुट विरोध को छोडक़र कहीं से किसी भी प्रकार के विरोध के बड़े स्वर सुनने को नहीं मिले हैं।

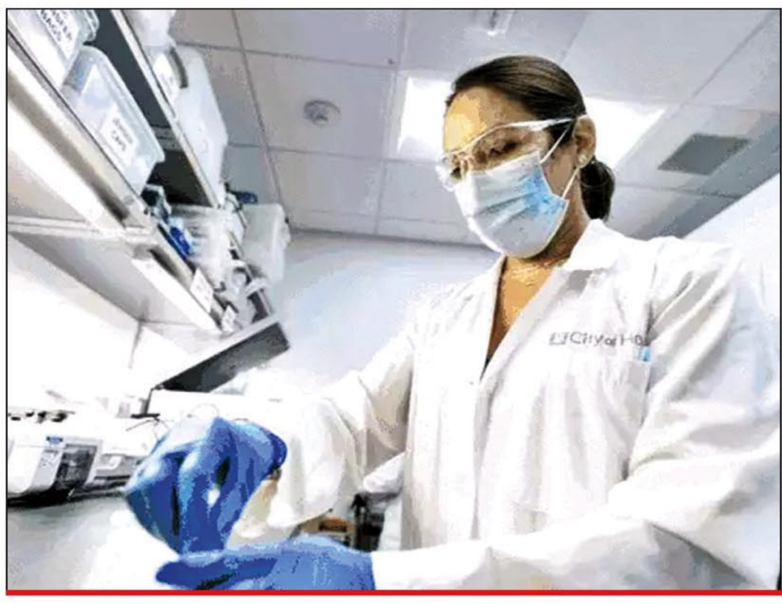

कैंसर की नई दवा का ह्यूमन ट्रायल : ट्यूमर पूरी तरह खत्म करेगी

9 साल की बच्ची को ट्रिब्यूट के तौर पर रखा मेडिसिन का नाम

वॉशिंगटन।
वैज्ञानिकों को कैंसर के इलाज में बड़ी कामयाबी मिलती हुई नजर आ रही है। अमेरिका में कैंसर की दवा का ह्यूमन ट्रायल शुरू हो गया है। साइंटिस्ट्स का कहना है कि ये दवा शरीर के हेल्दी सेल्स को नुकसान पहुंचाए बिना ही कैंसर के ट्यूमर को जड़ से खत्म कर सकती है।

साइंटिस्ट्स ने बताया कि दवा का नाम 1996 में पैदा हुई आना ओलिविया हीली से प्रेरित है। उसे न्यूरोब्लास्टोमा नाम का कैंसर था। 2006 में आना की मौत हो गई थी। न्यूरोब्लास्टोमा बच्चों को होने वाला एक कैंसर है। ये एड्रिनल ग्लैंड्स का कैंसर है, जो पेट, छाती, गले की हड्डियों में विकसित होता है। एक साइंटिस्ट ने कहा- हमने कैंसर खत्म करने वाली नई दवा का नाम नौ साल की आना ओलिविया हीली को श्रद्धांजलि देने के लिए रखा है।

इस ड्रग को 20 साल की रिसर्च के बाद बनाया गया है। ये दवा कैंसर सेल्स में पाए जाने वाले प्रोटीन- प्रोलिफेरेटिंग सेल न्यूक्लियर एंटीजन को टारगेट करती है। इस कैंसर प्रोटीन की वजह से ही शरीर में ट्यूमर फैलता और बढ़ता है। पहले इस प्रोटीन का इलाज नहीं होता था, लेकिन अब नई दवा इस पर प्रभावी बताई जा रही है। दवा को बनाने वाली प्रोफेसर लिंडा मलकास का कहना है कि ये दवा कैंसर प्रोटीन को खत्म करने में मदद करती है। इससे ट्यूमर जल्द डेवलप नहीं हो पाता है। अगर ट्यूमर डेवलप हो भी जाता है तो ये दवा उसे खत्म करने में कारगर साबित हुई है। ये कैंसर सेल्स को मारने का भी काम करती है।

हेल्दी सेल्स को नुकसान नहीं पहुंचाती ये दवा

प्रोफेसर लिंडा मलकास ने कहा- कैंसर सेल्स को मारने के दौरान हेल्दी सेल्स पर हमला नहीं करती है। दरअसल, कैंसर के ट्रीटमेंट- कीमोथैरेपी, रेडिएशन और इनवेसिव सर्जरी के दौरान मरीजों के अच्छे सेल्स भी खत्म होते हैं। इससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स आते हैं, जैसे- बाल झड़ना और चेहरे का काला पड़ना; लेकिन इस दवा से ऐसे कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होंगे। रेक्टल कैंसर (मलद्वार का कैंसर) के कुछ मरीजों पर डॉस्टरलिमैब दवा का क्लिनिकल ट्रायल किया गया। इससे सिर्फ 6 महीने में ही कैंसर का ट्यूमर पूरी तरह खत्म हो गया। यह रिसर्च न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुई।

डॉस्टरलिमैब लैब में बनाया जाने वाला एक ऐसा ड्रग है, जो इंसान के शरीर में एंटीबॉडीज के विकल्प की तरह काम करता है। कैंसर से जूझ रहे लोगों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर हो जाता है, जिससे उनमें एंटीबॉडीज का लेवल भी कम हो जाता है। ऐसे में बीमारी से लड़ने के लिए बाहरी दवा की जरूरत पड़ती है। डॉस्टरलिमैब ड्रग को अमेरिका और यूरोप में 2021 में मंजूरी मिली थी। इसे टेसारो कंपनी ने साल 2020 में बनाना शुरू किया था।

न्यूज ब्रीफ

जंग लड़ने से बचने झूठी मेडिकल रिपोर्ट बनवा रहे यूक्रेनी: सेना के अधिकारियों को दे रहे 5 लाख रुपए; देश छोड़कर भाग रहे

कीव। यूक्रेन के अधिकारियों ने एक ऐसी स्कीम का खुलासा किया है, जिसका इस्तेमाल कर वहां के पुरुष जंग में जाने से बच रहे हैं। यूक्रेन में पुरुष अपनी झूठी मेडिकल रिपोर्ट्स बनवा रहे हैं। इनमें उन्हें जंग के लिए अनफिट दिखाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी कीव समेत यूक्रेन के 11 इलाकों में ये स्कीम चल रही थी। पुलिस ने कीव, ओडेसा, लीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर छापे मारे हैं जहां नकली मेडिकल सर्टिफिकेट बनाए जा रहे थे। इस फर्जीवाड़े में मिलिट्री के लोग भी शामिल बताए गए हैं। भर्ती केंद्रों के अधिकारियों ने सेना में भर्ती होने के लिए मेडिकल जांच करने वाले मिलिट्री कमिशन से सांठ-गांठ की थी, ताकि चुने गए कुछ लोगों को सेना में शामिल होने के लिए जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट में अनफिट दिखाया जा सके। इसके बदले अधिकारियों को प्रति व्यक्ति 6 हजार डॉलर, यानी करीब 5 लाख रुपए मिल रहे थे। प्रोसीक्यूटर ने बताया कि स्कीम में पैसा देने वाले कुछ लोगों के तो चैकअप ही नहीं किए गए। बिना टेस्ट किए उन्हें अनफिट बताकर वापस भेज दिया गया। इसका खुलासा तब हुआ जब जांच में उनके मेडिकल चेकअप का कोई रिकॉर्ड ही नहीं मिला। इतना ही नहीं, झूठी मेडिकल रिपोर्ट्स का इस्तेमाल कर कई लोग देश तक छोड़ कर चले गए। दरअसल, जंग के चलते यूक्रेन ने पुरुषों के देश छोड़ने पर बैन लगाया है। यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सिक्योरिटी सर्विस मिलकर इस फर्जीवाड़े की जांच कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है, पर कुछ लोगों को शक के घेरे में रखा गया है।

कनाडा के पीएम ट्रूडो का तलाक होगा: शादी के 18 साल बाद पत्नी सोफी से अलग होंगे; पिता ने भी लिया था तलाक

ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और उनकी पत्नी सोफी ट्रूडो तलाक ले रहे हैं। शादी के 18 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया है। दोनों ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इसके बाद पीएम ऑफिस ने भी कहा कि दोनों ने लीगल सेपरेशन एग्रीमेंट पर साइन किए हैं। जस्टिन और उनकी पत्नी सोफी के 15, 14 और 9 साल के 3 बच्चे हैं। कनाडा में पीएम पद पर रहते हुए पत्नी से अलग होने वाले ट्रूडो दूसरे प्रधानमंत्री हैं। उनसे पहले उनके पिता और पूर्व पीएम पियरे ट्रूडो 1979 में अपनी पत्नी मार्गरेट से अलग हो गए थे और 1984 में दोनों का तलाक हो गया था। जस्टिन और सोफी की शादी मई 2005 में हुई थी। जस्टिन ट्रूडो कई बार सार्वजनिक तौर पर परिवार के महत्व के बारे में बता चुके हैं। साल 2020 में अपनी शादी की सालगिरह पर पीएम ट्रूडो ने कहा था कि उनकी पत्नी उनका सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम, सबसे अच्छी दोस्त और एक बेहतरीन पार्टनर हैं। तलाक की घोषणा करते हुए जस्टिन ने कहा- हमने बहुत कठिन और अहम चर्चाओं के बात ये फैसला लिया है।

बच्चों के निजी जीवन पर भी बंदिशों की तैयारी में चीन, दो घंटे से ज्यादा फोन के इस्तेमाल पर लगेगी रोक!

चीन । चीन के साइबरस्पेस नियामक ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सिर्फ दो घंटे तक फोन चलाना चाहिए। साथ ही स्मार्टफोन कंपनियां एक ऐसा मोड तैयार करें, जिससे बच्चे रात में इंटरनेट का उपयोग न कर सकें। बता दें, जानकारी सामने आते ही तकनीकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आने लगी है। चीन के साइबरस्पेस प्रशासन (सीएसी) ने कहा कि वह चाहता है कि स्मार्ट उपकरणों के प्रदाता माइनर मोड प्रोग्राम पेश करें, जो 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मोबाइल पर इंटरनेट का उपयोग करने से रोक दे। सीएसी ने कहा कि प्रस्तावित सुधारों के तहत प्रदाताओं को समय सीमा भी तय करनी होगी। 16 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को फोन चलाने के लिए प्रतिदिन दो घंटे की अनुमति होगी। साथ ही आठ से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को एक घंटा जबकि आठ से कम उम्र के बच्चों को केवल आठ मिनट की अनुमति होगी। हालांकि, यह प्रस्ताव निवेशकों को कुछ खास पसंद नहीं आया है। सीएसी ने एक मसौदा पेश किया। उसने इसपर दो सितंबर तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया मांगी है। इसके बाद हांगकांग में दोपहर के कारोबार में चीनी तकनीकी कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखी गई। शंघाई शेनलुन लॉ फर्म के वकील जिया हैलोंग ने कहा कि यह नियम इंटरनेट कंपनियों के लिए सिरदर्द बनेंगे।

बहुत जल्द इजराइल को मान्यता दे सकता है सऊदी

इजराइली इंटेलिजेंस चीफ सीक्रेट दौरे पर यूएस पहुंचे, सऊदी अरब के अफसर भी मौजूद थे

तेल अवीव/वॉशिंगटन।
इजराइल की इंटेलिजेंस एजेंसी मोसाद के चीफ डेविन बार्निया ने पिछले हफ्ते वॉशिंगटन की सीक्रेट विजिट की थी। यह जानकारी खुद इजराइली मीडिया के हवाले से ही सामने आई है। माना जा रहा है कि वहां सऊदी अरब के टॉप ऑफिशियल्स भी मौजूद थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक- वॉशिंगटन में अमेरिकी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जैक सुलिवन और मोसाद चीफ के बीच लंबी बातचीत हुई। इस बातचीत में सिर्फ यह डिस्कस किया गया कि सऊदी अरब और इजराइल के डिप्लोमैटिक रिलेशन कैसे और कितने जल्द शुरू कराए जा सकते हैं।

अमेरिकी एनएसए अचानक सऊदी गए थे

27 जुलाई को एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन अचानक सऊदी अरब पहुंचे हैं। उन्होंने राजधानी रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की है। दोनों के बीच चार राउंड बातचीत हुई। इस मीटिंग में सऊदी के तमाम टॉप ऑफिशियल्स भी मौजूद थे।

इस मीटिंग का सिर्फ एक एजेंडा था कि सऊदी अरब को अब्राहम अकॉर्ड में शामिल किया जाए। इसी अकॉर्ड के तहत यूएई और बहरीन समेत चार गल्फ कंट्रीज ने इजराइल को मान्यता दी थी और अब इन देशों को इजराइल की तरफ से बेहतरीन टेक्नोलॉजी और हथियार तक मिल रहे हैं। इजराइल और इन देशों के बीच ट्रेड रिलेशन भी काफी मजबूत हुए हैं। बहरहाल, मोसाद चीफ और अमेरिकी एनएसए की मीटिंग में बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन के मिडिल ईस्ट ऐंबैस्डर ब्रेट मैक्गुर्क और दूसरे तमाम आला अफसर मौजूद थे। बाद में चीफ विलियम बर्न्स भी इस मीटिंग में शामिल हुए। बाद में व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा- हम चाहते हैं कि सऊदी अरब इजराइल को मान्यता दे। इसके लिए हर मुमकिन कोशिश जारी है। प्रेसिडेंट बाइडेन भी यही बात कह चुके हैं। इजराइल के लिए सऊदी और सऊदी के लिए इजराइल अब जरूरी हो चुके हैं।

सिलेबस से इजराइल विरोधी बातें हटाईं

रिपोर्ट्स के मुताबिक- सऊदी स्कूल और कॉलेजों

के सिलेबस में अब इजराइल या यहूदी विरोधी बातें नहीं होंगी। सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के आदेश पर यह फैसला अमल में लाया गया है। हालांकि, सऊदी और इजराइल की सरकारें इस मसले पर ऑफिशियली कुछ भी बोलने से परहेज कर रही हैं।

अरब देशों पर नजर रखने वाली वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक- प्रिंस सलमान ने दो साल पहले ही देश के तमाम स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के सिलेबस से कट्टरपंथी बातें हटाने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा था कि इस मामले में रिफॉर्म बेहद जरूरी हैं।

करीब दो साल से सभी तरह के सिलेबस में इजराइल और यहूदी विरोधी बातों को हटाया जा रहा था। यहूदियों को इन किताबों में मंकी और पिग्स तक बताया गया है। इसके अलावा यहूदी महिलाओं के बारे में भी आपत्तिजनक बातें थीं। अब ये हटाई जा चुकी हैं।

इन किताबों में इजराइल को साजिश करने वाला देश बताया जाता था। इनमें कहा गया था कि इजराइल मिलिट्री पॉवर और टेक्नोलॉजी के दम पर इजिप्ट की नील नदी से इराक तक कब्जा चाहता है।

इजराइल को मान्यता भी देगा सऊदी

मीडिया में खबरें आती रही हैं कि गल्फ कंट्रीज की सबसे बड़ी ताकत सऊदी अरब जल्द इजराइल को मान्यता दे सकता है। कुछ वक्त पहले यूएन में सऊदी के परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव अब्दुल्ला अल मोआलिमिनी ने साफ तौर पर इसका जिक्र किया था। ये तय है कि सऊदी अरब और इजराइल के बीच बैकडोर डिप्लोमैसी चल रही है। पिछले महीने इजराइली मीडिया में कई खास रिपोर्ट्स आईं थीं। इनमें दावा किया गया था कि अमेरिका के 20 यहूदी नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब पहुंचा और उसने कई दिन तक यहां के सीनियर अफसरों से बातचीत की। इसके पहले भी इजराइल और अमेरिकी नेताओं के सीक्रेट रियाद दौरे होते रहे हैं। सभी का मकसद एक ही था कि रियाद और तेल अवीव के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कराए जाएं। इसके अलावा, पिछले महीने अमेरिका ने पहली बार खुलकर कहा है कि वो इजराइल और सऊदी अरब में नॉर्मल रिलेशनशिप चाहता है। ब्लिंकन ने कहा- अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है कि इजराइल और सऊदी अरब के बीच नॉर्मल रिलेशन हों। ब्लिंकन के मुताबिक- अमेरिका को इससे काफी फायदा है। लिहाजा, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन इस मकसद को पूरा करने के लिए तमाम कोशिशें कर रहा है। हालांकि, ये भी सच है कि टारगेट को हासिल करने में कुछ वक्त और लगेगा।

अब्राहम अकॉर्ड पर एक नजर

अमेरिकी फॉरेन सेक्रेटरी ने भरोसा दिलाया था कि इजराइल और सऊदी के डिप्लोमैटिक रिलेशन शुरू कराने के प्रोसेस में फिलिस्तीन के मुद्दों और हितों को ध्यान में रखा जाएगा। इजराइल-सऊदी मामलों के एक्सपर्ट सलाम सेजवानी ने कहा- सितंबर 2020 में अमेरिका ने अब्राहम अकॉर्ड कराया था। ये बहुत बड़ी कामयाबी थी। अब्राहम अकॉर्ड के वक्त डोनाल्ड ट्रम्प प्रेसिडेंट थे। उस वक्त यूएई, बहरीन, मोरक्को और सूडान ने इजराइल को मान्यता दी। इजराइल और यूएई के बीच डिफेंस और ट्रेड रिलेशन बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि ग्रुप में सऊदी अरब भी शामिल हो। फिलहाल, इस ग्रुप में यूएई, इजराइल और इंडिया हैं। इन्हीं देशों के नाम का पहला अल्फाबेट लेकर ग्रुप का नाम बना है। पिछले दिनों इजराइल के विदेश मंत्री ने एली कोहेन ने कहा था- बहुत मुमकिन है कि 6 महीने में इजराइल और सऊदी अरब के डिप्लोमैटिक रिलेशन बहाल हो जाएं।

नूंह हिंसा को लेकर अमेरिका ने जारी किया बयान, कहा- हिंसा से बचें सभी पक्ष, शांति बनाए रखें

वाशिंगटन ।
नूंह में शोभायात्रा पर हुए हमले के बाद भड़की हिंसा की आग पूरे दक्षिण हरियाणा में फैल गई। गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में सरकार ने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं शनिवार तक के लिए निलंबित कर दी हैं। इस बीच, अमेरिका के विदेश विभाग ने शांति का आह्वान और पार्टियों से हिंसा से दूर रहने का आग्रह किया।

अमेरिकी प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हमेशा की तरह हम अब भी शांति बनाए रखने की अपील करते हैं। वहीं, उन्होंने पार्टियों से हिंसक कार्रवाइयों से दूर रहने का आग्रह किया। मिलर ने आगे कहा कि हमें इस बारे में नहीं पता था। अमेरिका के लोगों से सुनने में आया। फिर दूतावास से संपर्क किया है।

यह है मामला- नूंह में सोमवार दोपहर जिले से गुजर रही शोभायात्रा के दौरान भड़की हिंसा पूरे दक्षिण हरियाणा में फैल गई। दंगे में अब तक 6 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो होमगार्ड व चार आम नागरिक हैं। वहीं, लगभग 20 पुलिसकर्मियों सहित दर्जनों लोग हिंसा की चपेट में आ गए हैं।

सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने हिंसा में हुए नुकसान की वसूली उपद्रवियों से ही करने का एलान किया। सरकार ने शांति और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए, नूंह, फरीदाबाद और पलवल जिलों के अधिकार क्षेत्र में और गुरुग्राम जिले के सोहना, पटौदी और मानेसर उप-मंडलों के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 5 अगस्त तक निलंबित कर दी हैं। हरियाणा के गृह सचिव द्वारा पारित आदेश में कहा गया है कि इन जिलों में हालात गंभीर और तनावपूर्ण बने हुए हैं।

मोनू मानेसर की भूमिका की भी होगी जांच-दंगे में मोनू मानेसर की भूमिका को लेकर उठने वाले सवाल पर पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल ने मामले की जांच के लिए अलग से एसआईटी गठित करने की बात कही है। नूंह में निकलने वाली शोभायात्रा से पहले सोशल मीडिया पर मोनू मानेसर का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उसने लोगों से शोभायात्रा में पहुंचने की बात कही थी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मोनू मानेसर का वीडियो वायरल होने और फिर इंटरनेट पर उसे डिलीट करने के मामले के बाद हालात बिगड़े, यह जांच का विषय है। इसकी जांच एसआईटी करेगी और जिन लोगों की मिलीभगत होगी, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

भारत-पाकिस्तान में सीधी बातचीत चाहता है अमेरिका

शाहबाज के बयान का समर्थन किया; पाक पीएम ने कहा था- हम पड़ोसी से बात करने को तैयार

वॉशिंगटन।
अमेरिका एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत शुरू करवाना चाहता है। दरअसल, 2 दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा था कि वो भारत से बातचीत के लिए तैयार हैं।

इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा- हम लंबे समय से जरूरी मुद्दों पर भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के समर्थक रहे हैं। हम हमेशा से यही चाहते आए हैं।

पाकिस्तान को लेकर भारत ने अपना पक्ष हमेशा साफ रखा है। भारत ने हर बार यही कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तभी मुमकिन है जब वो आतंकियों को पनाह देना बंद करेगा। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा था कि वो भारत से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। शरीफ ने कहा था- हम अपने उस पड़ोसी से भी बातचीत करना चाहते हैं, जिसके साथ हमने तीन जंग लड़ीं। जरूरी ये है कि गंभीर मुद्दों पर सामने वाला भी उतनी ही गंभीरता से बातचीत करे। शाहबाज ने कहा था- जंग से किसी मसले का हल नहीं निकल सकता। दोनों मुल्क एटमी ताकत हैं।

अगर ऐसी कोई जंग हुई तो ये बताने के लिए कोई नहीं बचेगा कि आखिर हुआ क्या था। हम अपने हर पड़ोसी के साथ चर्चा करने चाहते हैं। पाकिस्तान कभी किसी के

खिलाफ किसी गलत चीज या साजिश को बढ़ावा नहीं देता है।

दूसरी तरफ, पाकिस्तान की उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी ने भारत पर पड़ोसी देशों की तरफ युद्ध वाला रवैया अपनाने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान गवर्नेंस फोरम 2023 को संबोधित करते हुए रब्बानी ने भारत को पश्चिमी देशों का चहेता भी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत ने पश्चिमी देशों का खास बने रहने का फैसला किया है, लेकिन वो अपने पड़ोसी देशों को लेकर बहुत आक्रामक रहता है। इससे पहले मार्च में शाहबाज ने भारत से बातचीत की गुहार लगाई थी और सिर्फ दो दिन बाद आर्टिकल 370 का बहाना लेकर पलट भी गए थे। भारतीय लीडरशिप और प्रधानमंत्री मोदी को मेरा संदेश है कि आइए एक टेबल पर बैठते हैं और कश्मीर समेत तमाम मसलों पर बात करते हैं।

युवक ने किशोरी को शराब पीने के लिए बुलाया था घर चाकू की नोंक पर बनाया बंधक,14 साल किया दुष्कर्म

रूस।
रूस से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने मानवता की सारी हदें पार कर दी हैं। दरअसल, यहां एक आदमी ने करीब 14 साल तक एक बच्ची को अपनी कैद में रखा और उसको अपनी हैवानियत का शिकार बनाया।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी रूस के चेल्याबिंस्क में एक लड़की को 14 साल तक सेक्स स्लेव के रूप में रखने के आरोप में 51 वर्षीय व्लादिमीर चेस्किडोव को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि स्मोलेनो गांव स्थित आरोपी के घर से महिला हाल ही में भाग निकली और पुलिस के पास पहुंची। बताया जा रहा है कि आरोपी की मां ने महिला की भागने में मदद की।

महिला, जो अब 33 वर्ष की है, उसने बताया कि एक बस अड्डे पर चेस्किडोव से मिली थी। इस दौरान दोनों में बातचीत हुई और घर पर पार्टी करने का प्लान बना। साल 2009 में एक दिन आरोपी ने उसे शराब पीने के लिए अपने घर बुलाया। जब वह घर पहुंची तो आरोपी ने कथित तौर पर चाकू निकाल लिया और उसे अपना बंधक बना

लिया।

बेरहमी से पीटा- पीड़िता ने कहा कि इस दौरान एक हजार से अधिक बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, छोटी-छोटी बातों पर उसे बार-बार प्रताड़ित किया जाता था। उसे सिर्फ चाकू की नोक पर घर के काम करने के लिए बेडरूम से बाहर जाने की इजाजत थी। आरोपी छोटी-छोटी बात पर बेरहमी से पीटता था। जांच अधिकारियों ने बताया कि आरोपी मानसिक बीमारी से पीड़ित है और उसकी हालत बिगड़ने के बाद उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जिससे महिला को घर से भागने का मौका मिल गया।

महिला ने बताया कि चेस्किडोव साल 2011 में ओक्साना नाम की एक महिला को घर पर लाया था, जिससे उसका झगड़े हो गया और उसने गुस्से में उसपर कई बार चाकू से हमला कर दिया। इतना ही नहीं ओक्साना की कील ठोककर हत्या कर दी। महिला ने कहा कि बाद में शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे मजबूर किया। पीड़िता की शिकायत पर जब पुलिस ने तलाशी ली तो सेक्स टॉयज और अश्लील वीडियो मिले। इसके अलावा, घर के तहखाने में मानव अवशेष पाए गए।

आरोपी ने बताई नई कहानी- चेस्किडोव के खिलाफ हत्या, दुष्कर्म और अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। वहीं, आरोपी की मां वेलेंटीना को भी महिला के अपहरण में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं, पूछताछ के दौरान चेस्किडोव ने सभी आरोपों को झूठा बताया है। उसने दावा किया कि वह और महिला एक-दूसरे से प्यार करते हैं, इसलिए साथ में रह रहे थे।

नॉर्थ कोरिया ने माना- हिरासत में है अमेरिकी सैनिक

अब वापसी के लिए यूएन कर रहा कोशिश; किम जोंग अमेरिका से बातचीत को तैयार नहीं

प्योंगयांग।
अमेरिकी सैनिक के साउथ कोरिया से बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया जाने पर पहली बार तानाशाह किम के देश की प्रतिक्रिया सामने आई है। नॉर्थ कोरिया ने सैनिक ट्रैविस किंग की कस्टडी की बात स्वीकार कर ली है। यूएन कमांड ने सैनिक को वापस लाने के लिए मामले की गंभीरता को देखते हुए और जानकारी देने से इनकार कर दिया। हालांकि, नॉर्थ कोरिया के इस रिएक्शन के बाद उम्मीद की जा रही है कि वो मामले में बातचीत के लिए तैयार हो सकता है।

ट्रैविस 18 जुलाई को बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया चला गया था। यहां उसे तानाशाह किम जोंग उन के अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैविस किंग नाम का ये सैनिक साउथ कोरिया में भी मारपीट के आरोपों के चलते 2 महीने जेल में काट चुका था। उसे जल्द ही अमेरिका वापस भेजा जाना था।

ट्रैविस नॉर्थ कोरिया में बिना इजाजत दाखिल हुआ था। यूएन कमांड के मुताबिक जब ट्रैविस नॉर्थ कोरिया में घुसा तो वो साउथ कोरिया की एक टीम के साथ जॉइंट सिक्योरिटी एरिया के टूर पर पानमुनजोम गांव में था। ये वहीं गांव है जहां कोरिया में हुई जंग के बाद युद्ध विराम हुआ था। इसके बाद अमेरिका ने मामले में नॉर्थ कोरिया से बातचीत की भी कोशिश की, लेकिन वो इसके लिए तैयार नहीं हुए।

ट्रैविस पर लगा था 3 लाख का जुर्माना- रिपोर्ट में बताया गया है कि ट्रैविस किंग ने सितंबर में नाइट क्लब में एक युवक के साथ मारपीट की थी। उसने पुलिस की कार के साथ तोड़-फोड़ की और उनके खिलाफ भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस मामले में उस पर 3,950 डॉलर, यानी 3 लाख रुपए का जुर्माना लगा था। दो महीने की

सजा के बाद उसे 10 जुलाई को रिहा किया गया था। ट्रैविस को सेना की निगरानी में भी रखा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब उसे वापस अमेरिका भेजने के लिए एयरपोर्ट ले जाया गया तो उसने कहा कि उसका पासपोर्ट खो गया है। इसके बाद वो उस टीम शामिल हो गया जो साउथ-कोरिया और नॉर्थ कोरिया के बॉर्डर का टूर करने जा रही थी। एक चश्मदीद ने बताया कि वो बॉर्डर क्रॉस करने के बाद जोर-जोर से हंसा था। वहीं, एक दूसरे चश्मदीद ने कहा कि जब उसने ट्रैविस को बॉर्डर क्रॉस करते देखा तो उसे लगा वो कोई टिकटॉक वीडियो बनाने के लिए ऐसी बेतुकी हरकत कर रहा है।

पहले भी बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया भाग चुके अमेरिकी-1950 से 1953 तक एक-दूसरे के खिलाफ जंग लड़ चुके अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच संबंध अच्छे नहीं है। अमेरिका नॉर्थ कोरिया पर कई तरह की पाबंदियां लगा चुका है। ऐसे में किसी अमेरिकी सैनिक का बॉर्डर पार कर नॉर्थ कोरिया जाना बड़ी घटना है। हालांकि, ये पहला मौका नहीं है जब कोई अमेरिकी भागकर नॉर्थ कोरिया चला गया हो। 1965 में अमेरिकी सार्जेंट चार्ल्स रोबर्ट जेनकिंस वियतनाम जंग में हिस्सा लेने से बचने के लिए नॉर्थ कोरिया भाग गए थे। इसके बाद उन्हें पूरे 39 साल बाद 2004 में नॉर्थ कोरिया से लौटने की इजाजत मिली थी। जापान लौटने के बाद उन्होंने बताया था कि उन्होंने नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को इंग्लिश पढ़ाई थी। 2009 में लॉस एंजिल्स का एक मिशनरी रॉबर्ट पार्क चीन की तरफ से क्रिसमस के दिन नॉर्थ कोरिया में घुस गया। इस दौरान उसने हाथ में बाइबिल पकड़ी थी और वो चिल्ला-चिल्ला कर जीजस लव्स नॉर्थ कोरिया कह रहा था। रॉबर्ट पार्क को नॉर्थ कोरिया ने 43 दिन तक हिरासत में रखने के बाद देश से निकाल दिया। वहीं, 2013 में यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया की एक छात्रा मेरिल एडवर्ड न्यूमैन नॉर्थ कोरिया चली गई थी। जहां उसे पोस्टर चुराने के आरोप में 15 साल की सजा दी गई थी। हालांकि, 2017 में 17 महीने की जेल की बाद उसे छुड़ा लिया गया था। अमेरिका लौटने के कुछ ही दिनों बाद उसकी मौत हो गई।

जो सरकार बच्चियों और नारी की सुरक्षा नहीं कर सकती वह आमजन की सुरक्षा कैसे करेगी : सीपी जोशी

श्रीगंगानगर (हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भीलवाड़ा की कोटडी तहसील में 15 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसे भट्टी में जला देने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए कहा कि यह घटना सबको हिला देने वाली है। देशभर में ऐसी घटना कहीं नहीं हुई होगी, राजस्थान इस प्रकार की घटनाओं से कलंकित हो रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को शर्म के मारे इस्तीफा दे देना चाहिए, उनसे गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा तो इस प्रकार कुर्सी से क्यों चिपके हुए है। जो सरकार बच्चियों और नारी की सुरक्षा नहीं कर सकती वह आमजन की सुरक्षा कैसे करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी गुरुवार को श्रीगंगानगर दौरे पर है। उन्होंने कहा कि बच्ची के परिवार वाले जब पुलिस के पास मदद मांगने गए तो मदद के बजाए उलटे सीधे सवाल पूछकर उन्हें परेशान किया गया। लेकिन जब परिवार गांव वालों की मदद से बच्ची की तलाश करता है तो कोयले की पांच गैरकानूनी भट्टियों में से एक भट्टी जलती हुई दिखाई दी, जिसमें तलाश करने पर बच्ची का हाथ और कड़ा निकलता है। इस पूरे मामले में कोताही बरतने वालों को तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा प्रदेश में एक के बाद ऐसी शर्मनाक घटनाएं हो रही है, यह वही भीलवाड़ा है जहां कुछ दिनों पहले एक बच्ची की बोटल में पेशाब डालने की घटना हुई, इस पर जब लोगों ने

आक्रोश जताया तो उनपर लाठियां भाजी गई, बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई, यहां पर बच्चीयों और बेटियों को स्टाम्प पर बेच दिया जाता है। जो सरकार नारी और बच्चियों की सुरक्षा नहीं कर सकती वह आमजन की सुरक्षा कैसे कर पाएगी। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने इस मामले की तथ्यात्मक जांच के लिए तीन सदस्यीय प्रदेश स्तरीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपेगी। समिति में विधायक अनिता भदेल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी और पूर्व विधायक अतरसिंह भड़ाणा को शामिल किया गया है।

मुठभेड़ के बाद तस्कर गिरफ्तार, हथियार व हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर में देर रात पुलिस व तस्कर के बीच मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से अवैध हथियार व सात करोड़ मूल्य की हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार अमृतसर स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि तस्कर गुरलाल सिंह अपनी थार में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ लेकर तरनतारन से अमृतसर की तरफ आ रहा है। स्थानीय पुलिस की तरफ से टी प्वाइंट सुखेवाल पर नाका लगा लिया। आरोपी नाके पर पहुंचा तो उसने रुकने की बजाए पुलिस पर फायरिंग कर दी और नाका तोड़कर अमृतसर की ओर भाग गया। पुलिस और तस्कर के बीच गोलियां चली। एक गोली गाड़ी की टायर पर लगी। टायर पंक्चर होने के बाद कार की रफ्तार धीमी हो गई, लेकिन तस्कर तब तक कार को भगाता रहा, जब तक उसके पंक्चर वाला टायर उतर नहीं गया।

यूके के पंजाबी सांसद को अमृतसर हवाई अड्डे पर रोका, दो घंटे पूछताछ

चंडीगढ़ (हिंस)। यूके में सिख सांसद तनमनजीत सिंह ढेसी को गुरुवार की सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर रोककर करीब दो घंटे पूछताछ हुई है। वह एयर इंडिया की फ्लाइट में बर्मिंघम से अमृतसर पहुंचे थे। अमृतसर एयरपोर्ट से चेक-आउट करते ही इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया। पंजाबी मूल के ढेसी वर्ष 2017 से यूके की संसद में सांसद हैं। वह अक्सर पंजाब आते रहते हैं। वह गुरुवार की सुबह अमृतसर पहुंचे, तो उनके पास पर्याप्त दस्तावेज नहीं थे। उनके पास ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया कार्ड नहीं था, जिसके बाद उन्हें अमृतसर एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें दस्तावेज पूरे करने के लिए कहा। तकरीबन दो घंटे के अंतराल के बाद उन्होंने अपने दस्तावेज पूरे कर लिए और उन्हें एयरपोर्ट से बाहर जाने दिया गया।

सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध प्रवेश व अवांछनीय गतिविधियों पर रोक

बीकानेर (हिंस)। जिले में सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध प्रवेश व अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के आदेश आगामी दो माह तक ब ?ाए हैं। आदेशानुसार जिले से लगने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तस्करों, घुसपैठियों व अन्य असामाजिक तत्वों के अवैध प्रवेश व अन्य अवांछनीय गतिविधियों की आशंका तथा जिले की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट विभिन्न स्थानों में स्थित पीसीओ के माध्यम से आपराधिक व अवांछनीय गतिविधियों में लिप्त व्यक्ति इन केंद्रों पर जाकर दूरसंचार के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचनाएं उन लोगों को भेजे जाने की भी आशंका है, जो भूमिगत होकर देश व राज्य की सुरक्षा व लोक व्यवस्था के संधारण में प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके साथ ही सीमा के नजदीक पाकिस्तानी इलाके में लगे मोबाइल टावरों का नेटवर्क भारतीय सीमा के अन्दर 3-4 किलोमीटर तक आने के कारण भी राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए पाकिस्तानी लोकल सिम का उपयोग करने या पीसीओ से संपर्क या सूचना देने आदि तथा रात्रिकालीन विचरण पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई गई है। जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा से लगते दो किलोमीटर क्षेत्र में रहने वाले निवासियों एवं उस क्षेत्र में प्रवेश व विचरण करने वाले निवासियों को निर्देशित किया गया है कि इस क्षेत्र के समस्त क्षेत्र जिसमें तहसील पूगल, खाजूवाला एवं बज्जू के ग्राम बल्लर, गुलामअलीवाला, सियासर चौगान, बेरियांवाली, करमवाला, गज्जेवाला, रणजीतपुरा, सांचू, अन्नेवाला, कबरेवाला, भूरासर व मगनवाला में रात्रि 7 बजे से प्रातः 6 बजे तक बिना वैध अनुमति के गमनागमन, विचरण व अन्य गतिविधियां पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगी। इस क्षेत्र में आवश्यक कार्यों हेतु वैध अनुमति समीपस्थ बीएसएफ व बीओपी से प्राप्त की जा सकेगी। इसका उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता व प्रक्रिया के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रभावित जिलों में तीन घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएं बहाल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली जा रही पीएमटी परीक्षाओं को देखते हुए गुरुवार को हिंसा प्रभावित जिलों में तीन घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएं बहाल की गई। इसके बाद फिर से इंटरनेट ब्लाक कर दिया गया। हरियाणा में 5 और 6 अगस्त को 32 हजार पदों को लेकर होने वाले पीएमटी परीक्षा के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट को देखते हुए सरकार ने यह फैसला किया। इंटरनेट बंद होने के कारण अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में दिक्कत आ रही थी। गृह विभाग ने गुरुवार को आपात बैठक के बाद एडीजीपी-सीआईडी की अनुशंसा पर सीईटी स्क्रीनिंग टेस्ट (ग्रुप सी) के उम्मीदवारों के लिए नूंह, फरीदाबाद, पलवल और अन्य जिलों में दोपहर एक बजे से चार बजे तक इंटरनेट सेवाओं को बहाल किया।

टिकट के दावेदारों ने स्वागत के बहाने किया शक्ति-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर (हिंस)। विधानसभा चुनाव को लेकर जिले में अब चुनावी माहौल बनना शुरू हो गया है। श्रीगंगानगर में पहली बार दौरे पर आए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के स्वागत के बहाने टिकट के दावेदारों ने शक्ति प्रदर्शन किया। इनमें मुख्य रूप से उपसभापति लोकेश मनचंदा, नगर परिषद में नेता प्रतिपक्ष बबीता गौड़, यूआईटी के पूर्व चेयरमैन संजय महीपाल, जयदीप बिहाणी, महेश पेड़ीवाल, संजय मूंदड़ा व भाजपा नेत्री विनीता आहुजा आदि शामिल थे। प्रदेशाध्यक्ष जोशी का काफिला गुरुवार सुबह दस बजे सर्किट हाउस से जैसे ही रवाना हुआ तो स्वागत करने की होड़ मच गई। शहर में करीब नौ स्थानों पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान श्रीगंगानगर सांसद निहालचंद, संभाग प्रभारी व नागौर सांसद सीआर चौधरी व भाजपा जिला अध्यक्ष शरणपाल सिंह साथ थे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने गुरुवार दोपहर को श्रीगंगानगर के पदमपुर रोड़ स्थित ग्रीन वैली रिजॉर्ट में जिला कार्यसमिति

की बैठक को संबोधित किया। बैठक के बाद जोशी ने रायसिंहनगर के गांव 74 एनपी के लिए प्रस्थान किया, जहां बीकानेर में पीएम की सभा में जाते समय हुई दुर्घटना में जान गंवाने वाले भाजपा कार्यकर्ता विजयपाल के निवास पर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद वे बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा व डाबला के बिश्नोई मंदिर में दर्शन कर शाम को सादुलशहर विधानसभा के गांव लालगढ़ पहुंचें। यहां की धान मंडी में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों और किसानों को संबोधित किया। इसके बाद वे सीधे श्रीगंगानगर पहुंचे। शुक्रवार को सुबह 8.30 बजे वे हनुमानगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे।

पहली बार विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री को देना बीजेपी की हताशा का प्रमाण है : आप

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने बीजेपी द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी को राजस्थान की जिम्मेदारी दिए जाने के फैसले पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पहली बार विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री को देने के फैसले से यह साफ हो गया है कि बीजेपी को राजस्थान में अपनी हार साफ नजर आ रही है। बीजेपी आलाकमान ने राजस्थान की जिम्मेदारी सीधे तौर पर पीएम मोदी को देने का फैसला किया है। पालीवाल ने कहा कि बीजेपी चाहें जितनी भी कोशिशें कर ले लेकिन इस बार राजस्थान से बीजेपी का *सियासी द एंड* निश्चित है। नवीन पालीवाल ने कहा कि पिछले नौ महीने में पीएम मोदी ने राजस्थान के आठ दौरे करे तो वहीं अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल समेत

तमाम नेता राजस्थान की जनता की नब्ज टटोल चुके हैं। इतने दौरों के बाद जब बीजेपी को अपनी सियासी उम्मीदें टूटती नजर आईं तो अब उसने सीधे तौर पर पीएम मोदी को ही राजस्थान की जिम्मेदारी देने का फैसला किया जो उनकी हताशा का प्रतीक है। आप राजस्थान के अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी के खोखले वादे और लोगों को बांटने वाली राजनीति में अब जनता नहीं फंसने वाली। राजस्थान की जनता एक ऐसी पार्टी को राजस्थान में सत्ता की कुर्सी नहीं सौंप सकती जो जनता की सुरक्षा करने में विफल हो। पालीवाल ने कहा कि अगर राजस्थान में बीजेपी के विधायकों ने जनता के बीच रहकर काम किया होता और उनके 24 सांसदों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारी सही से निभाई होती तो पीएम मोदी को खुद चुनावी कमान नहीं संभालनी पड़ती। यह इस बात का प्रमाण है कि बीजेपी आलाकमान को राजस्थान में बीजेपी की हार नजर आ रही है।

सुनारिया जेल में बंदी की मौत पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग सख्त

चंडीगढ़ (हिंस)। सुनारिया जेल में बंद चरखी दादरी के गांव कन्हेटी निवासी 50 वर्षीय जोगेंद्र उर्फ बल्लू की मौत पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने सख्ती दिखाते हुए सुनारिया जेल प्रशासन से जवाब मांगा है। लेन-देन के विवाद में जोगेंद्र उर्फ बल्लू को 25 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। जेल में जोगेंद्र उर्फ बल्लू की तबीयत बिगड़ने पर गंभीर हालत में पीजीआई में दाखिल कराय गया, जहां चिकित्सकों से उसको मृत घोषित कर दिया। परिजनों के आरोप पर हरियाणा मानव अधिकार आयोग के चेयरमेन (कार्यकारी) दीप भाटिया ने सू-मोटो एक्शन लेते हुए चंडीगढ़ में 16 अगस्त 2023 को सुनवाई तय की है।

हिंदू समाज ने की नूंह घटना की सीबीआई से जांच कराने की मांग

पलवल (हिंस)। नूंह में विश्व हिंदू परिषद द्वारा निकाली जा रही जलाभिषेक यात्रा पर गत सोमवार को उपद्रवियों द्वारा सुनियोजित तरीके से हमला किया गया था। हथीन में हिंदू समाज के लोगों ने कड़े शब्दों में इसकी निंदा करते हुए घटना की जांच एनआईए अथवा सीबीआई से करवाए जाने की मांग की है। गुरूवार को हथीन के लाल दास मंदिर में हिंदू समाज के लोगों ने एक आपातकालीन बैठक का आयोजन किया, जिसमें शहर के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। बैठक की सूचना मिलने पर एसीपी अमित यशवर्धन व डीएसपी सुरेश कुमार भड़ाना भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने हिंदू समाज के लोगों को शहर में अमन शांति एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की और दुकानदारों से अपनी-अपनी दुकानें खोलने का आह्वान करते हुए उन्हें पूर्ण सुरक्षा देने का आश्व ासन दिया। बैठक में सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री के नाम एक सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

तैयार किया गया। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग की गई नूंह घटना में मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रूपए एवं घायलों को 20- 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए।

मेवात की घटना को लेकर हिंदू जागरण मंच ने किया प्रदर्शन

उधमपुर (हिंस)। हिंदू जागरण मंच उधमपुर द्वारा रोहित सेठी की अध्यक्षता में हरियाणा में हुई घटना के विरोध में धरना दिया एवं प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सेठी का कहना था कि हरियाणा का प्रशासन समय पर इस घटना को रोक नहीं पाया इसकी जितनी भी कड़ी की निंदा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से सुनियोजित ढंग से हिंदुओं व मंदिरों को निशाना बनाया गया वह यह दर्शाता है कि इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने हेतु कई दिनों से तैयारी की गई होगी। तभी तो इतने कम समय में इतने लोग इक्ट्ठे हो गए तथा उन्होंने यात्रा को निशाना बनाया, यहां तक की गोलियां भी चली। उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन्होंने भी भगवान शिव की शोभा यात्रा पर आक्रमण किया उन सभी के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी यात्राओं को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि दोबारा ऐसी घटना ना हो सके, जिससे आपसी भाईचारा व वातावरण खराब न हो सके।

बीएसएफ और पुलिस ने हथीन में किया मार्च

पलवल (हिंस)। नूंह जिले में सांप्रदायिक दंगे के बाद राज्य सरकार ने हथीन की सुरक्षा का जिम्मा एसीपी अमित यशवर्धन को सौंपा है। गुरुवार सुबह एसीपी अमित यशवर्धन व डीएसपी सुरेश कुमार भड़ाना ने बीएसएफ के जवानों के साथ हथीन के गहलब रोड से मेन बाजार एवं लालदास मंदिर तक पैदल मार्च किया। इस अवसर पर उनके साथ शहर पुलिस चौकी इंचार्ज शिवकुमार व एवीटी स्टाफ हथीन के इंचार्ज प्रदीप कुमार भी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से शांति बनाए रखने व अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

मणिपुर में लागू किया जाए राष्ट्रपति शासन

कांग्रेसियों ने प्रदर्शन कर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर (हिंस)। जिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मणिपुर और नूंह हिंसा, महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के विरोध में लघु सचिवालय के सामने गुरुवार को रादौर से कांग्रेस विधायक बिशन सिंह सैनी की अध्यक्षता में इकठ्ठे होकर प्रदर्शन किया और जिला उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता रमन त्यागी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज देश में हालात चिंताजनक हैं। देश की मां, बहन, बेटियां आज कहीं भी सुरक्षित नहीं है। कानून व्यवस्था का दिवाला पिट गया है और भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार सिर्फ वोट की राजनीति में यह सब करवा रही है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में 80 दिन से अधिक समय से हिंसा और हत्या का खेल खेला जा रहा है, जो कि भाजपा सरकार की एक सोची-समझी साजिश और वोटों के ध्रुवीकरण का हिस्सा है। मणिपुर में बिना किसी देरी के राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि वहां पर

हुई हिंसा पर प्रधानमंत्री की चुप्पी और संसद में बयान न देना इस ओर इशारा करता है कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इस तरह के दंगे भड़काए जाएं और वोटों का ध्रुवीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि इसी तरह नूंह में भी लोगों को लड़वाकर सत्ता हथियाने का इनका मकसद है।

लिपिकों ने भाजपा कार्यालय के बाहर थाली बजाकर किया प्रदर्शन

कैथल (हिंस)। गुरुवार को हड़ताल पर बैठे लिपिकों ने लघु सचिवालय से बीजेपी कार्यालय कपिल कमल तक थाली और चम्मच बजाकर जुलूस निकाला। लिपिकों ने भाजपा कार्यालय के बाहर ढोल, थाली और चम्मच बजाकर सरकार को जगाया। लघु सचिवालय में चल रही लिपिकों की हड़ताल गुरुवार को तीसवें दिन वह भूख हड़ताल 13वे दिन में प्रवेश कर गई। हड़ताली महिला लिपिकों ने पंजाबी लोक भाषा में बोलियां पाकर सरकार को कोसा। हड़ताली कर्मचारियों ने भूख हड़ताल पर बैठे लिपिकों को साथ लेकर सुबह 11 बजे लघु सचिवालय से प्रदर्शन शुरू किया। सभी लिपिक हाथ में थाली चम्मच बजाते हुए और अपनी मांगों के आंख में नारे लगाते हुए भाजपा कार्यालय कपिल कमल तक पहुंचे। लिपिक यूनियन के जिला प्रधान राजेंद्र ढुल ने कहा कि हम आज सरकार को थाली और चम्मच में जाकर जगा रहे हैं। शुक्रवार को सरकार का प्रदर्शन कर पुतला फूंका जाएगा। जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मानती। तब तक वे अपनी हड़ताल जारी रखेंगे और इस लड़ाई को जन आंदोलन बनाकर दम लेंगे। ताली बजाने का मकसद यही है कि सरकार जाग जाए और उनकी थालियों में उनका 35400 का हक डाल दे। कच्चे कर्मचारी भी आज उनसे अधिक वेतन ले रहे हैं। जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मानती वह इसी तरह हड़ताल पर बैठे रहेंगे। भाजपा कार्यालय से वापस प्रदर्शन कर लौटकर लिपिक दोबारा लघु सचिवालय में हड़ताल पर बैठ गए।

बर्खास्त एआईजी की हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हजारों करोड़ रुपये के ड्रग रैकेट मामले में बर्खास्त एआईजी राजजीत सिंह की जमानत याचिका को खारिज कर दी है। अब उन्हें पुलिस के समक्ष सरेंडर करना होगा। इससे पहले पंजाब

सरकार एआईजी राजजीत सिंह को नौकरी से बर्खास्त करके लुकआउट सर्कुलर जारी कर चुकी है। पंजाब पुलिस तथा विजिलेंस ब्यूरो की टीमें पहले ही राजजीत सिंह की तलाश कर रही है। राजजीत सिंह केस दर्ज होने के बाद से ही फरार है। विजिलेंस उसकी ड्रग्स से अर्जित संपत्ति का पता लगाने के प्रयास में भी जुटी है।

माइनिंग से जुड़े मामले में ईडी ने तीन स्थानों पर मारे छापे

हिसार (हिंस)। केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जिले में तीन स्थानों पर छापे मारे हैं। घर पर छापे के दौरान ईडी की टीम को परिजनों के विरोध का भी सामना करना पड़ा है। माना जा रहा है कि तोशाम के डाडम क्षेत्र में माइनिंग से जुड़ी जांच पड़ताल के चलते ये छापे मारे गए हैं। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी। जानकारी के अनुसार ईडी की टीमों ने गुरुवार सुबह एक साथ हिसार में वेदपाल तंवर व अर्बन एस्टेट में एडवोकेट वजीर कोहाड़ के आवास और हांसी में कांग्रेस नेता स्व. सुरेन्द्र मलिक के आवास पर छापे मारे। इस दौरान किसी को घरों के अंदर नहीं जाने दिया गया। वेदपाल तंवर तोशाम के रहने वाले हैं और मिर्चपुर कांड के बाद कुछ दलित परिवारों को अपने फार्म हाउस पर ठहराकर चर्चा में आए थे। छापे के दौरान वेदपाल तंवर की पत्नी घर से बाहर आईं और विरोध जताया। तंवर की पत्नी ने कहा कि सुबह आठ बजे से पूरे परिवार को

बैठाकर रखा है। उनके पति घर पर नहीं हैं, ये लोग बता भी नहीं रहे कि क्यों आए हैं, ये लोग असली हैं या नकली, हमें तो ये भी नहीं पता। सुरक्षा अधिकारियों ने घर की महिलाओं को मुश्किल से शांत किया। हंगामा देखकर सुरक्षाकर्मी उन्हें घर के अंदर ले गए। इसी दौरान वेदपाल तंवर के घर से नौकरानी बाहर निकलने लगी तो उसे भी सुरक्षा कर्मियों ने रोक दिया। इस पर वह झगड़ने लगी और कहा कि उसने कहा कि वो पूरा दिन यहां बैठी नहीं रहेगी। इसके बाद वह निकल गई। छापे के दौरान तोशाम से कुछ लोग तंवर को मिलने पहुंचे थे, उन्हें भी सुरक्षाकर्मियों ने अंदर नहीं घुसने दिया। ईडी अधिकारियों ने तंवर के पारिवारिक सदस्यों को फोन पर बातचीत करने से मना कर दिया। इसी तरह ईडी की एक टीम ने हांसी में कांग्रेस नेता स्व. सुरेन्द्र मलिक के आवास पर और हिसार के अर्बन एस्टेट में एडवोकेट वजीर कोहाड़ के आवास पर भी छापे मारे। तीनों स्थानों पर छापों के दौरान किसी को बाहर नहीं जाने दिया गया। तीनों के घरों पर सुबह से ही कार्रवाई चल रही है। कांग्रेसी नेता सुरेंद्र मलिक तोशाम की विधायक किरण चौधरी के नजदीकी हैं।

सरकार ने लैपटॉप-टैबलेट और पर्सनल-कंप्यूटर के इंपोर्ट पर रोक लगाई

मेक इन इंडिया प्रोग्राम और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली।
भारत सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट और पर्सनल कंप्यूटर के इंपोर्ट पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी है। किसी प्रोडक्ट के इंपोर्ट पर बैन लगाने का मतलब है कि विदेशों से उन प्रोडक्ट्स को लाने के लिए लाइसेंस या सरकार की अनुमति जरूरी होगी। फॉरेन ट्रेड पॉलिसी में बड़ा बदलाव करते हुए केंद्र सरकार ने यह अहम फैसला लिया है।

लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद–इससे सरकार के मेक इन इंडिया प्रोग्राम और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस फैसले से लोकल मैन्युफैक्चरर्स और ऐसी विदेशी कंपनियों को फायदा होगा, जो देश में लगातार प्रोडक्शन कर रहे हैं, लोकल सप्लाई को बढ़ावा दे रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं।

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने नोटिफिकेशन में कहा, आने वाले लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर और सर्वर का इंपोर्ट प्रतिबंधित होगा।

बैगेज रूल्स के तहत इंपोर्ट पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे–डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने नोटिफिकेशन में कहा कि बैगेज रूल्स के तहत इंपोर्ट पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। बैगेज नियम का मतलब है कि भारतीय सीमा में प्रवेश करने या बाहर जाने वाले हर पैसेंजर्स को सीमा शुल्क के तहत चेकिंग से गुजरना पड़ता है। यानी ऐसे पैसेंजर्स के लिए इंपोर्ट पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

मंत्रालय ने कहा कि एक लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर या अल्ट्रा स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर के इंपोर्ट के लिए इंपोर्ट लाइसेंसिंग रिक्वायरमेंट्स के तहत अनुमति दी जाएगी। जिसमें ई-कॉमर्स पोर्टल से पोस्ट या कूरियर के माध्यम से खरीदी गई वस्तुएं भी शामिल हैं। इंपोर्ट, लागू शुल्क के भुगतान के अधीन होगा।

20 आइटम्स के इंपोर्ट पर दी जाएगी छूट–रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टेस्टिंग, बेंचमार्किंग, इवैल्यूएशन, रिपेयरिंग एंड री-एक्सपोर्ट और प्रोडक्ट डेवलपमेंट उद्देश्यों के लिए हर कन्साइनमेंट्स में 20 ऐसे आइटम्स के लिए इंपोर्ट लाइसेंस से छूट भी दी जाएगी। इन इंपोर्ट्स को केवल इस आधार पर अनुमति दी जाएगी कि उनका उपयोग उक्त उद्देश्यों के लिए किया जाएगा और उन्हें बेचा नहीं जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि एक बार उद्देश्य पूरा हो जाने पर प्रोडक्ट्स को यूज से पहले नष्ट या फिर री-एक्सपोर्ट कर दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी ग्रुप ने किया सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण, 5000 करोड़ रुपए में हुई डील, कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशत तेजी

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट ने गुजरात की सीमेंट कंपनी सांघी का अधिग्रहण कर लिया है। इस डील की वैल्यू 5 हजार करोड़ रुपए है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक सांघी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के 14.66 करोड़ शेयरों का अधिग्रहण किया जाएगा, जो कुल शेयर होल्डिंग का 56.74 प्रतिशत है। सांघी इंडस्ट्रीज के माइनॉरिटी शेयरधारकों की 26प्रतिशत हिस्सेदारी या कंपनी के 6.71 करोड़ से ज्यादा शेयरों के लिए 114.22 रुपए प्रति शेयर पर ओपन ऑफर लाया जाएगा। इस खबर के बाद सांघी इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत भी बढ़ी है। ये 4.98प्रतिशत की तेजी के साथ 105.40 रुपए पर पहुंच गया है। अंबुजा सीमेंट और सांघी इंडस्ट्रीज के बीच हुई इस डील को लेकर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा कि इस अधिग्रहण के साथ ही हम साल 2028 तक अपनी सीमेंट क्षमता को दोगुनी कर लेंगे। अडाणी के मुताबिक, कंपनी सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग में 140 टारगेट हासिल करने की ओर बढ़ रही हैं। कंपनी का लक्ष्य है कि सांघी इंडस्ट्रीज को देश की सबसे कम लागत वाली क्लिंकर कंपनी बनाया जाए। सांघी सीमेंट, सांघी इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाला एक ब्रांड है, जिसकी शुरुआत 1985 में हुई थी। इसकी ग्राइंडिंग क्षमता 6.1 मिलियन मीट्रिक टन सालाना और क्लिंकर क्षमता 6.6 मिलियन मीट्रिक टन सालाना है। कंपनी के पास 130 मेगावाट कैप्टिव थर्मल पावर प्लांट, कैप्टिव खदानें, वॉटर डी-सेलिनेशन सुविधा और कच्छ, गुजरात में एक कैप्टिव बंदरगाह भी है जो 1 कार्गो को हैंडल करता है। अडाणी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे जारी किए। पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 18.29प्रतिशत बढ़कर 4729.71 करोड़ रुपए रहा है। हालांकि कंपनी का नेट प्रॉफिट 38.51प्रतिशत गिरा है, ये 1048.78 करोड़ रुपए से घटकर 644.88 करोड़ रुपए रहा है।

देश में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13 साल के उच्चतम स्तर पर, जुलाई में पीएमआई 62.3 पर पहुंचा

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में 13 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी क्योंकि मांग की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार और अंतरराष्ट्रीय बिक्री में तेजी से नये कारोबार और उत्पादन में सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स जून के 58.5 से बढ़कर जुलाई में 62.3 हो गया, जो जून 2010 के बाद से उत्पादन में सबसे तेज वृद्धि का संकेत है। लगातार 24वें महीने हेडलाइन आंकड़ा न्यूट्रल 50 की सीमा से ऊपर रहा। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का सूचकांक विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की सहायक निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र का लचीलापन भारत की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, जुलाई के पीएमआई परिणाम अब तक दूसरी वित्तीय तिमाही के लिए कुल जीडीपी में इस क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान की ओर इशारा करते हैं।

सोना-चांदी की कीमतों में गिरावटः सोना 59 हजार और चांदी 72 हजार पर आई, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 345 रुपए गिरकर 59,271 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,292 रुपए रह गई है। वेबसाइट के अनुसार चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ये 1,989 रुपए फिसलकर 72,284 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये 74,273 रुपए पर थी। पिछले महीने, यानी जुलाई में सोने में बढ़त देखने को मिली थी। जुलाई की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 जुलाई 59,567 रुपए पर पहुंच गया था। यानी इसके दाम में 1,428 रुपए की तेजी आई थी। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है। दो साल में यह 27 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न दे सकता है।

भारतीय बाजार में होने वाली है लंबी तेजी की शुरुआत

मॉर्गन स्टेनली ने भारत की रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट की, चीन की रेटिंग घटाई

नई दिल्ली।
ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने भारत के बाजार पर अपने आउटलुक को बढ़ाकर ओवरवेट कर दिया है, जबकि चीन पर आउटलुक डाउनग्रेड कर इक्वलवेट कर दिया है। स्टेनली का मानना है कि भारत में लंबी तेजी की शुरुआत होने वाली है, जबकि चीन की तेजी खत्म होने के करीब है।

मॉर्गन स्टेनली ने कहा भारत का भविष्य काफी हद तक चीन के अतीत जैसा दिखता है। ऐसा लगता है कि दशक के अंत में चीन का जीडीपी ग्रोथ रेट भारत के 6.5 प्रतिशत की तुलना में लगभग 3.9 प्रतिशत रहेगा। नोट में यह भी कहा गया है कि डेमोग्राफिक ट्रेंड भी भारत के फेवर में दिख रहा है, जबकि चीन में पिछले दशक की शुरुआत से कामकाजी उम्र की आबादी में गिरावट देखी गई है।

इससे 4 महीने पहले 31 मार्च को ब्रोकरेज फर्म ने भारत को अंडरवेट से इक्वलवेट में अपग्रेड किया था। मॉर्गन स्टेनली एक ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विस फर्म है, जिसका हेडक्वार्टर अमेरिका के न्यूयॉर्क में है। ये 40 से ज्यादा देशों में काम करती है, जिसके 80,000 से ज्यादा कर्मचारी है।

दुनिया की टॉप-3 इकोनॉमी में शामिल होगा भारत

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में रीडेवलप किए गए इंटरनेशनल एग्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर (आईईसीसी) का इनॉगरेशन करने के बाद कहा था, मेरे तीसरे टर्म में दुनिया की पहली तीन इकोनॉमीज में एक नाम भारत का होगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा था कि 2024 के बाद तीसरे टर्म में देश की विकास यात्रा तेजी से बढ़ेगी।

ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर भी आउटलुक घटाया

ब्रोकरेज फर्म ने चीन के अलावा ताइवान और ऑस्ट्रेलिया पर आउटलुक घटाया है। ताइवान को डाउनग्रेड कर इक्वलवेट कर दिया गया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया पर अंडरवेट का नजरिया दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के बाजारों में अर्निंग डाउनग्रेड साइकिल में हैं और वैल्युएशंस महंगे हैं। वहीं कोरिया पर ओवरवेट का आउटलुक बरकरार रका है।

भारत के ओवरवेट होने का क्या मतलब है

जब कोई रिसर्च फर्म किसी मार्केट को ओवरवेट कहती है तो इसका मतलब है कि ये मार्केट दूसरे बाजारों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करेगा। वहीं इक्वलवेट का मतलब है कि मार्केट का दूसरे बाजारों की तरह ही परफॉर्म करना। अंडरवेट का मतलब है कि बाजार का दूसरों से पिछड़ना।

दिसंबर तक सेंसेक्स 68,500 पहुंच सकता है

मॉर्गन स्टेनली कहा कि भारत अब उभरते बाजारों के बीच टॉप रैंक वाला, सबसे पसंदीदा बाजार है। उसे उम्मीद है कि दिसंबर तक सेंसेक्स 68,500 के स्तर तक पहुंच जाएगा। हालांकि, ये टारगेट तभी पूरा होगा जब कमोडिटी प्राइस में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी न हो और अमेरिका में मंदी न आए।

अभी सेंसेक्स 65,500 के करीब है। यानी 4 महीने में इसमें 3,000 अंकों की तेजी आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर 2022 के मुकाबले भारतीय बाजारों के वैल्युएशंस बहुत ज्यादा नहीं हैं। 2022 में ब्रोकरेज फर्म ने कहा था कि भारतीय बाजार में बुल रन की शुरुआत हो रही है।

मॉर्गन स्टेनली के रेटिंग बढ़ाने के 4 कारण

- पिछले कुछ सालों में स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स हुए हैं जो अब फल देने लगे हैं।
- स्टेनली के अनुसार विकास के वो अवसर खुल गए है जो पहले स्थिर थे
- कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती और पीएलआई जैसे सप्लाई साइड पॉलिसी रिफॉर्म्स।
- इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी के साथ इकोनॉमी का रेगुलेशन और फॉर्मलाइजेशन।

भारतीय बाजार के लिए 2 डाउनसाइड रिस्क

- महंगाई का बढ़ना और इसे कंट्रोल में लाने के लिए रेपो रेट में बढ़ोतरी
- एआई का भारत के सर्विस एक्सपोर्ट और लेबर फोर्स पर बड़ा असर होना

एशियाई देशों में प्रमुख लीडर होगा भारत

इससे पहले जून में मॉर्गन स्टेनली ने अपनी इंडिया इक्विटी स्ट्रैटजी एंड इकोनॉमिक्सः हाउ इंडिया हैज ट्रांसफॉर्म्ड इन लेस देन अ डिकेड, नाम की रिपोर्ट में कहा था कि भारत आने वाले समय में एशियाई देशों में प्रमुख लीडर के रूप में उभरेगा।

टाटा पंच सीएनजी की प्री-बुकिंग शुरू

ट्विन सिलेंडर वाली पहली माइक्रो एसयूवी जल्द लॉन्च होगी, हुंडई एक्स्टर से होगा मुकाबला

नई दिल्ली।
टाटा मोटर्स मचअवेटेड ट्विन सिलेंडर वाली पंच सीएनजी को जल्द ही लॉन्च कर सकती है। एचटी ऑटो की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स डीलरशिप ने पंच सीएनजी वैरिएंट के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी है।

बायर्स 21 हजार रुपए की टोकन मनी देकर कार को बुक कर सकते हैं। पंच सीएनजी मॉडल को 2023 ऑटो एक्सपो में अनवील किया गया था। लॉन्च होने के बाद ये कार ट्विन-सिलेंडर तकनीक से लैस भारत की पहली माइक्रो एसयूवी होगी। माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में पंच सीएनजी का मुकाबला हाल ही में लॉन्च हुई हुंडई की एक्सटर से होगा।

ऑटोकार के मुताबिक, पंच के सीएनजी वर्जन का प्रोडक्शन शुरू हो चुका है और जल्द ही यह इंडियन मार्केट में अवेलबल होगी। कंपनी ने फरवरी 2022 में टियागो सीएनजी और टिगोर सीएनजी लॉन्च कर इस सेगमेंट में एंट्री की थी। इसके बाद अल्ट्रोज सीएनजी को ट्विन सिलेंडर के साथ लॉन्च किया था। बड़े बूट स्पेस के साथ आएगी पंच सीएनजी

पंच सीएनजी की सबसे खास बात ये है कि इनमें 60-लीटर की क्षमता वाला एक ट्विन-सिलेंडर टैंक सेटअप (30-30 लीटर के दो सीएनजी सिलेंडर) दिया गया है। इससे कार के बूट स्पेस में कोई कमी नहीं होती है। हालांकि कंपनी ने अभी कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन पंच पेट्रोल वर्जन में 366 लीटर का बूट स्पेस मिलता है।

पंच में अल्ट्रोज वाला ही 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जो 84 की पावर और 113का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं सीएनजी मोड पर ये इंजन 76 और 97का टॉर्क जनरेट करने में सक्षम है।

इंजन 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ दिया जाएगा, जबकि कार के रेगुलर पेट्रोल वैरिएंट्स के साथ 5-स्पीड गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। अल्ट्रोज और पंच के सीएनजी वर्जन में टियागो द्वसीएनजी के बराबर ही 26-27 किमी/किलोग्राम की माइलेज का दावा किया जा सकता है।

ओपन हुआ एसबीएफसी फाइनेंस का आईपीओ

7 अगस्त तक कर सकेंगे अप्लाय प्राइस बैंड 54 से 57 प्रति शेयर

मुंबई।
नॉन बैंकिग फाइनेंस कंपनी एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 1025 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 7 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। 14 अगस्त को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 260 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 54-57 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 57 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,820 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 1,92,660 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे।

इस इश्यू के लिए कंपनी 600 करोड़ के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी करेगी। जबकि 425 करोड़ रुपए के शेयर्स कंपनी के प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचेंगे। फ्रेश इश्यू से होने वाली इनकम का यूज कंपनी कैपिटल बेस बढ़ाने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी।

कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। एसबीएफसी फाइनेंस सिस्टमैटिकली इंपोर्टेंट, नॉन-डिपॉजिट-टेकिंग नॉन बैंकिग फाइनेंस कंपनी है। कंपनी के प्राइमरी कस्टमर बेस में एंटरप्रेन्योर, स्मॉल बिजनेस ओनर, सैलरीड और वर्किंग क्लास इंडिविजुअल शामिल हैं।

पीएनबी अकाउंट होल्डर 31 अगस्त तक करा लें केवायसी वरना ट्रांजैक्शन में करना पड़ सकता है परेशानी का सामना

नई दिल्ली।
अगर आपका अकाउंट पंजाब नेशनल बैंक में है तो जल्द से जल्द केवायसी करा लें। ऐसा नहीं कराने पर आपको खाते से ट्रांजैक्शन (लेन-देन) करने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बैंक ने अकाउंट होल्डर्स को 31 अगस्त तक अपना केवायसी कराने को कहा है।

पीएनबी के अनुसार जिन ग्राहकों का केवायसी अपडेशन बाकी है, उनके रजिस्टर्ड एड्रेस पर दो नोटिस और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर सूचना दे दी गई है। बैंक ने कहा है कि गाइडलाइन के अनुसार हर कस्टमर को केवायसी अपडेट करना जरूरी है।

यदि आपका अकाउंट 31 मार्च 2023 से केवायसी अपडेट के लिए ड्यू है तो आप पीएनबी वन रजिस्टर्ड ईमेल/पोस्ट या खुद बैंक के ब्रांच में जाकर 31 अगस्त के पहले इसे पूरा करा लें। बैंक ने कहा, ऐसा नहीं करने पर आपके अकाउंट के ऑपरेशन को बंद किया जा सकता है। आपके अकाउंट की केवायसी हुई है या नहीं, इसकी जानकारी के लिए आपको कस्टमर केयर पर कॉल करना होगा। बैंक ने कहा कि ग्राहक कस्टमर केयर नंबर 18001802222 या 18001032222 पर कॉल करके अधिक जानकारी ले सकते हैं। ये दोनों ही नंबर टोल फ्री हैं।

आप बैंक के ब्रांच में जाकर अपना केवायसी अपडेट करा सकते हैं। बैंक में आपको केवायसी के फॉर्म मिलेंगे, उसे भरकर और साथ में जरूरी डॉक्यूमेंट को अटैच कर जमा कर दीजिए। फॉर्म जमा करने के बाद आपका केवायसी अपडेट हो जाता है। अगर आप घर बैठे केवायसी अपडेट करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपने डॉक्यूमेंट्स बैंक को ई-मेल करने होंगे। इस बात का खास ध्यान रखें कि डॉक्यूमेंट रजिस्टर्ड मेल से ही भेजें। इसके अलावा अगर आप पेंशनर हैं और बैंक जाने में असमर्थ हैं तो आप विडियो कॉल के जरिए भी अपना केवायसी अपडेट करा सकते हैं।

क्या है केवायसी

केवायसी का मतलब होता है नो योर कस्टमर यानी अपने ग्राहक को जानिये। केवायसी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संचालित एक पहचान प्रक्रिया है जिसकी मदद से बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं अपने ग्राहक के बारे में अच्छे से जान पाती हैं। बैंक और वित्तीय कंपनियां इसके लिए फॉर्म को भरवा कर इसके साथ कुछ पहचान के प्रमाण भी लेती हैं।

ईडी ने होरी मोटोकॉर्प हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर के ठिकानों पर मारी रेड

पवन मुंजाल के ठिकानों से 25 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी जब्त

नई दिल्ली।
केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने होरी मोटोकॉर्प हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर पवन मुंजाल के ठिकानों से 25 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी जब्त की है। इसमें इंडियन और फॉरेन करेंसी, गोल्ड और डायमंड की ज्वैलरी के अलावा हार्ड डिस्क, मोबाइल और कुछ डॉक्युमेंट्स शामिल हैं।

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट पीएम के तहत कार्रवाई की थी। कार्रवाई के बाद बताया, सॉल्ट एक्सीपीरियंस एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड नाम की थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर कंपनी ने 2014-15 से 2018-19 के बीच अवैध रूप से करीब 54 करोड़ रुपए की विदेशी करेंसी, अलग-अलग देशों में भेजी। इन पैसों का इस्तेमाल पवन मुंजाल के निजी खर्च के लिए किया था।

इसके बाद पवन मुंजाल के अलावा हेमंत दहिया, हीरो मोटोकॉर्प और हीरो फिनकॉर्प लिमिटेड के दिल्ली और ग्ररुग्राम स्थित ऑफिसों और घरों पर कार्रवाई की। ईडी का आरोप है कि हेमंत दहिया, मुदित अग्रवाल, अमित मक्कड़, गौतम कुमार, विक्रम बजाज और केतन कक्कड़ जैसे कुछ एंप्लॉयीज के नाम पर सालाना मंजूरी से अधिक विदेशी करेंसी जारी की। इसके अलावा इसने अन्य एंप्लॉयीज के नाम पर भारी मात्रा में फॉरेन एक्सचेंज/ट्रैवल फॉरेक्स कार्ड निकाले, जिन्होंने कभी विदेशी यात्रा नहीं की।

अगस्त 2018 में, पवन मुंजाल को दिल्ली एयरपोर्ट पर प्लेन से उतार दिया गया था। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि उनके साथ सफर कर रहे अमित बाली के पास से सिक्योरिटी चेक में 81 लाख रुपए की फॉरेन करेंसी मिली थी। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस इस मामले की जांच कर रहा था। अब ईडी ने इसी इनपुट के आधार पर छापेमारी की है।

इससे पहले इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने 22 मार्च 2022 को मुंजाल के घर और

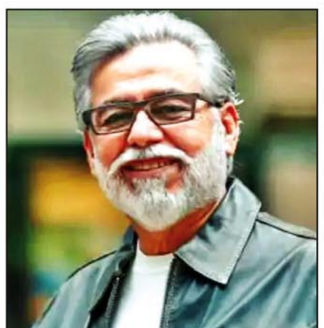

ऑफिस पर रेड की थी। तब उनके खिलाफ अपने अकाउंट में बोगस खर्च दिखाए जाने के आरोप लगे थे। ईडी टीम को जो अकाउंट डिटेल्स मिली थी, उसमें कुछ इनहाउस कंपनियों के नाम भी थे।

फोर्ब्स के मुताबिक, साल 2022 के आखिर में पवन मुंजाल की नेट वर्थ 3.55 बिलियन डॉलर (करीब 29.20 हजार करोड़ रुपए) थी। मुंजाल 2022 में देश के सबसे अमीर बिजनेसमैन की लिस्ट में 56वें नंबर पर थे। वहीं, 2022 बिलेनियर्स की लिस्ट में 984 नंबर पर रहे थे। मुंजाल के तीन बच्चे वसुधा मुंजाल, अन्नुव्रत मुंजाल और सुप्रिया मुंजाल हैं।

40 से ज्यादा देशों में कंपनी का कारोबार- हीरो मोटोकॉर्प दुनिया की सबसे बड़ी टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। यह 40 से ज्यादा देशों में अपना कारोबार करती है। कंपनी के पास ग्लोबल बेंचमार्क वाले 8 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं। इनमें से 6 भारत में हैं। कोलंबिया और बांग्लादेश में 1-1 प्लांट हैं। भारतीय के टू-व्हीलर सेगमेंट में 50प्रतिशत से ज्यादा मार्केट शेयर हीरो मोटोकॉर्प के पास है।

कंपनी इलेक्ट्रिक कार पर भी कर रही कामॉ- हीरो मोटोकॉर्प कनेक्टेड, ऑटोनोमस और शेयर्ड कॉमर्शियल प्लेटफॉर्म पर काम कर रही है, जिसमें एक इलेक्ट्रिक कार भी शामिल है। कंपनी ने एक हाई-यूटिलिटी, मॉड्यूलर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर का प्रोटोटाइप भी तैयार किया है, जिसे यूजर की आवश्यकता अनुसार इंटेलीजेंट तरीके से एक टू-व्हीलर में भी बदला जा सकता है। कंपनी इस व्हीकल का डिस्प्ले कर चुकी है।

तमिलनाडु के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने फिर की छापेमारी

तमिलनाडु । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिर से तमिलनाडु में कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी सेंथिल बालाजी से जुड़े केस में हुई। खबर के अनुसार, ईडी ने कोयंबटूर और करूर में मामले से जुड़े आरोपियों और कथित बेनामीदारों के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। बता दें कि तमिलनाडु सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी के ठिकानों पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बीती 14 जून को छापा मारा था। सेंथिल बालाजी के खिलाफ यह कार्यवाही नकदी के बदले नौकरी मामले में की गई थी। छापेमारी के बाद ईडी ने सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार कर लिया था और वह अभी तक ईडी की गिरफ्त में ही हैं। गिरफ्तारी के बावजूद तमिलनाडु सरकार ने अभी तक बालाजी को मंत्री पद से नहीं हटाया है। सेंथिल बालाजी ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा था। ईडी ने अपने जवाब में कोर्ट को बताया है कि सेंथिल बालाजी पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं। ईडी ने दावा किया है कि बालाजी ने अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए राज्य परिवहन विभाग में एक नौकरी रैकेट घोटाला चलाया। बता दें कि इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने सेंथिल बालाजी को जमानत देने से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बालाजी और उनकी पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

सामंथा ने जिम में वर्कआउट करते वीडियो किया शेयर

-इंटरनेट पर वायरल हो रहा वीडियो

मुंबई (ईएमएस)। जिम में वर्कआउट करते हुए एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपना एक वीडियो शेयर किया। यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। सामंथा एक्टिंग से ब्रेक पर हैं, वह अपने हेल्थ पर ध्यान देना चाहती हैं। वह ऑटोइम्यून स्थिति मायोसिटिस नामक बीमारी से जूझ रही हैं। जानकारी के अनुसार, मायोसिटिस मांसपेशियों में सूजन पैदा करता है, जिससे मसल्स कमजोर, दर्दनाक और थकी हुई हो जाती हैं। फिटनेस फ्रीक सामंथा बाली वेकेशन के बाद वापस भारत लौट आई हैं, और अपने नए वर्कआउट वीडियो के साथ अपने फैंस को मंडे मोटिवेशन दे रही हैं। वर्कआउट वीडियो को एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर किया है। वीडियो में सामंथा को अपनी पालतू बिल्ली गेलैटो के साथ एक्सरसाइज करते हुए दिखाई दे रही हैं। वह ब्लैक टी-शर्ट, ग्रे शॉर्ट्स पहने हुए हैं और अपनी बिल्ली को प्यार करते हुए वर्कआउट कर रही हैं। सामंथा निकी मिनाज, रिहाना के फ्लाई के बैकग्राउंड म्यूजिक पर काम कर रही हैं। हाल ही में, सामंथा वेकेशन पर बाली में थी, जहां से उन्होंने अपनी और प्रकृति की खूबसूरत फोटोज शेयर की। उन्होंने फूड, बीच, म्यूजिक, पारंपरिक मूर्तियां और आइसक्रीम की भी फोटो शेयर की थी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, थोड़ा जियो।

मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं : शबाना आजमी

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री शबाना आजमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में है। फिल्म में शबाना के किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसके पहले भी वह कई सुपरहिट मूवीज में अपने रोल से लोगों का दिल जीत चुकी हैं। इसी बीच शबाना ने कैमरा फेस करने का अपना पहला अनुभव शेयर किया है। शबाना आजमी ने बताया कि वह मुश्किल से अपने डायलॉग्स बोल पाती थीं, क्योंकि मेकअप आर्टिस्ट ने उनके चेहरे पर बहुत सारा मेकअप लगा दिया था। इसके बाद शबाना को 100 प्रतिशत यकीन था वहां लोग उन्हें बाहर निकाल देंगे क्योंकि उनका पहला स्क्रीन टेस्ट डिजास्टर था। शबाना ने बताया, जब मैंने पहली बार स्क्रीन टेस्ट दिया, तब बहुत ही बुरा था क्योंकि उन्होंने मुझ पर इतना मेकअप लगा दिया था कि मैं अपना मुंह भी नहीं खोल पा रही थी। बहुत सारा मेकअप था। मैं इतनी भयानक लग रही थी कि मैंने कहा कि 100 प्रतिशत वहां मुझे बाहर निकाल देंगे क्योंकि मैं उनके काम नहीं आने वाली। लेकिन, मुझे एहसास हुआ कि ऐसा इसलिए था क्योंकि मेरे चेहरे पर बहुत सारा पैनकेक (मेकअप) था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। शबाना ने माना कि जब उन्होंने मुख्य कैमरे को फेस किया, तब उन्हें कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में श्याम की आभारी हूं कि हमने बिल्कुल भी मेकअप नहीं किया था, बिल्कुल भी बेस नहीं था, आप वास्तविक जीवन में बिल्कुल वैसे ही दिखते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने इस आसान बनाया। जब मैं मेनस्ट्रीम सिनेमा कर रही थी, तब मुझे कैमरा फेस करने में मुश्किल होती थी। एक समय था जब मेरी इच्छा थी कि मैं सुलक्षणा पंडित की तरह दिखूं और मेरे फेस पर ये मेकअप और विग न हो। मैंने उस तरह दिखने के लिए बहुत मेहनत की। मगर जितना उस सांचे में फिट होने की कोशिश की, मैं उतनी ही खराब दिखने लगी। बता दें, शबाना आजमी ने साल 1974 में श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर से डेब्यू किया था। इसमें उनकी परफॉर्मेंस काफी पसंद किया गया था और इसके लिए उन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी जीता था।

आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 बनाम पठान होगी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म निमार्ता आदित्य चोपड़ा की टाइगर 3 टाइगर बनाम पठान होगी। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज सलमान खान और शाहरुख खान इस फिल्म में स्थिति से निपटने के लिए कड़ी मेहनत करते नजर आएंगे। टाइगर बनाम पठान के बारे में पहले से ही जबरदस्त चर्चा है और वाईआरएफ (यश राज फिल्म्स) ने इस परियोजना के बारे में चुप रहना बेहतर समझा है। फिल्म का अपना शूटिंग शेड्यूल जनवरी 2024 में शुरू होगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित टाइगर 3 एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे मनीष शर्मा ने निर्देशित किया है। फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी हैं। सूत्र ने आगे कहा, हमें यकीन है कि आदित्य चोपड़ा टाइगर 3 में टाइगर वर्सेस पठान के अस्तित्व को छेड़ेंगे। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स ने सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ शुरूआत की, जिसकी शुरूआत एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से हुई, और ऋतिक अभिनीत वॉर (2019) के साथ जारी रही। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की नवीनतम पेशकश टाइगर 3 इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

तीन भाषाओं में शूट हुआ जिंदा बंदा गाना

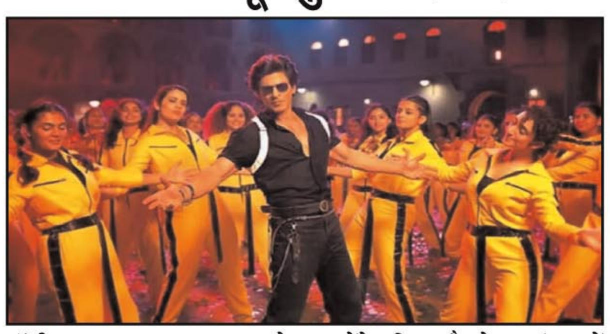

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान ने पहली बार जिंदा बंदा गाने के लिए तीन भाषाओं में शूटिंग की है। यह गाना हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में गाया गया है। गाने की हिंदी में जिंदा बंदा, तमिल में वंधा एडम और तेलुगु में धुम्मे धुलिपेला बोल हैं। शाहरुख गाने में फीमेल को-स्टार्स और हजारों फीमेल डांसर्स के साथ झूमते दिखाई दे रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, शाहरुख ने पहली बार तीन भाषाओं में लिपसिंक की है। उन्होंने तमिल और तेलुगु संस्करणों के लिए गाने के बोल सीखे और शूटिंग के दौरान चेन्नई यूनिट ने उनकी सहायता की। उन्होंने इस गाने को तीन भाषाओं के लिए तीन बार शूट किया। पहले गाने की शूटिंग पांच दिनों तक चली, जिसमें शाहरुख खान के जबरदस्त डांस मूव शामिल हैं। शाहरूख स्टारर फिल्म जवान 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

सुष्मिता सेन फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार

- रियल स्टोरी पर है यह वेब सीरीज

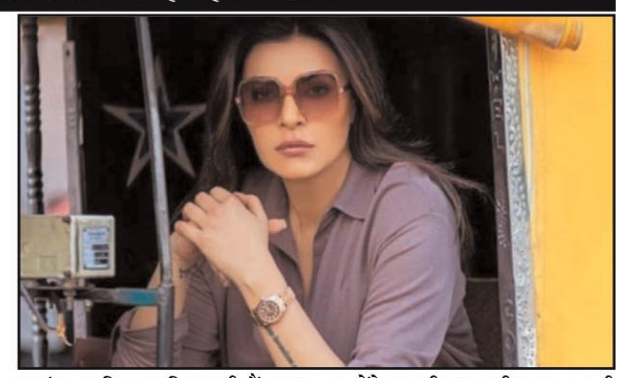

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन एक बार फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार हैं। वेब सीरीज ताली में सुष्मिता एक ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। अब वेब सीरीज का दमदार टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में सुष्मिता अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ती नजर आ रही हैं। टीजर की शुरूआत सुष्मिता सेन के लाल बिंदी लगाने से होती है जो उनकी ताकत को दशार्ता है। इस टीजर के वॉइस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, गाली से ताली तक। फिर फ्रेम उसके संघर्ष और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित हो जाता है, जो तीसरे लिंग को पहचानने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म में सुष्मिता का किरदार उग्र लग रहा है और वह श्रीगौरी सावंत के रूप में ऐसी रच बस गई हैं कि उनकी असली पहचान कहीं नजर नहीं आ रही। यह वेब सीरीज कोई फिक्शन नहीं बल्कि रियल लाइफ पर आधारित है। वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त से जियोसिनेमा पर मुफ्त में होगा। रवि जाधव द्वारा निर्देशित, वेब श्रृंखला क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है और अर्जुन सिंह बारन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला द्वारा समर्थित है। फिल्म का टीजर शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गाली से ताली तक के सफर की ये कहानी। पेश है भारत के तीसरे लिंग के लिए श्रीगौरी सावंत की लड़ाई की कहानी। #टालीऑन जियोसिनेमा 15 अगस्त से मुफ्त स्ट्रीमिंग। 2008 में, उनकी मां के एड्स से पीड़ित होने के बाद उन्होंने गायत्री नाम की एक लड़की को गोद लिया। गौरी ने विक्स के एक विज्ञापन में काम किया जिसमें उनकी कहानी और गोद लेने की यात्रा को दशार्या गया था। आपको बता दें कि बीते साल से सुष्मिता अपने इस प्रोजेक्ट में बिजी थीं। गौरी सावंत ट्रांसजेंडर लोगों के गोद लेने के अधिकार के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाली पहली ट्रांसजेंडर थीं। पुणे में गणेश के रूप में जन्मी, वह महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की सद्भावना राजदूत बनीं और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में याचिकाकर्ता थीं।

हॉलीवुड फिल्म ने ज्यादा कमाई की

देश के बॉक्स ऑफिस पर किसी हॉलीवुड फिल्म ने पहली बार किसी मल्टी स्टारर बॉलीवुड मूवी के मुकाबले ज्यादा कमाई की है। इस बॉलीवुड फिल्म के साथ करण जोहर सात साल बाद निर्देशक के रूप में वापसी कर रहे हैं। एटम बम का आविष्कार करने वाले मैनहैटन प्रोजेक्ट और इसके मुखिया जे. रॉबर्ट ओपनहाइमर की दुविधा पर आधारित क्रिस्टोफर नोलान की फिल्म ओपनहाइमर ने रिलीज वाले वीकेंड पर कमाई के मामले में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को पीछे छोड़ दिया है। माना जा रहा था कि ओपनहाइमर से जुड़े विवाद के कारण फिल्म भारत में उतनी सफल नहीं हो सकेगी। लेकिन इसके विपरीत फिल्म ने देश में रिलीज के दिन शुक्रवार को 13.5 करोड़ रुपये, उसके बाद शनिवार को 16.5 करोड़ रुपये और रविवार को 17.25 करोड़ रुपये की कमाई की। इस प्रकार इसकी कुल कमाई 47.25 करोड़ रुपये रही। पहले 10 दिन में फिल्म 91.05 करोड़ रुपये कमा चुकी है।अमेरिका से बाहर ब्रिटेन के बाद ओपनहाइमर की सबसे ज्यादा कमाई भारत में हुई है।

अक्षय कुमार की 'ओएमजी-2' का ट्रेलर रिलीज, 11 अगस्त को आएगी सिनेमाघरों में

अक्षय कुमार की 2012 की फिल्म ओह माई गॉड के सीक्वल ओएमजी-2 की इस समय काफी चर्चा हो रही है। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया है। फिल्म ओएमजी-2 की पूरी कहानी कांति शरण मुद्गल के परिवार पर आधारित है। 3 मिनट के ट्रेलर में अक्षय कुमार के शिव अवतार ने लोगों का दिल जीत लिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद कांति शरण मुद्गल के बेटे को स्कूल से निकाल दिया गया है। इसके बाद ट्रेलर में नजर आता है कि कांति शरण का बेटा सुसाइड करने जाता है। उसे स्कूल से भी निकाल दिया गया है। इसके बाद कांति शरण ने देश की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सीधे कोर्ट में याचिका दायर कर दी। ट्रेलर में एक कोर्ट सीन खास ध्यान खींचता है। इसमें जज पूछते हैं कि आरोपी और शिकायतकर्ता कौन है। इसके बाद पंकज त्रिपाठी हाथ उठाकर जवाब देते हैं कि दोनों मैं हूं। तो क्या कांति शरण को मिलेगा न्याय? भगवान शिव शंकर के दूत अक्षय कुमार उनकी कैसे मदद करेंगे? ट्रेलर में बताया गया है कि यह 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) यानी सेंसर बोर्ड ने ओएमजी-2 को ए सर्टिफिकेट दिया है। 11 अगस्त को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी के साथ यामी गौतम, गोविंद नामदेव और अरुण गोविल भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

ड्रीम गर्ल 2 को लेकर दर्शकों की बढ़ी बेताबी

बालीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की फिल्म ड्रीम गर्ल-2 25 अगस्त को रिलीज होने वाली है। लोग इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म ड्रीम गर्ल 2 का नया पोस्टरसामने आया है और इसका ट्रेलर भी आज ही आएगा। आयुष्मान खुराना ने अपनी फिल्म का नया पोस्टर शेयर करते हुए लोगों का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया है। ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आयुष्मान खुराना के पूजा वाले अवतार में नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में पहली बार आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे काम करने जा रहे हैं। ड्रीम गर्ल 2 का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। फिल्म के ट्रेलर से आयुष्मान खुराना ने नया पोस्टर शेयर किया जो लोगों को ध्यान खींच रहा है। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 के नए पोस्टर में आप देख सकते हैं कि आयुष्मान खुराना पूजा के अवतार में कार के बोनट पर खड़े नजर आ रहे हैं और फिल्म की बाकी स्टारकास्ट उन्हें नीचे से निहार रही है।

हाथों में हाथ डाले दिखे तमन्ना-विजय वर्मा

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा को मुंबई में हाथों में हाथ डाले घूमते देखा गया। डेटिंग की खबरों के बीच दोनों को एक ही कार में घर वापस जाते भी देखा गया। सेलिब्रिटी पैपराजी योगेन शाह द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीर और वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रही है, जिसमें कपल मुस्कुराते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़कर चलते हुए देखे जा सकते हैं। आउटिंग के दौरान तमन्ना और विजय कैजुअल ड्रेस में दिखे। एक्ट्रेस ने ब्लैक जींस के साथ वाइट टी-शर्ट पहनी थी। जबकि, विजय स्वेटशर्ट, स्नीकर्स के साथ ब्लू जींस में नजर आए।

इस कपल ने लस्ट स्टोरीज 2 के सेट पर मुलाकात के बाद डेटिंग शुरू की। उन्होंने फिल्म निमार्ता सुजॉय घोष की शॉर्ट फिल्म में एकसाथ काम किया। विजय एक्ट्रेस के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करने से नहीं कतराते। एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने साझा किया कि वह उनके प्यार में पागल हैं।

रजनीकांत की 'जेलर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर को देखकर रजनीकांत के फैंस काफी खुश हैं। रजनीकांत के लुक से लेकर उनके स्टाइल तक हर चीज की तारीफ होती नजर आ रही है। ट्रेलर से साफ है कि रजनीकांत के इस नाम का जादू और उनका समग्र मजबूत प्रक्षेपण उनके प्रशंसकों को जेलर में अनुभव होगा। जेलर में रजनीकांत एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया और बाहुबली में शिवगामी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री राम्या कृष्णन भी हैं। फिल्म का नाम पहले थलाइवर 169 था, लेकिन बाद में निमार्ताओं ने जेलर नाम की पुष्टि की। ट्रेलर की शुरूआत तेज-तर्रार एक्शन से होती है। फिल्म की कहानी एक जेलर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जेल में एक कुख्यात गैंग का बड़ा गैंगस्टर कैद है। गिरोह के सदस्य उसे जेलर (रजनीकांत) की जेल से छुड़ाने की योजना बनाते हैं, लेकिन ईमानदार जेलर मुथुवेल यानी रजनीकांत बेहद सख्त हैं। उनका एक और पक्ष बेहद डरावना है, लेकिन इसके बारे में उनके परिवार का कोई भी सदस्य नहीं जानता। इसमें रजनीकांत का एक्शन देखकर दर्शक दंग रह जाते हैं। फिल्म में बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया गाना कवाला इस वक्त काफी चर्चा में है। फिल्म का लेखन और निर्देशन नेल्सन ने ही किया है। जेलर10 अगस्त को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सूडोकु नवताल- 6512

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6511 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्दजाल - 7259

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 7258 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6212

7	5		3	6		
	33		32		28	
2		7			6	1
	30	2	37	4	34	
5	1			7		4
	26		38		36	
	1	5	6			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6211 का हल

5	7	3	1	4	6	2
6	31	1	25	5	33	1
3	1	5	4	2	6	7
4	27	2	28	1	37	6
2	3	7	1	6	5	4
7	36	6	37	3	35	3
1	6	4	3	7	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

विमेंस फीफा वर्ल्ड कप 2023 : जमैका का उलटफेर, पहली बार प्री क्वार्टर फाइनल में, वर्ल्ड नंबर-8 ब्राजील को 0-0 के ड्रॉ पर रोका

मेलबर्न। जमैका की फुटबॉल टीम पहली बार महिला वर्ल्ड कप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। फीफा रैंकिंग में 43वें नंबर की टीम जमैका ने ग्रुप एफ के मैच में नंबर-8 ब्राजील को 0-0 के ड्रॉ पर रोक दिया। इस ग्रुप में फ्रांस (7) पहले, जमैका (5) दूसरे, ब्राजील (4) तीसरे और पनामा (0) चौथे नंबर पर रहा।

जमैका की टीम अपने ग्रुप में अजेय रही

फ्रांस और जमैका ने अगले राउंड में जगह बनाई। 2007 की रनरअप ब्राजील 28 साल में पहली बार ग्रुप राउंड से आगे नहीं बढ़ सकी। जमैका ने डिफेंसिव खेल दिखाया। यह ब्राजील की मार्ता का छठा वर्ल्ड कप था और वे अपने गोल की संख्या 17 से आगे नहीं बढ़ा सकीं। जमैका अपने ग्रुप में अजेय रही। उसने पहले फ्रांस को भी ड्रॉ पर रोका था और पनामा को हराया था।

दक्षिण अफ्रीका की पहली जीत, टीम अंतिम-16 में

ग्रुप जी के मैच में दक्षिण अफ्रीका ने इटली को 3-2 से हराया। यह अफ्रीका की वर्ल्ड कप में पहली जीत है। टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इसी ग्रुप के एक अन्य मैच में स्वीडन ने अर्जेंटीना को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं, ग्रुप एफ में फ्रांस ने पनामा को 6-3 से हराया। फ्रांस की केडिडियाटोऊ डियानी ने हैट्रिक बनाई।

रोज देखने को मिल रहा रोमांच

न्यूजीलैंड में इस समय महिला फीफा वर्ल्ड कप 2023 का आयोजन हो रहा है और दर्शकों को रोज ही रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। इसी कड़ी में गत दिनों मोरक्को की महिला टीम ने साउथ कोरिया को 1-0 से हराकर इतिहास रच दिया है। इस मैच में एक ऐसा कमाल हुआ, जो इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला है। साउथ कोरिया के खिलाफ मोरक्को की डिफेंडर नोहेला बेनजिना हिजाब पहनकर मैदान पर उतरीं थी। वह ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई है। इससे पहले वर्ल्ड कप में जर्मनी के खिलाफ नोहेला नहीं खेल पाई थीं। जर्मनी के खिलाफ मोरक्को को हार का सामना करना पड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

फरीदकोट की 55 वर्षीय महिला वीरपाल कौर ने 100 मीटर एथलीट गेम नेशनल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। दृढ़ संकल्प के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में पंजाब के फरीदकोट की एक गृहिणी, 55 वर्षीय वीरपाल कौर 50+ मास्टर गेम्स में 100 मीटर एथलीट गेम नेशनल में स्वर्ण पदक जीतने के बाद शहर में चर्चा का विषय बन गई हैं। यह कार्यक्रम सभी उम्र के पुरुषों और महिलाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की मुख्यमंत्री भगवंत मान की पहल का हिस्सा था और ऐसा लगता है कि वीरपाल कौर को इसमें दिलचस्पी थी। पंजाब पुलिस में एक पद के लिए चुने जाने के बावजूद, उन्हें व्यक्तिगत कारणों से नौकरी से इनकार करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने इससे अपने जज्बे पर कोई असर नहीं पड़ने दिया। जब मास्टर गेम्स में भाग लेने का अवसर आया तो वीरपाल ने इसके लिए पूरे उत्साह के साथ तैयारी की। पिछले वर्ष उन्होंने अपनी असाधारण एथलेटिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए 22 पदकों और कई सर्टिफिकेट एकत्रित किए थे। उत्कृष्टता की उनकी निरंतर खोज से वीरपाल ने देश और राज्य को गौरवान्वित करने का काम किया है। अमेरिका जाकर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हालांकि, वीरपाल कौर के लिए यह प्रसिद्धि पाने के लिए नहीं था। उन्होंने कहा कि वह केवल सम्मान चाहती हैं। एक गृहिणी होने के नाते, वह गर्व से बिना किसी सहायता के घर के सभी काम संभालती हैं। वीरपाल अपनी प्रेरणा का श्रेय महान एथलीट फौजा सिंह को देती हैं, जो अपने अविश्वसनीय कारनामों से उम्र को मात देते रहते हैं। अपने आदर्श की तरह, वह साबित करना चाहती हैं कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और दृढ़ संकल्प सभी बाधाओं को पार कर सकता है। जैसा कि राष्ट्र उनकी उपलब्धियों की सराहना करता है, उनकी कहानी सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह साबित करती है कि अपने सपनों को पूरा करने और दुनिया पर अपनी छाप छोड़ने की कोई उम्र नहीं है।

धीमी ओवर गति के मामले में सख्त कदम उठायें अंपायर : नासिर हुसैन

लंदन। आजकल धीमी ओवर गति के कारण टीमों पर जुर्माने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिसको लेकर हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि अब इस मामले में अंपायरो को अधिक सक्रिय होना होगा। हुसैन के अनुसार टेस्ट में पूरे 90 ओवर होने चाहिये क्योंकि खेल देखने वाला टिकट पूरे ओवर देखने के लिए लेता है। एशेज में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर धीमी ओवर गति के कारण ही जुर्माना लगा है। इससे इन दोनो ही टीमों को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) की अंक तालिका में भी अंकों का नुकसान हुआ है। इंग्लैंड ने चार टेस्ट मैचों में प्रतिबंध के कारण 19 डब्ल्यूटीसी अंक गंवाए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एक मैच से 10 अंक गंवाए। इस पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि खेल के दौरान समय कहां जा रहा है जबकि हर दिन अतिरिक्त समय भी दिया जा रहा है। ऐसे में अब अंपायरों को तेजी बरती होगी। हुसैन के अनुसार धीमी ओवर गति के लिए कठोर दंड होना चाहिए। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो प्रशंसकों को परेशान करता है हालांकि मुझे लगता है कि इंगलैंड में टिकट महंगे हैं। और यदि वह 90 ओवरों के लिए भुगतान करते हैं, तो आपको 90 ओवरों की उम्मीद करनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया ओपन में सिंधु, श्रीकांत और प्रियांशु रजावत क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत की दो बार ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु, पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु रजावत ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। तीनों ने दूसरे राउंड में सीधे गेम में मैच जीतकर अगले राउंड में अपना स्थान पक्का किया। सिंधु ने हमवतन आकर्षी कश्यप को 21-14, 21-10 से हराया। सिंधु और आकर्षी पहली बार आपस में भिड़ी थीं। सिंधु ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए बहुत ही आसानी से आकर्षी को 29 मिनट में हराकर अगले राउंड में अपना स्थान पक्का किया। सिंधु को अब क्वार्टर फाइनल में टूर्नामेंट की चौथी सीड मलेशिया की बेवेन झांग से भिड़ना है। बेवेन ने दूसरे राउंड में हुआंग यू-सन को 19-21, 21-10, 21-12 से हराकर तीसरे राउंड में पहुंची हैं। वहीं श्रीकांत ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-10, 21-17 से हरया। इससे पहले उन्होंने पहले राउंड में जापान के केंटा निशिमोटो को 21-18, 21-7 से हराया। अब अगले राउंड में उनका मुकाबला प्रियांशु रजावत से होगा। रजावत ने दूसरे राउंड में चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई को 21-8, 13-21, 21-19 से हराया।

वर्ल्ड कप के लिए धर्मशाला स्टेडियम तैयार, 5 मैच खेले जाएंगे

आईसीसी-बीसीसीआई की संयुक्त टीम ने सुविधाओं का जायजा लिया

धर्मशाला। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप के लिए धर्मशाला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तैयार है। 7 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक खेले जाने वाले डे-नाइट मैचों के आयोजन को लेकर आईसीसी , बीसीसीआई, ब्रॉडकास्टिंग और एडवर्टाइजमेंट पार्टनर के ऑफिशियल ने संयुक्त रूप से स्टेडियम में सुविधाओं का निरीक्षण किया। टीम का मुख्य ध्यान स्टेडियम के अंदर सुरक्षा, प्रसारण टीमों की आवश्यकताओं जैसे मुद्दों पर रहा। टूर्नामेंट में सिर्फ 2 महीने बचे हैं।

बीसीसीआई के अधिकारी और आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने बताया कि धर्मशाला इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 5 मैच आयोजित करने जा रहे हैं। जरूरतों को लेकर टीम दौरा कर रही है। जो-जो रिक्वायरमेंट होंगी उन्हें हम पूरा करेंगे। एक साल से इसको लेकर तैयारियां कर रहा था। जो भी कमियां रहेंगी, उन्हें 2 महीनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

वनडे विश्व कप आईसीसी का सबसे बड़ा इवेंट माना जाता है। वर्ष 2011 के बाद 12 सालों के अंतराल बाद इसकी मेजबानी भारत को मिली है। हमारी खुशक़िस्मत है कि धर्मशाला स्टेडियम को 8-9 देशों के पांच अच्छे मैच मिले हैं। 8-9 देशों के प्लेयर और स्पेक्टेटर्स धर्मशाला आएंगे। इस लिहाज से बेस्ट फैंस एक्सपीरिएंस हो इसके लिए आए हुए ऑफिशियल से विस्तार से चर्चा हुई है। वे तैयारियों से संतुष्ट दिखे।

भारत में मानसून ने ज्यादातर आयोजन स्थलों को प्रभावित किया है, लेकिन अभी भी 2 महीने बाकी हैं और बीसीसीआई को भरोसा है कि काम पूरा हो जाएगा। वे हमारी योजना से बेहद खुश हैं। टीम में शामिल सभी ऑफिशियल स्टेडियम की खूबसूरती देख कर आन्दित थे ।

नए सिरे से तैयार करवाया स्टेडियम

विश्व कप 2023 का 5 अक्टूबर से शुभारंभ होगा। इसका पहला मैच इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जाएगा। विश्व कप के 49 मुकाबले भारत के 10 शहरों में खेले जाएंगे। इस लिस्ट में धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम का नाम भी शामिल है। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में बना क्रिकेट स्टेडियम विश्व के सबसे खूबसूरत स्टेडियमों में से एक है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने विश्व कप से पहले इसके नए सिरे से तैयार करवाया है। यहां मैदान पर नई घास लगाई गई है। आउट फील्ड पहले से काफी बेहतर हो गया है। ड्रेसिंग रूम और दर्शकों के लिए व्यवस्था बढ़ाई गई है। ड्रेसिंग रूम में कुछ बदलाव किए गए हैं। डे-नाइट मैचों के लिए एलईडी फ्लड लाइट्स लगाई जा रही हैं।

धर्मशाला में विश्व कप के पांच मैच

धर्मशाला में विश्व कप 2023 के 5 मैच खेले जाएंगे। यहां पहला मुकाबला बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच 7 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद 10 अक्टूबर को इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच मैच आयोजित होगा। 17 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड के बीच मैच खेला जाएगा। टीम इंडिया भी एक मैच खेलेगी। भारत का न्यूजीलैंड से 22 अक्टूबर को सामना होगा। यह मैच धर्मशाला में ही आयोजित होगा। इसके बाद 28 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

डे-नाइट मैच एलईडी फ्लड लाइटों में

डे-नाइट मैच एलईडी फ्लड लाइटों की रोशनी में खेले जाएंगे। स्टेडियम में पुरानी हैलोजन लाइटों की जगह नई एलईडी लाइटों को लगाने का काम शुरू हो गया है। 15 से 25 अगस्त तक स्टेडियम में चारों फ्लड लाइट पोल पर नई एलईडी लाइटें लगाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। धर्मशाला स्टेडियम में फ्लड लाइटों के चार पोल लगे हैं। अब 1620 वाट की एलईडी लाइट लगाई जाएगी। इससे बिजली की कम खपत होगी और स्टेडियम के सभी जनरेटरों पर बोझ भी कम पड़ेगा। इसके अतिरिक्त प्रैक्टिस एरिया नंबर एक में भी एलईडी फ्लड लाइट्स लगाई जा रहीं हैं। जिससे खिलाडी डे-नाइट मैचों के लिए देर शाम को भी प्रैक्टिस कर सकेंगे।

मार्च 2024 में टेस्ट मैच की मेजबानी

बता दें कि विश्व कप के बाद भी धर्मशाला में इंटरनेशनल मैच का आयोजन होगा। धर्मशाला को भारत और इंग्लैंड के बीच मार्च 2024 में खेले जाने वाले एक टेस्ट मैच की मेजबानी मिली है। यह मुकाबला 7 मार्च से 11 मार्च तक खेला जाएगा। भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का यह पांचवां मुकाबला होगा।

भारत की विमेंस कंपाउंड टीम वर्ल्ड आर्चरी के फाइनल में

92 साल के टूर्नामेंट इतिहास में पहली बार गोल्ड जीतने का मौका, मैक्सिको से मुकाबला

बर्लिन। भारत की विमेंस कंपाउंड टीम वर्ल्ड आर्चरी चैम्पियनशप के फाइनल में पहुंच गई है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में खेले जा रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय विमेंस कंपाउंड आर्चरी टीम ने सेमीफाइनल में कोलंबिया को 220-216 से हराया।

टीम में आर्चर ज्योति सुरेख, वेन्नम परनीत कौर और अदिति स्वामी ने फाइनल में जगह बनाई। अगर टीम गोल्ड जीतती है तो टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार भारत गोल्ड जीतेगा। आर्चरी चैंपियनशिप चार साल में एक बार होने वाला इवेंट है। इसमें ओलिंपिक क्वालिफिकेशन का भी क्वोटा है।

मेंस टीम बाहर-कंपाउंड मेंस और मिक्स्ड टीम की टूर्नामेंट में कड़ी हार के बाद समाप्त हो गईं। मेंस टीम में अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और प्रथमेश जावकर क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से 230-235 से हार गए। दूसरी ओर मिक्स्ड इवेंट में में, देवतले और ज्योति सुरेखा को क्वार्टरफाइनल में अमेरिका ने 154-153 से हराया।

ओलिंपिक में जाने का मौका गवायां-भारतीय तीरंदाजों में मेंस और विमेंस की रिकर्व टीम क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गई। इसके चलते टीमों की डाइरेक्ट ओलिंपिक में जाने का मौका गवां दिया। अब टीम को अगले बड़े टूर्नामेंट का इंतजार करना होगा।

ओलिंपिक्स में जाने का अगला मौका एशियाड में- पेरिस ओलिंपिक्स क्वालीफायर का अगला दौर कॉन्टिनेंटल गेम्स होगा। भारत के लिए यह अक्टूबर में हांग्जो एशियाड होगा जहां मिक्स्ड टीम चैंपियन और मेंस और विमेंस में से एक खिलाड़ी चयनित होंगे। नवंबर में बैंकॉक में एशियाई चैम्पियनशिप और अगले साल जून में अंताल्या वर्ल्ड कप अंतिम दो क्वालीफाइंग टूर्नामेंट हैं।

कोलकाता में 132वें डूरंड कप का रंगारंग उद्घाटन, मोहन बागान और बांग्लादेश आर्मी के बीच पहला मुकाबला

कोलकाता। एशिया का सबसे पुराना और दुनिया का तीसरा सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट का डूरंड कप के 132वें संस्करण का कोलकाता में गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ आगाज हुआ।

भव्य समारोह के बीच कोलकाता के सॉल्टलेक स्टेडियम में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फुटबॉल को किक मारकर इसका उद्घाटन किया। इसी के साथ पहला मैच तक मोहन बागान 4 और बांग्लादेश आर्मी के बीच खेला जा रहा है। खबर लिखे जाने तक मोहन बागान 4 और बांग्लादेश आर्मी 0 पर खेल रहे थे। पहला मैच मोहन बागान और बांग्लादेश आर्मी के धुरंधर अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। 27 साल बाद डूरंड कप में विदेशी टीमें खेल रही हैं। मोहन बागान (मोहन बागान सुपर जाइंट) ने पिछले सीजन में इंडियन सुपर लीग जीता था। उल्लेखनीय है कि इस बार पश्चिम बंगाल के कोलकाता, असम के शहर गुवाहाटी और कोकराझार और मेगालय की राजनधानी शिलांग में खेला जाएगा।

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 : भारत का पहला मुकाबला चीन से; 9 अगस्त को खेला जाएगा इंडिया-पाकिस्तान मैच

नई दिल्ली। हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023, 12 अगस्त 2023 तक चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया और जापान के बीच खेला जाएगा। भारतीय हॉकी टीम अपने अभियान का आगाज चीन के खिलाफ करेगी। भारत बनाम पाकिस्तान मैच 9 अगस्त को खेला जाएगा।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी बार 2021 में बांग्लादेश के ढाका में आयोजित की गई थी। जहां दक्षिण कोरिया ने फाइनल में जापान को पेनल्टी शूटआउट में हराकर अपना पहला टाइटल जीता था। तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से शिकस्त दी थी।

एशिया की छह शीर्ष टीमें हिस्सा लेंगी

इस टूर्नामेंट में एशिया की छह शीर्ष टीमें (भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान) हिस्सा लेंगी। सिंगल-लेग राउंड-रॉबिन लीग स्टेज के आखिरी में टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 12 अगस्त को खेला जाएगा।

2011 से शुरू हुई मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 2010 में महिलाओं के टूर्नामेंट से हुई। 2011 से पुरुषों का टूर्नामेंट शुरू हुआ। इसमें एशिया की 6 टीमें भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया और चीन ने भाग लिया। 2011 से 2013 तक हर साल टूर्नामेंट हुआ।

2016 से हर दो साल पर इसका आयोजन होता है। 2020 में कोरोना की वजह से इसे स्थगित कर दिया गया था, लिहाजा 2021 में आयोजित किया गया। भारत और पाकिस्तान टूर्नामेंट की सफल टीमें हैं। दोनों टीमें 3-3 बार ट्रॉफी पर कब्जा कर चुकी हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के लिए भारतीय हॉकी टीम

गोलकीपर: पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, सुमित, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरुण कुमार, अमित रोहिदास

मिडफील्डर: हार्दिक सिंह (उप-कप्तान), विवेक सागर प्रसाद, मनप्रीत सिंह, नीलकंठ शर्मा, शमशेर सिंह।

फॉरवर्ड : आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, एस कार्थी।

मनोज तिवारी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

धोनी की कप्तानी में किया था इंटरनेशनल डेब्यू; लिखा- 'गुडबाय टू द गेम'

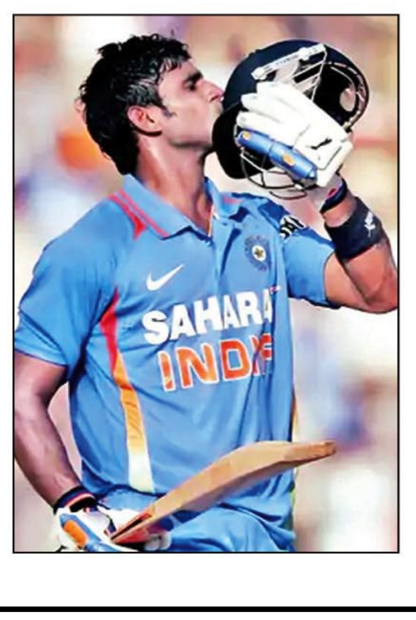

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। मनोज तिवारी ने साल 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंटरनेशनल डेब्यू किया था। 37 साल के तिवारी ने टीम इंडिया के लिए अपना आखिरी मैच साल 2015 में खेला था। पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री का पद संभालने वाले तिवारी ने बंगाल को रणजी ट्रॉफी 2022-23 के फाइनल में भी पहुंचाया।

मनोज तिवारी ने लिखा- इस खेल ने मुझे सबकुछ दिया

मनोज तिवारी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, क्रिकेट के खेल को अलविदा। इस खेल ने मुझे सबकुछ दिया। मेरा मतलब है कि हर एक चीज, जिसका मैंने कभी सपना भी नहीं देखा था, उस समय की शुरुआत से जब मेरी जिंदगी कई चुनौतियों से जूझ रही थी। हमेशा इस खेल का आभारी रहूंगा और भगवान का भी, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।

तिवारी ने आगे लिखा, इस मौके पर उन लोगों का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने मेरी क्रिकेट जर्नी में भूमिका निभाई। मेरे बचपन से लेकर आखिरी कोच तक सभी को धन्यवाद देना चाहूंगा, जिन्होंने मेरी क्रिकेट उपलब्धियों में भूमिका निभाई। पिता समान मेरे कोच मानबेंद्र घोष, जो मेरी क्रिकेट यात्रा के पिलर रहे। अगर वो नहीं होते तो मैं क्रिकेट जगत में कहीं नहीं पहुंच पाता। धन्यवाद सर और आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

मनोज तिवारी ने आगे लिखा, मेरे माता-पिता दोनों का धन्यवाद, जिन्होंने कभी मुझ पर पढ़ाई का दबाव नहीं डाला और क्रिकेट पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। मेरी पत्नी सुष्मिता रॉय का धन्यवाद, जो मेरी जिंदगी में आने के बाद से हमेशा साथ खड़ी रही। उनके समर्थन के बिना शायद मैं आप इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाता, जहां खड़ा हूं।

मनोज तिवारी का इंटरनेशनल करियर

मनोज तिवारी ने 2008 में एमएस धोनी की कप्तानी में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। भारत के लिए तिवारी ने 12 वनडे और तीन टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। वनडे में उन्होंने 26.09 की औसत से 287 रन बनाए है। जिसमें 1 शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

घरेलू क्रिकेट करियर

बंगाल के लिए क्रिकेट खेलने वाले तिवारी ने फर्स्ट क्लास करियर में 141 मैच खेले, जिसमें 29 शतक और 45 अर्धशतकों की मदद से 9908 रन बनाए और 32 विकेट लिए। उन्होंने 169 लिस्ट ए मैचों में 6 शतक और 40 अर्धशतकों की मदद से 5581 रन बनाए, 63 विकेट झटके।

आईपीएल में चार टीमों को हिस्सा रहे

इंडियन प्रीमियर लीग में मनोज तिवारी कोलकाता नाइट राइडर्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली कैपिटल्स और किंग्स इलेवन पंजाब टीम का हिस्सा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 98 मैचों में 1,695 रन बनाए।

राहुल और अय्यर का एशिया कप से बाहर होना तय

मुम्बई । भारत के धुरंधर बल्लेबाज लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर अभी भी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और इनका इसी माह के अंत में होने वाले एशिया कम से बाहर होना तकरीबन तय है। एशिया कप 30 अगस्त से 17 सितंबर तक खेला जाएगा और इसके लिए टीम की घोषणा इसी सप्ताह होगी। ये दोनो ही खिलाड़ी अभी रिहैब के दौर से गुजर रहे हैं। इसके साथ ही दोनो ही सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस को लेकर भी जानकारियां देते रहे हैं पर माना जा रहा है कि इन्हें अभी जल्दबाजी न करने को कहा गया है। इसी कारण इन दोनों के नाम पर इस साल के अंत में होने वाले विश्वकप में ही विचार किया जाएगा।

25 सालों से अंतरिक्ष में है ये नाइजीरियन

आज बड़े बड़े देश अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे है और एलियन की खोज में लगे हुए है, आज यहां ऐसे नाइजीरियन एस्ट्रोनॉट की बात हो रही है जो 25 सालों से अंतरिक्ष में ग्रहों के चक्कर लगा रहा है। जानकारी के लिए बता दें इस एस्ट्रोनॉट का नाम अबाचा टुंडे है, जो सालों पहले यु एस एस आर के साथ सोवियत स्पेस क्राफ्ट में स्पेस गए थे, और अब तक नहीं लौटे और बाकी साथी धरती पर वापस आ गए। पिछले एक हफ्ते में ब्रिटिश वेबसाइट अनरोक पर जो मैसेज आया जिसने सभी को हिला कर रख दिया है , मैसेज में लिखा था की वे अंतरिक्ष में फंस गया है और उसे धरती पर आने के लिए 3 मिलियन की जरूरत है, इस मैसेज के आते ही मानो हड़कम्प सा मच गया और खबर हवा की तरह फैलती चली गई। यु एस एस आर के सगे साथियों ने बताया की हो सकता है टुंडे का 25 साल अंतरिक्ष में रहना एक मिशन का हिस्सा हो,हालांकि की अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। जब से अबाचा टुंडे की अंतरिक्ष में गए है तबसे उनकी सैलरी 15 मिलियन हो चुकी है जो लेगोस नेशनल सेविंग्स एंड ट्रस्ट एसोसिएशन में जा रही है,

प्याज की चाय घटाती है तेजी से वजन

प्याज की चाय वजन कम करने के साथ डायबिटीज को दूर करती है। प्याज की चाय प्याज के छिलके से बनती है। इसमें क्रेरसेटिन नाम का पिग्मेंट होता है जिसके कई सारे फायदे हैं। ये खून का थक्का बनने से रोकता है जिससे हाइपरटेंशन का खतरा कम होता है। इसके अलावा अगर नींद ना आने की समस्या से परेशान हैं तो प्याज की चाय बहुत फायदा करती है।

नार्कोलेप्सी से जुड़े हैं ये जोखिम

नार्कोलेप्सी नींद से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोगी कभी भी और कहीं भा अचानक से सो जाता है। इस बीमारी में रोगी कभी भी बैठे-बैठे या काम करते हुए सो जाता है, यहां तक कि हंसते या रोते हुए भी। साथ ही रोगी दिन भर उनींदा और थका हुआ रहता है। कितना भी सो लेने के बाद रोगी को लगता है, कि वह सोया ही नहीं है। यह बीमारी अधिकांशतः 15 से 25 साल की आयु के लोगों को अपना शिकार बनाती है। नार्कोलेप्सी से कई प्रकार के जोखिम भी जुड़े होते हैं। चलिए जानें नार्कोलेप्सी और इससे जुड़े जोखिम क्या हैं

क्या है नार्कोलेप्सी

नार्कोलेप्सी के रोगी हमेशा सुस्त महसूस करते हैं और उन्हें अधिक समय तक जागने में कठिनाई होती है। हालांकि अभी तक वैज्ञानिक इस बीमारी का ठोस कारण पता लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं। लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि अनुवांशिकी और वायरस के संयोग से ऐसी स्थिति पैदा होती है। महिलाओं इस बीमारी के लक्षण मरीज में लम्बे समय से हो सकते हैं लेकिन बीमारी का पता बहुत दिनों बाद चलता है।

मोटापा

नार्कोलेप्सी से पीड़ित रोगी के ओवर वेट होने की आशंका सामान्य लोगों से दो गुना तक अधिक होती है। वजन बढ़ाने की ये घटना निष्क्रियता, ज्यादा खाने, हाइपोसर्टेन की कमी या अन्य कारकों के संयोजन से संबंधित हो सकती है। नार्कोलेप्सी के मरीज हमेशा सुस्त रहते हैं। इन रोगियों में मनासिक समस्याओं जैसे डिप्रेशन, बाइपोलर डिस्ऑर्डर और सीजोफ्रेनिया भी शामिल हो सकते हैं। इसलिए इसके लक्षणों के प्रति सचेत रहना चाहिए और समय रहते चिकित्सकीय मदद लेनी चाहिए।

नार्कोलेप्सी के जोखिम कारक

बाहरी व निजी जीवन में नार्कोलेप्सी व्यक्तिगत रूप से आपके लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती है। चलिये जानें कि इस रोग के कारण किस तरह के जोखिम पैदा हो सकते हैं -

नींद के ये अटैक नार्कोलेप्सी से पीड़ति व्यक्ति को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। यदि ड्राइविंग करते हुए इस तरह का स्लीप अटैक आए तो एक्सीडेंट हो सकता है। वहीं यदि भोजन तैयार करते समय आप सो जाएं तो कट जाने व जल जाने का खतरा अधिक होता है।

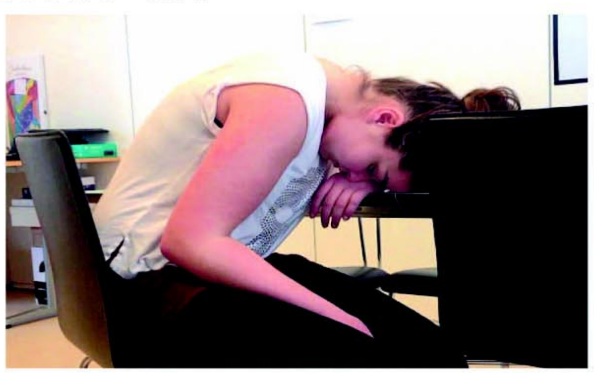

आंखें खोलती हैं सेहत से जुड़े राज

आंखों के रंगों में बदलाव सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि यह खतरनाक हो सकता है, इसे हल्के में न लें और आंखों की जांच कराएं। आंखें कुदरत का सबसे अनमोल तोहफा हैं, न केवल हम इनसे दुनिया को देखते हैं बल्कि आपकी आंखों में ही आपके सेहत का राज छिपा है। आपकी आंखें बहुत कुछ कहती हैं, अगर आपको कोई बीमारी है तो उसका पता आपकी आंखों से आसानी से चल जाता है। अगर आपकी आंखों का रंग बदल रहा है तो इसे हल्के में न लें, हो सकता है यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हों।

मानसिक स्वास्थ्य में

कुछ दिमागी बीमारियां हैं जिनके बारे में आंखें बताती हैं। सीजोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर जैसी मानासिक बीमारी होने पर आपकी आंखों का रंग अलग होगा। जैसे सीजोफ्रेनिया होने पर व्यक्ति अपनी आंखों को एक ही बिंदु पर स्थिर नहीं रख सकता है। लेकिन हाल में हुए शोध के अनुसार ग्लूकोमा होने पर भी व्यक्ति को ऐसी परेशानी होती है।

ब्रेन ट्यूमर होने पर

दिमाग में ट्यूमर होने पर सिरदर्द, थकान, आलस, जैसी स्थिति इसके सामान्य लक्षण हैं। लेकिन ब्रेन ट्यूमर होने पर आंखों का रंग बदलता तो है साथ ही देखने में परेशानी होती है, धुंधला दिखाई देता है।

थायराइड होने पर

थायराइड ग्रंथि का सुचारु रूप से काम करना हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। थकान, वजन कम होना या बढ़ना, बार-बार भूख लगना थायराइड ग्रंथि के ठीक से काम न करने के लक्षण हैं, लेकिन थायराइड ग्रंथि में समस्या होने पर आंखें उभरी हुई दिखती हैं। अगर आपकी आंखों में उभार हो तो यह थायराइड के संकेत हैं।

डायबिटीज की समस्या

मोटापे और अनियमित दिनचर्या के कारण डायबिटीज के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। डायबिटीज होने पर आंखों पर भी असर पड़ता है, इसके कारण आंखों की पुतलियों का रंग बदल जाता है और आंखों की रक्त वाहिकायें भी प्रभावित होती हैं, इसके कारण नकसीर भी हो सकता है।

पीलिया होने पर

पीलिया होने पर उसका पता नाखूनों के अलावा आंखों के रंग से भी चल जाता है। पीलिया होने पर आंखों में एक किस्म का पीलापन और भूरापन आ जाता है। हालांकि अधिक मात्रा में वसायुक्त भोजन करने और फलों और हरी सब्जियों का सेवन कम करने के कारण भी आंखों का पीलापन बड़ने लगता हैं। इससे देखने की क्षमता पर असर नहीं पड़ता। परंतु यदि आंखों का पीलापन लगातार बढ़ रहा है तो पीलिया की जांच कराएं।

मोतियाबिंद

मोतियाबिंद आंखों की बीमारी है, इसके कारण आंखों की रोशनी जा सकती है और आदमी अंधा भी हो सकता है। इसकी शुरूआत धुंधला दिखाई देने से होती है। यह बीमारी आंखों के पर्दे पर धुंधला धब्बे बनने के कारण होता है। अगर आंखों पर धुंधले धब्बे दिखे तो यह मोतियाबिंद हो सकता है।

तनाव होने पर

आदमी को यदि तनाव या अवसाद हो तो उसकी आंखें इसके बारे में बता देती हैं। तनाव के कारण अनिद्रा की समस्या होती है ओर इसकी वजह से आपकी आंखों का रंग लाल हो जाता है। हालांकि कभी-कभी यह लक्षण थॉयराइड के कारण भी हो सकते हैं।

पैरालिसिस या लकवा

लकवा जैसे गंभीर स्ट्रोक होने पर पलकें लटकी हुई दिखाई देती हैं, हालांकि यह समस्या बुढ़ापे में होती है। लेकिन कुछ मामलों में लटकी पलकें गंभीर स्ट्रोक के संकेत हो सकते हैं। पलकों के लटकने के अलावा आवाज में भी लड़खड़ाहट होने लगती है। इस स्थिति में खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

एलर्जी होने पर

अगर आपकी आंखें लाल हैं और उनमें खुजली हो रही है तो यह एलर्जी के संकेत हो सकते हैं। एलर्जी होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और छींक भी आती है। इस समय नाक बंद हो जाती है और नाक से पानी भी आता है।

उच्च रक्तचाप में

उच्च रक्तचाप की समस्या होने पर भी आंखों के रंग में बदलाव होता है। हाई ब्लड प्रेशर के दौरान आंखें लाल हो जाती हैं। इसके अलावा रक्त वाहिकाओं यानी ब्लड वेसेल्स के फैलने के कारण आंखों में सूजन भी हो सकती है। उच्च रक्तचाप के कारण होता है।

ह्यूमेनिटीज में भरपूर रोजगार...

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और ॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम ो हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी ाथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं खते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम ी जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी ास्तृत हो गया है। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष हले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता ा, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है ा शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। ेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक ो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे द, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा कती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों रह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने ; साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी ं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित ाकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय तिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख ीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों ो सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है।

आईआईटी में कोर्स

ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई यानी ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

कैसा होगा करियर

दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है।

इन क्षेत्रों में हैं मौके

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी

IIT बॉम्बे के स्टूडेंट्स ने बनाई विस्फोटक ढूंढने वाली इलेक्ट्रॉनिक नाक

जिन जगहों पर भीड़ ज्यादा हो, वहां पर विस्फोटकों का पता लगाने के लिए स्निफर डॉग्स को इस्तेमाल करना सुविधाजनक नहीं होता। मगर अब एक आसान तरीका ढूंढा गया है। आईआईटी बॉम्बे ने नैनो टेक्नॉलजी पर आधारित एक पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक नोज (नाक) तैयार किया है, जो भीड़भाड़ वाली जगहों पर भी विस्फोटकों को सूंघ लेता है। इसका नाम ईनोज (eNose) रखा गया है।

आईआईटी बॉम्बे के 4 विभिन्न विभागों के 15 छात्रों की टीम ने इसे डिवेलप किया है। इसे भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिफिक अडवाइजर के ऑफिस ने फंड किया है। ईनोज को दूर से संचालित करने के लिए मोबाइल फोन के साथ लिंक किया जा सकता है।

टेक्नॉलजी के बारे में बात करते हुए इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर वी. रामगोपाल राव ने बताया, 'ईनोज के सरफेस पर खास कोटिंग लगी हुई है। इंसान के बाल की मोटाई के बराबर संरचनाएं इसमें हैं, जो सेंसर का काम करती हैं। इसपर लगे नैनो पार्टिकल्स पर विस्फोटक सामग्री के वाष्प कण चिपक जाते हैं।' यह RDX और ENT जैसे विस्फोटकों की पहचान कर सकता है। सरफेस पर अलग-अलग तरह की कोटिंग से यह अलग तरह के विस्फोटकों को पहचान सकता है। इसे इस तरीके से तैयार किया गया है कि बिल्कुल इंसान या जानवर की नाक की तरह काम करता है। इसे पंप के साथ फिट किया गया है, जो आसपास की हवा को अंदर लेकर और बाहर छोड़ता रहता है। ईनोज को गतिशील गाड़ी में भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि इसे वाइब्रेशन से पावर मिलती है। यह सरफेस वाइब्रेशन से चार्ज किया जा सकता है। यह मकैनिकल एनर्जी को इलेक्ट्रिकल एनर्जी में तब्दील कर देता है। इस नाक को तैयार करने में इस्तेमाल हुए हिस्सों पर 5 से 10 हजार रुपये का खर्च आया है।

रेसिपी

चॉकलेट पराठा

सामग्री

1 कप चॉकलेट पेस्ट
3 कप गेहूं का आटा
तेल तलने के लिए
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में आटाए नमक और पानी मिला कर नरम गूथ लें। अब गूथे हुए आटे में से थोड़ा सा हिस्सा निकालें और उसे मसल कर बेल लें। बेले हुए हिस्से में चॉकलेट पेस्ट बीच में रख कर फैलाएं। अब आटे को सब तरफसे बंद करें और दुबारा बेलें। अब गरम तवे पर तेल लगा कर पराठे सेकें। पराठे को दोंनो ओर गोल्डन ब्राउन होने तक सेंके। आपका पराठा सर्व करने के लिए तैयार है।

होल व्हीट ब्रेड रोल्स

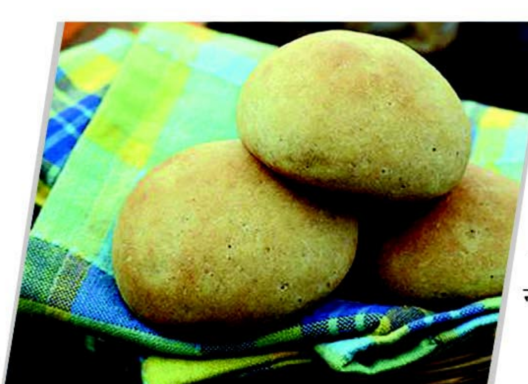

सामग्री

2 कप गेहूं का आटा
1 टी.स्पून सूखा खमीर
1 टी.स्पून शक्कर
1 टेबल.स्पून नरम मक्खन
नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटे बाउल मेंए खमीरए शक्कर और 2 टेबल.स्पून गुनगुने पानी को मिला लें और ढक्कन से ढककर 10 मिनट के लिए रख दें। एक गहरे बाउल में गेहूं का आटा मक्खन नमक और खमीर.शक्कर के मिश्रण को मिला लें और लगभग 3-4 कप गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को हल्के गीले सुती कपड़े से ढककर 20 मिनट के लिए रख दें। बेकिंग ट्रे को तेल से चुपड़कर रख दें। आटे को 8 भागो में बांट लें और प्रत्येक भाग के गोले बनाकर चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रख दें। हल्के गीले सूती कपड़े से ढककर 45 मिनट या एनके अच्छी तरह फूल जाने तक 45 मिनट के लिए गरम जगह पर रख दें। पहले से गरम अवन में 200°Ö ;400°çh के तापमान पर 20 मिनट के लिए बेक कर लें। हल्का ठंडा कर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)